डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2024-2026
लाइसेंस क्र. Tech/23-04/08/2024-2026
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

टेलीग्राम चैनल से जुड़ने के लिए यहां क्लिक करें

प्रति माह की प्रकाशित, तारीख 08.10.2024 से 14.10.2024 ▶ वर्ष-41 ▶ अंक-02 ▶ पेज 8 ▶ ₹ 10.00

जबलपुर में बनेगा मध्यप्रदेश का सबसे बड़ा एलिवेटेड कॉरिडोर

प्रदेश के सभी जिलों में उद्योगों से रोज़गार मिलेगा और खुशहाली आएगी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जबलपुर में विकास कार्यों का भूमि पूजन एवं लोकार्पण किया

अयोध्या और हरिद्वार की तरह नर्मदा घाटों का होगा विकास

जहां-जहां भगवान राम के चरण पड़े हैं, वे स्थान बनेंगे तीर्थ

वीरांगनाओं की जीवनियां पाठ्यक्रमों में पढ़ाएंगे

जबलपुर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संस्कारधानी जबलपुर में 409.53 करोड़ रुपये की लागत के विकास कार्यों का भूमि पूजन एवं लोकार्पण किया। इस दौरान आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के महाकौशल क्षेत्र में तीव्र प्रगति सुनिश्चित की जाएगी।

संभाग के सभी जिलों में नए उद्योगों से लोगों को बड़ी संख्या में रोज़गार प्राप्त होगा और खुशहाली आएगी। खाद्य प्रसंस्करण, दुग्ध उत्पादन और अन्य संबंधित गतिविधियों से नागरिकों को लाभान्वित किया जाएगा। करीब 800 करोड़ रुपये की लागत से एलिवेटेड कॉरिडोर विकसित होगा, जो प्रदेश का सबसे बड़ा कॉरिडोर होगा। महाकौशल में जनसहयोग से विकास का कारवां आगे बढ़ेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वन ग्रामों की तकलीफें दूर की जाएंगी।

फैशन डिजाइन क्लस्टर का विकास

बरगी डेम के प्रभावित 10 ग्राम के 1414 परिवारों को इस दौरान भू-अभिलेख के पट्टे भी प्रदान किए गए। जबलपुर में 63 एकड़ क्षेत्र में आई.टी. पार्क का निर्माण होगा, इसकी लागत 400 करोड़ रुपये है। इसके अलावा 65 करोड़ रुपये की लागत के गारमेंट और फैशन डिजाइन क्लस्टर का विकास होगा।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के मन में है मध्यप्रदेश

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश के मन में मोदी हैं और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मन में मध्यप्रदेश है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने भारत को समूचे विश्व में ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है। वे मध्यप्रदेश की प्रगति के आकांक्षी हैं। उनका संकल्प है कि सुशासन के उच्च मापदंड स्थापित करते हुए कार्य किया जाए।

वीरांगनाओं की जीवनी पाठ्यक्रम में होगी शामिल

मुख्यमंत्री ने कहा कि जाबालि ऋषि की धरती जबलपुर देश का मध्य केन्द्र भी है। यह रानी दुर्गावती के शौर्य और पराक्रम का प्रमाण देने वाली धरती है। रानी दुर्गावती सहित अन्य वीरांगनाओं की जीवनी पाठ्यक्रम में शामिल की जाएगी।

प्रदेश में घर-घर होगी दीपावली, मंदिर सजाएंगे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला के मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का गौरवमयी क्षण है। इस अवसर पर मध्यप्रदेश सरकार ने इस अद्भुत क्षण का सम्मान करने का निर्णय लिया है। अयोध्या जाने वाले तीर्थ यात्रियों का पुष्प वर्षा से स्वागत किया जाएगा। उन सभी स्थानों को तीर्थ स्थल बनाया जाएगा, जहां भगवान राम के चरण पड़े हैं। हर गाँव और शहर में मंदिरों की सज्जा होगी और दीपावली मनाई जाएगी।

अयोध्या और हरिद्वार की तर्ज पर विकसित होंगे घाट

मुख्यमंत्री ने कहा कि नर्मदा के 17 घाटों के विकास कार्य भी होंगे। यह घाट अयोध्या और हरिद्वार की तर्ज पर बनेंगे। नर्मदा जी पूर्व से पश्चिम की तरफ बहती हैं। मध्यप्रदेश के नागरिक श्रद्धापूर्वक माँ नर्मदा की आरती करते हैं।

संक्षिप्त खबर

प्रदेश में 41.10 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता

भोपाल, प्रदेश में वर्तमान में जल-संसाधन विभाग के अंतर्गत 41 लाख 10 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता निर्मित की जा चुकी है। विभाग द्वारा दिसम्बर-2024 तक 43 लाख हेक्टेयर, दिसम्बर-2025 तक 46 लाख हेक्टेयर और दिसम्बर-2027 तक 53 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता बढ़ाये जाने का कार्यक्रम तैयार किया गया है। इनके पूर्ण होने पर 19 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता का विकास होगा।

बिजली कंपनी को पीएसयू आईटी फोरम 2023 अवॉर्ड

भोपाल, मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी को गवर्नमेंट इंडिया पीएसयू आई.टी. फोरम-2023 अवॉर्ड मिला। नई दिल्ली में आठवें गवर्नमेंट इंडिया पीएसयू आई.टी. फोरम कार्यक्रम में दिया गया। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी को सतर्कता जांच गतिविधियों को डिजिटल रूप से पूरे कंपनी कार्यक्षेत्र में लागू करने के लिए आई.टी. इनोवेशन श्रेणी में यह पुरस्कार मिला।

भीतर के पृष्ठों पर

- **पिछला सप्ताह** - देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण
- **चर्चा में** - चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **खेल चर्चा** - प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी** - देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

पांच वर्षीय रोडमेप

राज्य का पहला सुनियोजित शहर होगा जबलपुर

जबलपुर, जिलों और विधानसभा क्षेत्रों में उपलब्ध संसाधनों के आधार पर रोज़गार आधारित औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए पांच वर्षीय रोडमेप तैयार किया जाएगा। साथ ही प्रदेश और जिलों के उद्योगपतियों की जिला स्तर पर इन्वेस्टर्स समिट आयोजित की जायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जबलपुर में आयोजित विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में कहा कि अभी कई सेक्टर ऐसे हैं जहां निवेश और रोज़गार के असीमित अवसर हैं।

मुख्यमंत्री ने जनजातीय जिलों बालाघाट, मंडला और डिंडोरी की परिस्थितियों पर कहा कि उद्योगों के लिए जहां बिजली की समस्या है वहां के लिए अलग योजना और कार्यक्रम बनाया जायेगा। इनकी जलवायु और परिस्थितियों को देखते हुए पशुपालन और पर्यटन को बढ़ावा दिया जायेगा। उन्होंने इन जिलों में माइनिंग और डेयरी व्यवसाय पर फोकस करने को कहा।

विगत तीन वर्षों में हुआ महाकौशल में निवेश

प्रमुख सचिव उद्योग श्री संजय शुक्ला ने पिछले तीन महीनों में महाकौशल के औद्योगिक क्षेत्र में आये व्यापक बदलाव की जानकारी देते हुए बताया कि महाकौशल में 9 सेक्टरों में सीमेंट, टेक्सटाइल, लोहा एवं इस्पात, कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण, एथेनॉल, इंजीनियरिंग, एफएमसीजी और निर्माण सामग्री में बदलाव आया है। तीन महीनों में 9567 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है जबकि 19 हजार 716 लोगों के लिए नए रोज़गार सृजित हुए हैं।

प्रस्तावित नई परियोजनाएं

उद्योग विभाग द्वारा महाकौशल क्षेत्र में आगामी नवीन परियोजनाओं की तैयारी की गई है। इनमें सिहोरा में 1379 एकड़ क्षेत्र में प्रमुख अधोसंरचना (ट्रंक इंफ्रास्ट्रक्चर) कार्य प्रस्तावित है। इसकी अनुमानित लागत 240 करोड़ रुपये है। इसी तरह औद्योगिक क्षेत्र बुरकलखापा सिवनी में 11 करोड़ रुपये की लागत के कार्य, ग्राम सिमरा एवं कैलवारा खुर्द, कटनी के रीठी में ही लगभग 400 एकड़ में कटनी से 20 किलोमीटर दूर व स्टेट हाईवे से 3 किलोमीटर और हरदुआ रेलवे स्टेशन से 1 किमी दूरी पर स्थापित करने की योजना है।

निर्माणाधीन परियोजनाएं और नये औद्योगिक क्षेत्र

औद्योगिक क्षेत्र उमरिया डुंगरिया, जिला जबलपुर का विस्तार 60.5 एकड़ में किया जा रहा है। इंडस्ट्रियल पार्क नरसिंहपुर-दो का विकास, औद्योगिक क्षेत्र टिकरिया कटनी का विकास 7.72 करोड़ रुपये से किया जा रहा है। औद्योगिक क्षेत्र हरगड़ में 19.22 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है। साथ ही औद्योगिक विकास केंद्र मनेरी मंडला में 45.36 करोड़ से डिस्ट्रीब्यूशन पाइपलाइन का कार्य चल रहा है।

राज्य रूपंकर कला पुरस्कार प्रदर्शनी की प्रविष्टियां आमंत्रित

भोपाल, उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी द्वारा मध्यप्रदेश राज्य रूपंकर कला पुरस्कार प्रदर्शनी-2024 का आयोजन किया जा रहा है। अकादमी द्वारा मध्यप्रदेश के ख्यातिलब्ध कलाकारों के नाम से स्थापित रूपंकर एवं ललित कलाओं के दस पुरस्कारों के लिए कलाकृतियां आमंत्रित की जा रही हैं। प्रत्येक पुरस्कार की राशि 51 हजार निर्धारित है।

रूपंकर कला पुरस्कार प्रदर्शनी में तीन कलाकृतियां मान्य की जाएंगी तथा 25 से 55 वर्ष तक की आयु वर्ग के कलाकार इसमें भाग ले सकेंगे। कलाकारों की मौलिक कलाकृतियां जो जनवरी 2022 के बाद सृजित हों, कमेटी द्वारा मान्य की जाएंगी। अधिक जानकारी के लिए www.kalaacademymp.com पर विजिट कर सकते हैं।

समीक्षा बैठक

उद्योगों को आत्मनिर्भर और लाभकारी बनाएं : मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग की गतिविधियों और कार्ययोजनाओं की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि उद्योग लगवाने के साथ-साथ उन्हें आगे बढ़ाने के लिए भी प्रयास करें। उद्योगों को आत्मनिर्भर और लाभकारी बनाएं। इसके लिए विभिन्न विभागों के साथ समन्वय बनाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बुंदेलखंड और बघेलखंड जैसे क्षेत्रों के औद्योगिक विकास के लिए स्थानीय सुविधा अनुसार कंपनियों को उद्योग लगाने के लिए आकर्षित करने का

प्रयास करें। प्रदेश में स्थानीय स्तर पर होने वाली उपज जैसे दूध, सोयाबीन, हर्बल और लघु वनोपज आदि की उपलब्धता अनुसार स्थानीय स्तर पर छोटी-छोटी यूनिट लगवाने का अभियान चलाएं। जिले में स्थानीय उद्योगपतियों को नए उद्योग लगाने के लिए प्रोत्साहन की नीति बनाएं। नये उभरते उद्यमों (सनराईज इंडस्ट्री) के लिये क्षेत्रवार अलग से नीति बनाई जाये।

सब्सिडी समय पर देना सुनिश्चित करें

मुख्यमंत्री ने कहा कि भविष्य की दृष्टि से नए रेलवे ट्रैक और जल मार्ग से नए क्षेत्रों में उद्योग की स्थापना की योजना बनाएं। मशीन के साथ रोजगार आधारित उद्योग स्थापित कराएं। प्रदेश के भविष्य की संभावनाओं और उद्योगों की आवश्यकता अनुसार नीतियां बनें। उद्योगों को सब्सिडी समय पर देना सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने उज्जैन में भी एमपीआईडीसी के नए कार्यालय खोलने का निर्देश जारी किया। इससे उज्जैन, नीमच, रतलाम सहित अन्य जिलों में औद्योगिकीकरण को प्रोत्साहन मिलेगा।

30 दिसम्बर

भारत सरकार का कैलेंडर 2024 लॉन्च

● केंद्रीय मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर ने 'हमारा संकल्प विकसित भारत' की थीम के साथ भारत सरकार के कैलेंडर 2024 को लॉन्च किया। यह कैलेंडर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व के तहत जन अनुकूल नीतियों की रचना, योजनाओं और पहलों के कार्यान्वयन के माध्यम से भारत की जनता के जीवन में आए सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक परिवर्तन को दर्शाता है। इस कैलेंडर का प्रत्येक महीना पिछले नौ वर्षों में भारत सरकार द्वारा किए गए वादों को पूरा करने के माध्यम से महिलाओं, युवाओं, मध्यम वर्ग, किसानों और समाज के हर वर्ग के लोगों के चेहरों पर आई मुस्कान को दर्शाता है।

● केन्द्रीय वित्त तथा कॉरपोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के प्रदर्शन पर हुई समीक्षा बैठक में कहा कि बैंक से जुड़ी धोखाधड़ी ग्राहकों और वित्तीय संस्थानों दोनों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकती है, जिसके परिणामस्वरूप वित्तीय घाटा होगा और बैंकिंग प्रणाली में जनता का विश्वास कम होगा। उन्होंने बड़े कॉरपोरेट धोखाधड़ी और जानबूझकर चूक से संबंधित धोखाधड़ी रोकथाम गतिविधियों के साथ-साथ व्यक्तिगत स्तर पर ग्राहकों को धोखा देने वाले कार्यों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा।

31 दिसम्बर

भारतीय नौसेना ने निगरानी बढ़ाई

● लाल सागर, अदन की खाड़ी और मध्य/उत्तरी अरब सागर में अंतर्राष्ट्रीय शिपिंग लेन से गुजरने वाले व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा के लिए भारतीय नौसेना ने मध्य/उत्तरी अरब सागर में समुद्री निगरानी से संबंधित पुराने और बल के स्तर में वृद्धि की है। समुद्री सुरक्षा अभियान संचालित करने और किसी भी घटना की स्थिति में व्यापारिक जहाजों को सहायता प्रदान करने हेतु विध्वंसक और युद्धपोत वाले कार्य समूहों को तैनात किया गया है। संपूर्ण समुद्री क्षेत्र से संबंधित स्थिति से अवगत रहने हेतु लंबी दूरी के समुद्री गश्ती विमानों और आरपीए द्वारा हवाई निगरानी को बढ़ाया गया है।

● भारत सरकार ने 'तहरीक-ए-हुर्रियत, जम्मू एंड कश्मीर (TeH)' को विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम (यूएपीए), 1967 की धारा 3 (1) के तहत विधिविरुद्ध संगठन घोषित कर दिया है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने सोशल मीडिया पर कहा कि यह संगठन जम्मू-कश्मीर को भारत से अलग करने और इस्लामी शासन स्थापित करने के लिए निषिद्ध गतिविधियों में शामिल है। समूह को भारत विरोधी प्रचार फैलाते हुए और जम्मू-कश्मीर में अलगाववाद को बढ़ावा देने के लिए आतंकवादी गतिविधियों को जारी रखते हुए पाया गया है, जो भारत की संप्रभुता, सुरक्षा और अखंडता के लिए हानिकारक है। उन्होंने कहा भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति या संगठन को तुरंत विफल कर दिया जाएगा।

1 जनवरी

महाराष्ट्र सरकार ने ड्रोन मिशन को मंजूरी दी

● महाराष्ट्र सरकार ने ड्रोन मिशन स्थापित करने की मंजूरी दी। इस मिशन में सुरक्षा निगरानी, आपदा के दौरान राहत और बचाव कार्य, दूर-दराज के इलाकों में दवाइयां और टीके पहुंचाने, बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और यातायात प्रबंधन की निगरानी के कार्य किये जायेंगे। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-आईआईटी बॉम्बे के विशेषज्ञ-दल की रिपोर्ट के आधार पर पांच वर्षीय कार्यान्वयन योजना तैयार की गई है। इसकी निगरानी मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली समिति करेगी। ड्रोन मिशन का मुख्यालय आईआईटी बॉम्बे में होगा। आईआईटी बॉम्बे की रिपोर्ट अक्टूबर 2023 में प्रस्तुत की गई थी, जिसके आधार पर सरकार ने इस मिशन को मंजूरी दी है।

● आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने 94.70 प्रतिशत की दर से आरोपियों को सजा दिलाई है। वहीं 2023 के दौरान लगभग 56 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की। 2022 में गिरफ्तार किए गए 490 आरोपियों की तुलना में 2023 में एनआईए की ओर से की गई गिरफ्तारियों की कुल संख्या 625 रही है। इनमें आईएसआईएस मामलों में गिरफ्तार 65 आरोपी, जिहादी आतंकी मामलों में गिरफ्तार 114 आरोपी, मानव तस्करी मामलों में 45 आरोपी, आतंकवादी और संगठित आपराधिक गतिविधि के 28 आरोपी और वामपंथी उग्रवाद मामलों के 76 आरोपी शामिल हैं। वर्ष 2023 के दौरान पूरे देश में हिंसक जिहाद पर कार्रवाई एनआईए के लिए एक बड़ी उपलब्धि साबित हुई, जिसमें राष्ट्रव्यापी छापे और तलाशी के माध्यम से प्रतिबंधित वैश्विक संगठन- आईएसआईएस के कई मॉड्यूल्स का भंडाफोड़ किया गया।

2 जनवरी

वृन्दावन में खुला लड़कियों के लिए सैनिक स्कूल

● रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने वृन्दावन में बालिकाओं के लिए पहले पूर्ण सैनिक स्कूल संविद गुरुकुलम का उद्घाटन किया। इस विद्यालय में 870 बालिका विद्यार्थियों को शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर रक्षा मंत्री ने संविद गुरुकुलम बालिका सैनिक स्कूल को उन लड़कियों के लिए आशा की किरण बताया, जो सशस्त्र बलों में शामिल होने तथा मातृभूमि की रक्षा करने की इच्छा रखती हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में महिलाओं को सशस्त्र बलों में उनका उचित स्थान दिया है, जो वर्षों से उपेक्षित रही थी। महिलाओं को अपने पुरुष समकक्षों की तरह ही राष्ट्र की रक्षा करने का अधिकार है।

● अप्रैल-दिसम्बर 2023 की अवधि के दौरान सकल जीएसटी संग्रह में वर्ष दर वर्ष 12 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि देखी गई, जो 14.97 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई। सकल जीएसटी संग्रह पिछले वर्ष की समान अवधि (अप्रैल-दिसम्बर 2022) में 13.40 लाख करोड़ रुपये था। दिसम्बर, 2023 में एकत्रित सकल जीएसटी राजस्व 1,64,882 करोड़ रुपये है, जिसमें से सीजीएसटी 30,443 करोड़ रुपये है, एसजीएसटी 37,935 करोड़ रुपये, आईजीएसटी 84,255 करोड़ रुपये (माल के आयात पर एक्स 41,534 करोड़ रुपये सहित) और उपकर 12,249 करोड़ रुपये है (माल के आयात पर एक्स 1,079 करोड़ रुपये सहित)।

3 जनवरी

सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन के तहत एक करोड़ से अधिक लोगों की जांच हुई

● राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन के तहत सिकल सेल रोग के लिए एक करोड़ से अधिक लोगों की जांच की गई है। यह मिशन 3 वर्षों में 7 करोड़ आबादी की जांच करने का प्रयास करेगा। सिकल सेल रोग एक आनुवंशिक रक्त रोग है, जो पीड़ित रोगी के पूरे जीवन को प्रभावित करता है। यह रोग भारत की जनजातीय आबादी में अधिक आम है लेकिन गैर-जनजातीय आबादी में भी होता है। राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन । जुलाई, 2023 को मध्यप्रदेश के शहडोल में माननीय प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किया गया था।

● भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने पंजाब स्टेट पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा जीवीके पावर (गोइंदवाल साहिब) लिमिटेड की शत-प्रतिशत शेयरधारिता के प्रस्तावित अधिग्रहण को मंजूरी दे दी गई है। पंजाब स्टेट पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड, पंजाब सरकार का पूर्ण स्वामित्व वाला एक उपक्रम है। पूर्ववर्ती पंजाब राज्य बिजली बोर्ड (पीएसईबी), विद्युत आपूर्ति अधिनियम, 1948 के तहत 01 फरवरी, 1959 को गठित एक वैधानिक निकाय था। जबकि जीवीके पावर (गोइंदवाल साहिब) लिमिटेड, दिसम्बर 1997 में निगमित हुई, जीवीके एनर्जी लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है जो बदले में जीवीके पावर एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड की सहायक कंपनी है।

4 जनवरी

भारतीय कंपनी सचिव संस्थान ने घोषित किया परीक्षा कार्यक्रम

● भारतीय कंपनी सचिव संस्थान (आईसीएसआई) ने कंपनी सचिव (सीएस) कार्यकारी और व्यावसायिक परीक्षाओं की तारीखों की घोषणा कर दी है। यह परीक्षाएं जून 2024 में आयोजित की जाएंगी। सीएस एजीक्यूएट 2017 पाठ्यक्रम परीक्षा 1 से 8 जून तक आयोजित की जाएगी। सीएस एजीक्यूएट 2022 पाठ्यक्रम परीक्षा 1 से 7 जून के लिए निर्धारित है। सीएस प्रोफेशनल कोर्स के लिए 2017 पाठ्यक्रम की परीक्षाएं 1 से 10 जून तक और 2022 पाठ्यक्रम की परीक्षाएं 1 से 7 जून तक होंगी। अभ्यर्थियों को प्रश्न पत्र पढ़ने के लिए सुबह 9 बजे से 9:15 बजे तक 15 अतिरिक्त मिनट मिलेंगे। किसी भी आपात स्थिति के लिए 11, 12, 13 और 14 जून की तारीखें आरक्षित रखी गई हैं।

● केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में रखे जाने के लिए अस्पतालों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इनके अनुसार अस्पताल गंभीर रूप से बीमार मरीजों को उनके अथवा उनके परिजनों द्वारा मना किये जाने की स्थिति में गहन चिकित्सा इकाई यानी आईसीयू में नहीं भेज सकेंगे। आईसीयू में प्रवेश और वहां से वापस भेजे जाने संबंधी दिशा-निर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि किसी मरीज को अंगों के काम करना बंद करने और ऑर्गन सपोर्ट की जरूरत पड़ने या स्थिति बिगड़ने की आशंका पर ही आईसीयू में भेजा जाना चाहिए। यह दिशानिर्देश 24 प्रतिष्ठित चिकित्सकों ने तैयार किए हैं, जिनमें दुबई और कनाडा के विशेषज्ञ भी शामिल हैं।

5 जनवरी

पश्चिमी नौसेना कमान के कमांडिंग-इन-चीफ बने वाइस एडमिरल संजय जे सिंह

● वाइस एडमिरल संजय जे सिंह ने पश्चिमी नौसेना कमान (डब्ल्यूएनसी) के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ (एफओसी-इन-सी) का पदभार संभाला। इससे पहले उन्होंने नई दिल्ली स्थित नौसेना मुख्यालय में नौसेना स्टाफ के उप प्रमुख के रूप में कार्य किया है। वाइस एडमिरल संजय जे सिंह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, पुणे से स्नातक हैं। उन्हें 1986 में भारतीय नौसेना की प्रबंधन कार्यकारिणी शाखा में नियुक्त किया गया था। उन्होंने अपने 37 साल के सेवाकाल में भारतीय नौसेना के अधिकांश युद्धपोतों पर कार्य किया है। वाइस एडमिरल संजय जे सिंह भारतीय नौसेना के समुद्री सिद्धांत 2009, रूपांतरण के लिए रणनीतिक मार्गदर्शन 2015 और भारतीय समुद्री सुरक्षा रणनीति 2015 के प्रमुख प्रारूपकार रहे हैं।

● रक्षा मंत्रालय ने सैन्य उपकरणों की खरीद के लिए 802 करोड़ रुपये के अनुबंध पर हस्ताक्षर किये हैं। बोगी ओपन मिलट्रि वैगन के लिए ज्यूपिटर वैगन्स लिमिटेड के साथ 473 करोड़ रुपये और मैकेनिकल माइनफील्ड मार्किंग इक्विपमेंट की खरीद के लिए बीईएमएल लिमिटेड के साथ 329 करोड़ रुपये के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए। बोगी ओपन मिलिट्री वैगन भारतीय सेना द्वारा सैन्य इकाइयों के परिवहन के लिए विशेष वैगन हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित
फोटो : गूगल से साभार)

Liberal Education Development Society Run

Liberal College Rau, Indore

Affiliated To D.A.V.V., Indore, M.P. Higher Education Bhopal, NCTE, BCI New Delhi

Application are Invited for the following

Department of Education

Principal, Prof., Asso. Prof., Asst. Prof. for Perspective Education, Pedagogy Subject, Fine Arts, Performing Arts, Health & Phy. Edu.
Minimum Qualification as per NCTE Regulation 2014 and DAVV

Department of Law and Traditional Courses

Principal, HOD, Professor, Asso. Professor, Asst. Professor for Political Sci., History, Economics, Eng. Lit. Law Subject, MSW, Commerce, Sociology, Computer Sci.
Qualification as per UGC/BCI/DHE and DAVV Norms

Email CV with Photo at: Liberalcollege111@gmail.com
Campus : Plot 11/13, Village Pigdamber, Rau, Indore (M.P.) 9111987858

R-49340/2024

ICON EDUCATION SOCIETY
Leader in the field of education invites applications for recruitment of academicians for its following Minority Educational Institutes

INDORE INSTITUTE OF LAW
(Affiliated to D.A.V.V. and Bar Council of India, New Delhi)
First and only Pvt. Autonomous Law college in India with NAAC A+ Grade on its first cycle Requires Academicians under College Code 28 for B.A.LL.B. (Hons.), BBA.LL.B. (Hons.), LL.B. (Hons.) & LLM Courses
● Dean ● Professors ● Associate Professors ● Asst. Professors
For Law, Management, History, Economics, Political Science, English, Hindi,Foreign Language (French/German/Spanish) Trainer/Sports Officer

Idyllic INSTITUTE OF MANAGEMENT
(Affiliated to D.A.V.V. & Approved By M.P. Higher Education & AICTE New Delhi)
A Premier Institute of central India.
● Requires Professors ● Associate Professors
● Asst. Professors under CC-28 For
M.B.A., B.B.A., B.Com., B.A. (Political Science/History/ Economics/Sociology) and B.Sc. (Physics/Math's / Computer Science) Courses Faculties for Hindi & English

INDORE NURSING COLLEGE
(Affiliated to M.P. Medical Science University, Indian Nursing Council , New Delhi)
A Premier Nursing College of Central India requires following professionals for
M.Sc. (N) , B.Sc. (N), P.B. B.Sc. (N), GNM Courses
● Principal ● Vice Principal
Associate Professors ● Asst. Professors
● Tutors

Qualification & Salary as per INC/UGC/BCI/AICTE & Govt. norms

C.V. with attested copies of testimonials and photograph should reach within 7 days to : HR IES, Gendalal Bam Parisar, Opp. IIM, Rau-Pithampur Road, Rau, Indore-453331 or mail to hriconeducationsociety@gmail.com Cont No. 88897 33385

PANKAJ

R-49339/2024

SHRI CLOTH MARKET INSTITUTE OF PROFESSIONAL STUDIES
(English Medium College approved by Govt. of M.P. and affiliated to DAVV, Indore)
"Vidhya Parisar", 70, Ganeshganj, Bada Ganpati, Indore 452 002
Ph.: 2410280, Email: scmipscollege@gmail.com

Invites applications for regular (under College Code- St. 28) faculty position of

Assistant Professor (Full Time)
as under

SUBJECT	No. of Posts	SUBJECT	No. of Posts	SUBJECT	No. of Posts
Management	02	Life Science	01	English	01
Comp. Science	03	Biotechnology	02		

Candidates are eligible to apply as per UGC/AICTE/ Inst. norms. Negotiable Salary with PF. Hand written application, Resume with enclosures must reach the Principal within 21 days.

Principal

R-49315/2024

वर्ष 41, अंक 02 08.01.2024 से 14.01.2024

रोज़गार और निर्माण

www rojgaraurniman.in

- प्रबंध संचालक - संदीप यादव
- सम्पादक - रंजना चितले
- प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
- प्रबंधक - सुभाष चन्द्र जोशी (मुद्रण)
- आकल्पन - अरविन्द टोप्पो
- वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। इनसे सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

नवगठित सरकार की जबलपुर में प्रथम मंत्रिपरिषद की बैठक और महत्वपूर्ण निर्णय

मध्यप्रदेश में नवगठित मंत्रिमंडल की प्रथम कैबिनेट बैठक संस्कारधानी जबलपुर में संपन्न हुई। यह पहला अवसर था कि नई सरकार के गठन के बाद पहली बार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव संस्कारधानी पहुंचे। जबलपुर में मुख्यमंत्री का परंपरागत ढंग से स्वागत किया गया। कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने की। बैठक में सभी विभागों के मंत्रीगण सहित विभाग प्रमुख उपस्थित हुए। यह एक सुखद संयोग है कि वीरांगना रानी दुर्गावती के 500वीं जयंती वर्ष के अवसर पर यह बैठक जबलपुर में संपन्न हुई। बैठक में जनहित के लिये कई प्रमुख निर्णय लिये गये। विशेष रूप से भारत की स्वतंत्रता, स्वत्व और स्वाभिमान के लिए बलिदान देने वाली वीरांगना रानी दुर्गावती, रानी अवंती बाई लोधी के सम्मान में पुरस्कार शुरू करने का निर्णय लिया गया। यह सम्मान विषम परिस्थितियों में भी समाजहित में कार्य करने वाली समाजसेवी महिलाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

माननीय प्रधानमंत्री जी के प्रयास से संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2023 को मिलेट वर्ष घोषित किया गया। इसी के साथ देश में श्रीअन्न का उत्पादन बढ़ाने को लेकर निरंतर प्रोत्साहन दिया जा रहा है। किसानों की समृद्धि और पारंपरिक अन्न उत्पादन वृद्धि के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के संकल्प को पूर्ण करने की दिशा में श्रीअन्न के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए मंत्रिपरिषद ने रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना लागू करने का निर्णय लिया है। योजना के अंतर्गत श्रीअन्न- कोदो, कुटकी, रागी, ज्वार, बाजरा आदि का उत्पादन करने वाले किसानों को प्रति किलो 10 रुपये की राशि प्रदान की जाएगी। यह राशि सीधे किसानों के खाते में अंतरित की जाएगी। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में कोदो-कुटकी की खेती मण्डला, डिण्डोरी, बालाघाट, छिन्दवाड़ा, अनूपपुर, सीधी, सिंगरौली, उमरिया, शहडोल, सिवनी और बैतूल जिलों में होती है।

कैबिनेट बैठक में लिये गये महत्वपूर्ण फैसलों में यह भी महत्वपूर्ण कदम है कि प्रदेश सरकार ने तेन्दूपत्ता संग्रहण दर में वृद्धि करने का निर्णय लिया है। तेंदूपत्ता संग्रहण की दर 3 हजार रुपए प्रति मानक बोरा से बढ़ाकर 4 हजार रुपये प्रति मानक बोरा की गई है। इससे प्रदेश के 35 लाख तेन्दूपत्ता संग्राहकों को लगभग 165 करोड़ रुपये का अतिरिक्त पारिश्रमिक प्राप्त होगा। मध्यप्रदेश के सबसे बड़े और सबसे प्रसिद्ध व्यापार मेलों में शामिल ग्वालियर व्यापार मेले में ऑटोमोबाइल सेक्टर में बिक्री को बढ़ावा देने के लिए मोटर साईकिल, मोटर कार तथा हल्के वाहनों के विक्रय पर नियमों के अधीन मोटरयान कर की दर पर 50 प्रतिशत की छूट देने का निर्णय लिया गया है। इस निर्णय से ग्वालियर व्यापार मेले में व्यापार, पर्यटन एवं औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

मंत्रिपरिषद ने मध्यप्रदेश में सिंचाई सुविधाओं का विकास करने की दृष्टि से और सिंचाई का रकबा बढ़ाने के लिए 32 हजार करोड़ रुपये की सिंचाई परियोजनाओं के निर्माण की कार्यवाही की अनुमति दी है। प्रदेश के अधोसंरचना विकास की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए 4 हजार 500 करोड़ रुपये की लागत के सड़क निर्माण के नए कार्यों को प्रारंभ करने की स्वीकृति दी है।

पोर्टेबल हेलमेट में है मनुष्य के दिमाग को पढ़ने की क्षमता

वैज्ञानिक शोध, अनुसंधान और आधुनिक तकनीक ने एक साथ मिलकर असंभव को संभव कर दिखाया है। क्या कोई कल्पना कर सकता है कि मनुष्य के दिमाग को पढ़ा जा सकता है। यह संभव किया है ऑस्ट्रेलिया की सिडनी टेक्नोलॉजी विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने हाल ही में न्यूरो साइंस के क्षेत्र में एक बड़े प्रयोग से। दरअसल विश्वविद्यालय के ग्राफिनेक्स यूटीएस ह्यूमन सेंट्रिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेंटर के शोधकर्ताओं ने एक ऐसा पोर्टेबल हेलमेट तैयार किया है जो व्यक्ति के दिमाग में चल रहे विचारों को पढ़ सकता है। यह बात सुनने और पढ़ने में अजीब लगती है, लेकिन यह सत्य है कि वैज्ञानिकों ने अपनी कड़ी मेहनत से इस शोध को पूरा कर विज्ञान के क्षेत्र में एक और उपलब्धि जोड़ दी है। यह दुनिया का पहला हेलमेट है जो दिमाग पढ़ने में सक्षम है। शोधकर्ताओं के अनुसार इस हेलमेट के जरिए ऐसे लोगों की मदद की जा सकेगी जो इतने बीमार हैं कि किसी से अपनी बात कह नहीं पाते हैं। जैसे कि पैरालिसिस या स्ट्रोक के पेशेंट, जो दूसरों से बात नहीं कर पाते हैं। इसके अलावा इससे इंसानों और मशीनों के बीच में बेहतर संपर्क साधने में मदद मिलेगी। जिससे आने वाले समय में रोबोट्स, बायोनिक आर्म्स वगैरह को नियंत्रित करने में भी मदद मिलेगी।

प्रयोग के व्यावहारिक पक्ष को प्रस्तुत करते हुए इसमें संबंधित कार्य करने वालों ने सिर पर यह हेलमेट पहना और किताब से कुछ पढ़ना शुरू किया। हेलमेट में इलेक्ट्रोएंसीफेलोग्राम लगा है जिसे ईईजी भी कहते हैं। यह दिमाग में चल रही विद्युतीय गतिविधि को सिर की त्वचा के माध्यम से कैप्चर करता है। इसमें सेंसर लगे हैं। जैसे ही व्यक्ति के मन में कुछ विचार आते हैं, सेंसर अपना काम शुरू कर देते हैं। ये ब्रेन वेव को रिकॉर्ड करते हैं और उसके बाद इन वेव्स को टेक्स्ट में बदल देते हैं जो ओरिजनल टेक्स्ट से काफी मिलता जुलता होता है। रिसर्च के प्रमुख सीटी लिन के मुताबिक, यह शोध बताता है कि उन्होंने ईईजी वेव्स को सीधे लैंग्वेज में बदलने का अपनी तरह का पहला काम किया है। यह इस क्षेत्र में क्रांति ला देगा। इससे न्यूरोसाइंस के नए आयाम खुलेंगे और एआई की मदद से इसमें बहुत प्रगति की जा सकती है।

- विकास तिवारी
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विषयों पर लेखन करते हैं)

रानी दुर्गावती का समर्पण और गोंडवाना साम्राज्य का गौरवशाली इतिहास

● डॉ. मोहन यादव

वीरांगना रानी दुर्गावती की 500वीं जयंती के अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने जनजातीय समाज के कल्याण और समृद्धि के लिए जो संकल्प लिया है उसे पूर्ण करने के लिये मध्यप्रदेश सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रही है। रानी दुर्गावती, सुशासन व्यवस्था और स्वर्णिम प्रशासन के लिये प्रसिद्ध थीं, जो इतिहास का प्रेरक अध्याय है। यह हमारे लिये प्रसन्नता की बात है कि नवगठित मंत्रिमंडल की प्रथम कैबिनेट बैठक रानी दुर्गावती की सुशासन नगरी जबलपुर में रखी गई।

जबलपुर, मध्यप्रदेश की संस्कारधानी है। इतिहास में इसका गौरवशाली स्थान है। जबलपुर का उल्लेख हर युग में मिलता है। यह वैदिक काल में जाबालि ऋषि की तपोस्थली रही है। हम मध्यकाल में देखें तो जबलपुर का संघर्ष अद्वितीय रहा है। प्रत्येक हमलावर का उत्तर इस क्षेत्र के निवासियों ने वीरतापूर्वक दिया है और यही वीरता वीरांगना रानी दुर्गावती के संघर्ष और बलिदान की गाथा में है। जबलपुर उनके बलिदान की पवित्र भूमि है। अकबर की विशाल सेना से रानी दुर्गावती ने इसी क्षेत्र में मोर्चा लिया था। वीरांगना दुर्गावती का युद्ध कौशल, शौर्य और पराक्रम इससे पूर्व कालिंजर में भी देखने को मिलता है।

रानी दुर्गावती की 500वीं जयंती के अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने जनजातीय समाज के कल्याण और समृद्धि के लिए जो संकल्प लिया है उसे पूर्ण करने के लिये मध्यप्रदेश सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रही है। रानी दुर्गावती, सुशासन व्यवस्था और स्वर्णिम प्रशासन के लिये प्रसिद्ध थीं, जो इतिहास का प्रेरक अध्याय है। यह हमारे लिये प्रसन्नता की बात है कि नवगठित मंत्रिमंडल की प्रथम कैबिनेट बैठक रानी दुर्गावती की सुशासन नगरी जबलपुर में रखी गई। कालिंजर के चंदेल राजा कीरत सिंह शालिवाहन के यहां 5 अक्टूबर सन् 1524 को जन्मीं रानी दुर्गावती शास्त्र और शस्त्र विद्या में बचपन में ही दक्ष हो गई थीं। युद्ध और पराक्रम के वीरोचित किस्से, कार्य-व्यवहार को देखते हुए वे बड़ी हुईं। महोबा की चंदेल राजकुमारी सन् 1542 में गोंडवाना के राजा दलपत शाह से विवाह के उपरांत जबलपुर आ गयीं। तत्समय गोंडवाना साम्राज्य में जबलपुर, सिवनी, छिंदवाड़ा, भोपाल, होशंगाबाद (अब नर्मदापुरम), बिलासपुर, डिंडोरी, मंडला, नरसिंहपुर तथा नागपुर शामिल थे।

जब इस विशाल राज्य के राजा दलपतशाह की असमय मृत्यु हो गयी तो प्रजावत्सल रानी ने विचलित हुए बिना अपने बालक वीर नारायण को गद्दी पर बैठाकर राजकाज संभाला। लगभग 16 वर्षों के शासन प्रबंध में रानी ने अनेक निर्माण कार्य करवाए। रानी की दूरदर्शिता और प्रजा के कल्याण के प्रति संकल्पित होने का प्रमाण है कि उन्होंने अपने निर्माण कार्यों में जलाशयों, पुलों और मार्गों को प्राथमिकता दी, जिससे नर्मदा किनारे के सुदूर वनों की उपज का व्यापार हो सके और जलाशयों से किसान सिंचाई के लिए पानी प्राप्त कर सकें। जबलपुर में रानीताल, चेरीताल, आधारताल जैसे अद्भुत निर्माण रानी की दूरदर्शिता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का परिणाम हैं।

रानी दुर्गावती के शासन में नारी की सुरक्षा और सम्मान उत्कर्ष पर था। राज्य की सुरक्षा के लिए रानी ने कई किलों का निर्माण करवाया और जीणोंद्धार भी किया। कृषि तथा व्यवसाय के लिए उनके संरक्षण का ही परिणाम था कि गोंडवाना समृद्ध राज्य बना, लोग लगान स्वर्ण मुद्राओं में चुकाते थे। न्याय और समाज व्यवस्था के लिए हजारों गांवों में रानी के प्रतिनिधि रहते थे। प्रजा की बात रानी स्वयं सुनती थीं।

प्रगतिशील, न्यायप्रिय रानी ने राज्य विस्तार के लिए कभी आक्रमण नहीं किये, लेकिन मालवा के बाजबहादुर द्वारा किये गये हमलों में उसे पराजित किया। गोंडवाना राज्य की संपन्नता, रानी की शासन व्यवस्था, रणकौशल और शौर्य की साख ने अकबर को विचलित कर दिया। अकबर ने आसफ खां के नेतृत्व में तोप, गोलों और बारूद से समृद्ध विशाल सेना का दल भेजा और गोंडवाना राज्य पर हमला कर दिया।

रानी दुर्गावती के सामने दो ही विकल्प थे। एक सम्पूर्ण समर्पण और दूसरा सम्पूर्ण विनाश। स्वाभिमानी रानी ने स्वतंत्रता की रक्षा के लिए शस्त्र उठा लिए। वे कहा करती थीं-'जीवन का अंतिम सत्य मृत्यु है, जिसे कल स्वीकार करना हो वह आज ही सही।' इसी उद्घोष के साथ उन्होंने हाथ में तलवार लेकर विंध्य की पहाड़ियों पर मोर्चा लिया। आसफ खां का यह दूसरा आक्रमण था। पूर्व में वह पराजित हुआ था। इस भीषण संग्राम में जबलपुर के बारहा ग्राम के पास नर्रई नाला के निकट तोपों की मार से जब गोंडवाना की सेना पीछे हटने लगी तो नाले की बाढ़ ने रास्ता रोक दिया। रानी वस्तुस्थिति को समझ गयीं, उन्होंने स्वत्व और स्वाभिमान के लिए स्वयं को कटार घोंपकर आत्मबलिदान दिया।

रानी दुर्गावती स्वाभिमान और स्वतंत्रता का प्रतीक हैं। वीरांगना दुर्गावती ने बलिदान की जिस परंपरा की शुरुआत की, उस पथ का कई वीरांगनाओं ने अनुसरण किया। रानी दुर्गावती के वंशज राजा शंकरशाह और उनके पुत्र रघुनाथशाह को 1857 के महासंग्राम में शामिल होने और कविता लिखने पर अंग्रेजों ने तोप से उड़ा दिया था। राजा शंकरशाह की पत्नी गोंड रानी फूलकुंवर ने पति व पुत्र के अवशेषों को एकत्र कर दाह संस्कार किया और 52वीं इंफ्रेंट्री के क्रांतिकारी सिपाहियों को लेकर अपने क्षेत्र से सन् 1857 के युद्ध का नेतृत्व किया। अंत में रणभूमि में शत्रु से घिर जाने पर रानी फूलकुंवर ने स्वयं को कटार घोंप ली। गोंडवाना राज्य की पीढ़ियों ने भारत माता की स्वतंत्रता और स्वाभिमान के लिए रानी दुर्गावती की बलिदानी परंपरा को आगे बढ़ाया। राष्ट्र रक्षा, स्वाभिमान और स्वतंत्रता के लिए वीरांगना रानी दुर्गावती और उनके वंशजों के बलिदान पर आने वाली पीढ़ियां सदैव गर्व करेंगी।

(लेखक मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)

जनजातीय वर्ग के कल्याण के लिये उठाये गये महत्वपूर्ण कदम

- कक्षा 11वीं, 12वीं एवं महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति योजना में वर्ष 2023-24 में एक लाख से अधिक विद्यार्थियों को रु. 316 करोड़ की छात्रवृत्ति।
- आकांक्षा योजना में कक्षा 11वीं एवं 12वीं में अध्ययनरत रहते हुए जे.ई.ई, क्लैट, नीट आदि राष्ट्रीय परीक्षाओं के लिए प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थाओं में कोचिंग सुविधा।
- महाविद्यालयीन छात्रावास में प्रवेश नहीं मिलने पर उच्च शिक्षा के लिए आवास भत्ता वर्ष 2023-24 में रुपये 119 करोड़ की सहायता से एक लाख से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित।
- विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना में उच्च शिक्षा के लिये प्रति वर्ष 50 विद्यार्थियों को लाभान्वित करने का लक्ष्य। वर्ष 2023-24 में रु. 2.51 करोड़ की सहायता।
- गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए नवीन शिक्षा नीति के तहत 94 सीएम राइज स्कूल संचालित। केजी-1 से कक्षा 12वीं तक शिक्षा एवं सर्वांगीण विकास।
- मुख्यमंत्री राशन आपके ग्राम योजना में सीधा जनजातीय ग्रामों तक पहुंचा राशना स्थानीय जनजातीय युवाओं को मिला स्वरोजगार का अवसर।
- आहार अनुदान योजना में विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा, भारिया एवं सहरिया परिवार की महिला मुखिया को परिवार के पोषण के लिए प्रतिमाह रु. 1500, वर्ष 2023-24 में 2 लाख से अधिक महिलाओं को रुपये. 215 करोड़ की सहायता।
- सिकल सेल उन्मूलन मिशन प्रदेश के सभी जनजातीय विकासखंडों में लागू।
- जनजातीय क्षेत्रों में बस्तियों का विकास- विद्युतीकण, पम्पों का ऊर्जीकरण, पेय जल आपूर्ति, सामुदायिक भवन निर्माण, छात्रावास, बस्तियों में सी.सी.रोड आदि बुनियादी निर्माण। वर्ष 2023-24 में रुपये. 38 करोड़ से 627 निर्माण।
- जनजातीय वर्ग के लिए 63 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, 81 कन्या शिक्षा परिसर एवं 8 आदर्श आवासीय विशिष्ट विद्यालय संचालित।
- विशेष पिछड़ी जनजाति जिलों में कौशल विकास केन्द्र संचालित।
- प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम योजना में विकास कार्यों के लिए 7307 ग्राम चयनित।

M.P. POLICE HOUSING & INFRASTRUCTURE DEVELOPMENT CORPORATION LTD.

Office of The Project Engineer, Indore Division No. 1, G-13, First Floor, M.I.G. Colony
Behind Christian Eminent School, Indore (M.P.) – 452008, E-mail : mpphc.indore@yahoo.in, Contact No. : 9425601536

E-TENDER NOTIFICATION No. 08/2023-24

M.P. Police Housing & Infrastructure Development Corporation Ltd., Indore Division No. 1, Indore, invites online e-Tenders on **Portal : http://www.mptenders.gov.in** from experienced and eligible bidders having experience of working in Shear Wall Monolithic Technology with aluminum form work on Percentage Rate tender basis in three envelopes system (First envelope contains EMD, Second envelope contains Technical Bid and Third envelope contains Financial/Price Bid) as per the schedule given below :-

Sr. No.	Name of District/Online Tender No.	Name of the Work	Probable Amount of Contract	Earnest Money Deposit	Cost of Tender form	Time Period for Completion (Including Rainy Seasons)	Serial No. of Call
1.	Indore/2023_ MPPHC_ 321220	Construction of (96+480) High-rise Qtrs. 1st Battalion, S.A.F., Indore (M.P.) (Based on R.C.C. Monolithic Shear wall Technology, using aluminum form work)	Rs. 116.06 Cr.	Rs. 50.00 Lakhs	Rs. 50000/-	24 Months	First call

Tender documents and other details shall be available on **Portal : http://www.mptenders.gov.in** Important dates for tender processing are as under :-

1. Document Download/Sale End Date : 20-Jan-2024 05:00 PM
2. Bid Submission End Date : 20-Jan-2024 05:00 PM
3. Technical Bid Opening Date : 22-Jan-2024 11:00 AM

M.P. Madhyam/113041/2024 R-49316/2024 **PROJECT ENGINEER**

M.P. COUNCIL OF SCIENCE AND TECHNOLOGY

Vigyan Bhawan, Nehru Nagar, Bhopal – 462003

39th M.P. YOUNG SCIENTIST CONGRESS

Hosted by
Madhav Institute of Technology & Science
Gwalior – 474005

The **39th M.P. Young Scientist Congress** will be organized by Madhav Institute of Technology & Science, Gwalior during **February 21-23, 2024.** The Research Scholars, Faculty Members, and Scientists working in Madhya Pradesh in any University, College, Research Institution are encouraged to submit research papers in the following disciplines: (1) Agricultural Sciences (2) Anthropology and Behavioral Sciences (3) Chemical Engineering (4) Chemical Sciences (5) Civil Engineering (6) Computer Science Engineering and Information Technology (7) Earth and Atmospheric Sciences (8) Electrical and Electronics Engineering, (9) Environmental Sciences (10) Home Sciences (11) Life Sciences (12) Mathematical Sciences (13) Mechanical Engineering (14) Medical Sciences including AYUSH (15) New Biology (Biotechnology, Biochemistry, Biophysics, Bioinformatics and Molecular Biology) (16) Pharmaceutical Sciences (17) Physical Sciences (18) Plant Sciences (19) Veterinary Science and Animal Husbandry.

Further details are available on website **www.mpysc.in** and also on Council's website **www.mpcost.gov.in** via link "M.P. Young Scientist Congress". Only online applications will be accepted and may be submitted on or before **January 30, 2024.** The printed copy generated after online submission should reach "Convener, M.P. Council of Science and Technology, Vigyan Bhawan, Nehru Nagar, Bhopal–462003" on or before **February 03, 2024.** (Contact : Phone : 0755-2433162, Fax : 0755-2671600, **Email : mpysc.in@gmail.com**)

M.P. Madhyam/113100/2024 **DIRECTOR GENERAL**

R-49319/2024

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्र.-1, भदभदा रोड, भोपाल
क्र./04/तशा/प.यं./2023 दिनांक : 01.01.2024

प्रेस विज्ञप्ति

इस कार्यालय द्वारा भोपाल जिले में निर्माण कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है निविदा क्रमांक 2023_MPPHC_323280_1 दिनांक 15.01.2024 समय अपरान्ह 17:00 बजे तक खरीदी जा सकती है। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं

म.प्र. माध्यम/113074/2024 R-49317/2024 **परियोजना यंत्री**

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, भदभदा रोड, संभाग क्रमांक-02, भोपाल
Mobile No. : 9425601534
ई-मेल : bhopaldivision2@gmail.com
क्र.- मप्रपुआअविनि/10/पयं/भोपाल-02/तशा/24 भोपाल, दि. 3.1.24

प्रेस विज्ञप्ति

जिला नीचम, नरसिंहगढ़, भोपाल, टीकमगढ़, सीहोर, देवास, राजगढ़, खण्डवा एवं शाजापुर में मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर हेतु सेंसर डोर को प्रदाय एवं स्थापित करने के कार्य हेतु निविदा क्रमांक - 19/2023-24 ऑनलाइन निविदा क्रमांक-MPPHCL/TENDER No. - 2024_MPPHC_324198_1 आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 15.01.2024 समय 5.00 बजे तक ऑनलाइन से खरीदे जा सकते हैं, विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/113115/2024 **परियोजना यंत्री**

R-49322/2024

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, Bhopal- 462011 (M.P.)
No./108/22/D-12/MPRRDA/2024 Bhopal, Dated : 03.01.2024

NOTICE INVITING TENDER No. 1163 (PMGSY-Bridge-BW)

Online Tenders for Construction of Bridges with 5 years defect liability & maintenance are invited on the E-Procurement System portal **https://www.pmgsytenders.gov.in** detailed below ;

- **Name of Work -** Construction of Bridges under PMGSY including maintenance for Five year after construction

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1	Khargone	1	7540000.00
2	Shajapur	3	12500210.00

1. **Availability of Bid Documents and mode of submission**: The bid document is available online and should be submitted online in **https://www.mptenders.gov.in**. The bidder would be required to register in the web-site which is free of cost. For submission of the bids, the bidder is required to have a valid Digital Signature Certificate (DSC) from one of the authorized Certifying Authorities.
2. Bid document may be purchased online from **04.01.2024 (17:30 hrs.)** and last date for online bid submission is **20.01.2024 (17:00 hrs.)**.
3. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and SBD for PMGSY Works (June-2020) on the above-mentioned portal and concerned PIU.

M.P. Madhyam/113102/2024 **CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)**
''मेरी सड़क'' ऐप डाउनलोड कर, फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

R-49320/2024

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
Block-II, 5th Floor, Paryavas Bhawan, Bhopal M.P. - 462 011
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

NOTICE INVITING TENDER No. 1164 UPG & UPG-Mandi Roads

No./216/22/D-12/MPRRDA/2024 Bhopal, Dated : 04.01.2024

Online Tenders for Construction of Rural Roads/CDs with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal **https://www.mptenders.gov.in** as detailed below.

- **Table-1 - Name of Work : UPG (MPRRDA SSR : 05.11.2019)**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1.	Sagar	1	11069000.00

- **Table-2 - Name of Work : UPG Mandi Roads (MPRRDA SSR : 05.11.2019)**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1.	Burhanpur	1	22885000.00

- **Table-3 - Name of Work : UPG (MPRRDA SSR : 01.09.2017)**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1.	Narsinghpur	1	50415000.00

1. Tender document can be purchased and submitted only online from the above website from **08.01.2024 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document for construction & maintenance of rural roads/Bridges Sept. 2017 on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/113124/2024 **(TENDER)**
"मेरी सड़क" ऐप डाउनलोड कर, फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें। R-49323/2024

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, Bhopal (M.P.) 462 011
No./72/22/D-12/MPRRDA/2024 Bhopal, Dated : 02.01.2024

NOTICE INVITING TENDER NO. 1162 (PMGSY-III-BRIDGE) (PMGSY-III, BATCH-I, YEAR 2023-24)

Online Tenders for Construction of Bridges with 5 years defect liability & maintenance are invited on the E-Procurement System portal **https://www.pmgsytenders.gov.in**. as detailed below;

- **Name of Work -** Construction of Bridges under PMGSY including maintenance for Five year after construction.

S. No.	Name of District	No. of Packages	No. of Bridge	Total PAC (In Rs.)
1	Jabalpur	1	1	68460830.00

1. Availability of Bid Documents and mode of submission: The bid document is available online and should be submitted online in **www.pmgsytenders.gov.in**. The bidder would be required to register in the website which is free of cost. For submission of the bids, the bidder is required to have a valid Digital Signature Certificate (DSC) from one of the authorized Certifying Authorities.
2. Bid document may be purchased online from 03.01.2024 (17:30 hrs) and last date for online bid submission is 17.01.2024 (17:00 hrs.)
3. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and SBD for PMGSY Works (June-2020) on the above-mentioned portal and concerned PIU.

M.P. Madhyam/113078/2024 **CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)**
''मेरी सड़क'' ऐप डाउनलोड कर फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

R-49318/2024

M.P. INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LIMITED

(Government of Madhya Pradesh Undertaking)
(Formerly M.P. Audyogik Kendra Vikas Nigam (I) Ltd.)
101, First Floor, Atulya IT Park
Near Crystal IT Park, Khandwa Road, Indore-452001 (M.P.)
Phone : (O) 2970611, 2974363, 2971311, Fax No. : 0731-2972629
Website : www.invest.mp.gov.in, E-mail : ed.roind@mpidc.co.in
CIN : U51102MP1977SGC001392
No. MPIDC/RO/IND/COMM/2024/220 Date 03.01.2024

TENDER ANNOUNCEMENT : RESIDENTIAL LAND IN JETAPUR, DHAR

The MP Industrial Development Corporation, Regional Office Indore, is pleased to invite offers for the lease of a residential plot measuring 8685.77 square meters in the Industrial Area (I/A) Jetapur, District Dhar. The proposed plot, conveniently located near AB Road, offers excellent road connectivity and is an ideal site for residential activities for employees of industry. Interested parties are invited to submit their offers for consideration.

Details of Land to be leased are as under:-

Purpose of plot	Residencial Plot
Plot Area	8685.77 square meter
Base Price	1,07,26,926/-
Earnest Money	10,72,693/-
Tender Process	E-Tendering

Details of Bid documents can be downloaded for perusal from website **www.mptenders.gov.in** and can be purchased from 03.1.2024 to 20.1.2024 online on website **www.mptenders.gov.in**.

M.P. Madhyam/113103/2024 **EXECUTIVE DIRECTOR**

R-49321/2024

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
Block-II, 5th Floor, Paryavas Bhawan, Bhopal M.P. - 462 011
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

NOTICE INVITING TENDER EL-77

No./213/22/D-12/MPRRDA/2024 Bhopal, Dated : 04.01.2024

Online Percentage rate Tenders are invited for "Shifting/ Raising of High Voltage (HV)/Medium Voltage (MV)/Low Voltage (LV) lines and poles from alignment of PMGSY/ CMGSY Road from contractors having 'A' class valid license issued by Madhya Pradesh Licensing Board (Electrical) and registered with MPPWD in appropriate class of contractors on e-procurement portal **https://www.mptenders.gov.in**

Contractors are to quote rate in percentage below/above or at par of the estimated rates given in BOQ including all Taxes except GST.

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1.	Alirajpur	2	3118665.00

1. Tender document can be purchased and submitted only online from the above website from **08.01.2024 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed NIT and tender document on the above mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/113125/2024 **(TENDER)**
"मेरी सड़क" ऐप डाउनलोड कर, फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

R-49324/2024

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, भदभदा रोड, संभाग क्रमांक-02, भोपाल
Mobile No. : 9425601534, ई-मेल : bhopaldivision2@gmail.com
क्र. मप्रपुआअविनि/05/पयं/भोपाल-02/तशा/24 भोपाल, दि. 02.01.24

प्रेस विज्ञप्ति

''महिला बैरक होमगार्ड का निर्माण कार्य जिला-राजगढ़, (म.प्र.) के कार्य हेतु निविदा क्रमांक-18/2023-24 ऑनलाइन निविदा क्रमांक- MPPHCL/TENDER No. - 2024_MPPHC_323653_1) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 15.01.2024 समय 5.00 बजे तक ऑनलाइन से खरीदे जा सकते हैं, विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/113109/2024 R-49325/2024 **परियोजना यंत्री**

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, Bhopal M.P.-462011
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

NOTICE INVITING TENDER No. 269/MTN/2024

No./253/22/D-12/NIT-Maint./2024 Bhopal, Dated : 05.01.2024

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below.

1. **Table No. 1 :- Name of Work –** Repair/Maintenance of the Rural Roads for five years constructed under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna. (Post 5 Year)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Harda	4	22032827.00

2. **Table No. 2 :- Name of Work –** Repair/Maintenance of the Rural Roads for five years constructed under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna. (Post 10 Year)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Burhanpur	1	13066601.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website **from 08.01.2024 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/113127/2024 **(TENDER)**

''मेरी सड़क'' ऐप डाउनलोड कर फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

R-49331/2024

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, BHOPAL M.P. – 462 011

NOTICE INVITING TENDER No. 270/MTN/2024 (BW)

No./256/22/D-12/NIT-Maint./2024 Bhopal, Dated : 05.01.2024

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below.

Name of work : Repair/Maintenance of Rural Roads.

1. Name of Work – Post 10 Years (BW)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Dewas	1	2586000.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **08.01.2024 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/113128/2024 **(TENDER)**

''मेरी सड़क'' ऐप डाउनलोड कर फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

R-49332/2024

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, Bhopal M.P.-462011
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

NOTICE INVITING TENDER No. 271/MTN/2024

No./240/22/D-12/NIT-Maint./2024 Bhopal, Dated : 05.01.2024

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below.

- **SSR Applicable :-** SSR issued by M.P Rural Road Development Authority effective from 05.11.2019 and amendments upto issue date of NIT.

1. **Table No. 1 :- Name of Work –** Repair/Maintenance of the Rural Roads for five years constructed under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna. (Post 5 Year)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Bhopal	1	8727644.00
2	Chhindwara	3	39878029.00
3	Dewas	2	7627776.00
4	Dhar	1	14280595.00
5	Katni	1	3586897.00
6	Narmadapuram	1	12943158.00
7	Raisen	5	27373496.00
8	Ratlam	1	7730016.00
9	Singrauli	1	1454395.00

2. **Table No. 2 :- Name of Work –** Repair/Maintenance of the Rural Roads for five years constructed under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna. (Post 10 Year)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Agar Malwa	1	3728781.00
2	Balaghat	2	7366283.00
3	Burhanpur	4	47651315.00
4	Jabalpur	1	733941.00
5	Khandwa	1	1744257.00
6	Mandla	1	4653680.00
7	Raisen	4	26622933.00

3. **Table No. 3 :- Name of Work –** Repair/Maintenance of the Rural Roads for five years constructed under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna. (Post 15 Year)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Katni	1	4808198.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **10.01.2024 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/113129/2024 **(TENDER)**

''मेरी सड़क'' ऐप डाउनलोड कर फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

R-49333/2024

M.P. POWER MANAGEMENT COMPANY LIMITED

(A Govt. of M.P. Undertaking)
Rampur, Jabalpur (M.P.), CIN : U40109MP2006SGC018637

WALK-IN-INTERVIEW

FOR
ENGAGEMENT OF MEDICAL OFFICER ON JOB CONTRACT BASIS

M.P. Power Management Company Limited intend to engage 02 Medical Officers on job contract basis for its Hospital at Rampur, Jabalpur, on consolidated monthly remuneration of Rs. 65,000/- P.M. through walk-in-interview. Last Date for submission of application is extended up to 15.01.24.

For application form and detailed information please visit **www.mppmcl.com.**

M.P. Madhyam/113151/2024 **CHIEF GENERAL MANAGER (HR&A)**
// SAVE ELECTRICITY //

R-49338/2024

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्र.-1, भदभदा रोड, भोपाल
क्र./25/तशा/पु.पयं./2023 दिनांक : 05.01.2024

प्रेस विज्ञप्ति

इस कार्यालय द्वारा भोपाल जिले में निर्माण कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा क्रमांक (1) 2023_MPPHC_324469_1, (2) 2023_MPPHC_324470_1 **दिनांक 20.01.2024 समय अपराह्न 17:00 बजे तक** खरीदी जा सकती है। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण Portal : **www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/113150/2024 **परियोजना यंत्री**

R-49337/2024

म.प्र. ग्रामीण सडक विकास प्राधिकरण

(म.प्र. शासन, पंचायत एवं ग्रामीण विभाग के अधीन)
खण्ड-2, पंचम तल, पर्यावास भवन, अरेरा हिल्स भोपाल
क्र. 295 दिनांक : 05.01.2024

विज्ञप्ति

प्राधिकरण के क्षेत्रीय कार्यालय तथा मुख्यालय/विभिन्न पीआईयू में निम्नानुसार रिक्त पदों की पूर्ति हेतु अर्हताधारी अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं :-

मुख्य महाप्रबंधक (प्रतिनियुक्ति से)	-	03 पद
सहायक प्रबंधक (प्रतिनियुक्ति से)	-	68 पद

पूर्णतः भरे हुये आवेदन पत्र जमा करने की **अन्तिम दिनांक 19.01.2024** है। इस सम्बन्ध में विस्तृत विज्ञप्ति विभागीय वेबसाइट **mprrda.org/default.html** पर उपलब्ध है। प्राधिकरण द्वारा जारी की गई विज्ञप्ति को एवं चयन की समस्त प्रक्रिया को किसी भी समय बिना कोई कारण बताये निरस्त किया जा सकेगा।

म.प्र. माध्यम/113142/2024 **मुख्य महाप्रबंधक (प्रशासन)**

R-49335/2024

कार्यालय, प्रधानाचार्य एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी

पं. खुशीलाल शर्मा, शासकीय (स्वशासी) आयुर्वेद महाविद्यालय एवं संस्थान

साइन्स हिल्स, मैनिट के पीछे, कोलार-नेहरू नगर रोड, भोपाल 462003
Web. : www.klsgaci.edu.in, E-mail : principal@klsgaci.nic.in
दूरभाष क्र. : 0755-2970310
क्रमांक/योजना/2024/2374 भोपाल, दिनांक : 05.01.2024

विज्ञापन

राष्ट्रीय आयुष मिशन योजना अन्तर्गत, जनस्वास्थ्य कार्यक्रम में विहित कार्यक्रमों के सफल क्रियान्वयन हेतु योग्य अभ्यर्थियों से कार्यक्रमों की अवधि तक के लिए अनुबंध के आधार पर कार्य करने हेतु **आयुष चिकित्सक एवं बहुउद्देशीय कार्यकर्ता** के आवेदन पत्र दिनांक 25.01.2024 तक आमंत्रित किये जाते हैं। विज्ञापन प्रपत्र एवं विस्तृत विवरण व नियम शर्तें संस्थान बेवसाइट **www.klsgaci.edu.in** पर उपलब्ध है।

म.प्र. माध्यम/113145/2024 **प्रधानाचार्य/मुख्य कार्यपालन अधिकारी**

R-49336/2024

OFFICE OF THE KRISHI UPAJ MANDI SAMITI DEVENDRANAGAR, DISTRICT PANNA

No./NIT/250 Devendranagar, Dated : 04.01.2024

NOTICE INVITING TENDER (IInd Call)

Online Percentage Rate E-Tenders are invited from contractors registered with the Office of the Engineer in Chief, M.P. Public Works Department, Government of Madhya Pradesh (Centralized Registration Cell) for **Construction of 33 Nos. Sundary Shop at Mandi Yard, Devendra Nagar Dist. Panna (M.P.) IInd call. Tender Number :** 2023_MPSAM_324452 (PAC amount Rs. 77.99 Lacs). The following works Tender to be received online up to 17:30 PM on **25.01.2024.** Technical Bid Documents with EMD & Financial Offer to be received Online only as per Detailed NIT. The tender documents can be obtained Online on the **http://mptenders.gov.in** as per the Notice Published on the above Portal and detailed information can also be seen on website **www.mpmandiboard.gov.in**

Note : Any corrigendum in this NIT, if required, shall be displayed only in our above portal regarding any matter included in this NIT or otherwise. Other details of Construction/ Development works and locations & key dates can also be seen on our website **www. mpmandiboard.gov.in**

M.P. Madhyam/113133/2024 R-49334/2024 **SECRETARY**

कार्यालय मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग, उज्जैन परिक्षेत्र उज्जैन

दूरभाष नं. 0734-2524462, ई-मेल cepwdujjain@mp.nic.in
निविदा सूचना क्र. 18/सामान्य/मु.अ./2023-24/ उज्जैन, दिनांक : 02.01.2024

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु प्रतिशत दर के आधार पर निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र.	जिला	टेण्डर आई.डी. क्रमांक	कार्य का नाम	ठेके की अनु. राशि (रु. लाख में)	कार्य की समयावधि
1.	उज्जैन	2024_PW-DRB_323551_pack1	उपसंभाग उज्जैन अंतर्गत दतावा से पाइप फैक्ट्री चौराहा तक (मार्ग लंबाई 8.80 कि.मी.) (पोल शिफ्टिंग कार्य सहित) (प्रथम आमंत्रण)	3549.71	24 माह वर्षाकाल सहित

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय एवं ऑनलाइन बिड सबमिशन की **अंतिम दिनांक 17.01.2024 सायं 5.30 बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकती है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

जी-22607/49327/2024 मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग, उज्जैन परिक्षेत्र उज्जैन

कार्यालय कार्यपालन यंत्री

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, खरगोन

फोन नं. 07282-231402, eephedkhr@nic.in
क्रमांक/03/निविदा/का.यं./लो.स्वा.यां./2024 खरगोन, दिनांक 01.01.2024

निविदा सूचना क्रमांक 23/2023-24 (द्वितीय आमंत्रण)

कार्य का विवरण :– लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, के खरगोन, उपखण्ड कसरावद, बड़वाह, भीकनगांव में निरीक्षण हेतु डीजल टैक्सी वाहन (न्यु बोलेरो/बोलेरो/स्कार्पियो/टी.यू.वी.) या इसके समकक्ष) मासिक किराये पर लेने हेतु निविदा एंव्हिडस ''2.10'' पर ई-टेण्डरिंग पद्धति से पोर्टल **http://mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की जाती है। जिनके टेण्डर आई.डी. क्रमशः 2023_PHED_323186, 323187, 323188, 323189 हैं तथा कार्य की कुल अनुमानित लागत रु. 10.32 लाख है। निविदा में ऑनलाइन निविदा फार्म क्रय करने की एवं निविदा दर डालने की **अंतिम तिथि - 16.01.2024,** समय - 17.30 बजे तथा ऑनलाइन निविदा दर खोलने की तिथि - 18.01.2024 है। निविदा एवं उससे संबंधित जानकारी ऊपर दर्शाई गई वेबसाइट पर देखें।

कार्यपालन यंत्री
जी-22620/49328/2024 लोक स्वा. यांत्रिकी खण्ड खरगोन

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग संभाग क्रमांक-1, ग्वालियर

फोन नं. : 0751-2371231, ई-मेल : eepwd1gwl@mp.nic.in

निविदा विज्ञप्ति क्रमांक 41/टी.सी./डी-1 ग्वा./2023-24 **दिनांक : 29.12.2023**

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु नवीन निविदा प्रपत्र 2.10 पर आमंत्रण की सूचना क्र. 41 ग्वालियर दिनांक 29.12.2023 द्वारा प्रचलित भवन/सड़क कार्यों की दर अनुसूची दिनांक 15.09.2022/25.03.2022 पर निविदायें लो.नि.वि. में केंद्रीयकृत पंजीकृत ठेकेदार श्रेणी हेतु आमंत्रित की जाती हैं, जिसका सम्पूर्ण विवरण **http://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है। विभाग तकनीकी समस्याओं के लिये जिम्मेदार नहीं होगा एवं किन्हीं कारणों से की जाने वाली परिवर्तन की सूचना वेबसाइट पर ही देखें। पृथक से प्रकाशित नहीं की जावेगी।

स. क्र.	टेंडर आई.डी.	कार्य का नाम	(1) ठेके की अनु. लागत राशि रु. (2) अमानत राशि	टेंडर फार्म की राशि (रु. में)	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	पंजीयन श्रेणी
1.	2024_ PWDRB_ 323089_1	लोक निर्माण संभाग ग्वालियर अंतर्गत चार शहर के नाका से मलगढ़ा तिराहा फोरलेन मार्ग पर नाला एवं ड्रेनेज निर्माण कार्य।	1. 334.33 लाख 2. 334330/-	15000/- + (पोर्टल चार्ज)	12 माह वर्षाकाल सहित	लो.नि.वि. में पंजीकृत ठेकेदार

कुल कार्य संख्या - 01 (एक)

ऑनलाइन निविदा जारी व डाउनलोड करने की आरंभ तिथि **01.01.2024 प्रातः 10:30**

ऑनलाइन निविदा दर प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि **17.01.2024 सायं 17:30**

ऑनलाइन निविदा दर खुलने की तिथि **19.01.2024 प्रातः 11:00**

निविदा फार्म ऊपर दर्शित वेबसाइट पर (Online System) ऑनलाइन भुगतान कर ही क्रय किये जा सकते हैं तथा सम्पूर्ण जानकारी पोर्टल पर प्राप्त कर सकते हैं।

जी-22632/49330/2024 **कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग संभाग क्र.-1, ग्वालियर**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग संभाग क्रमांक-1, ग्वालियर

फोन नं. : 0751-2371231, ई-मेल : eepwd1gwl@mp.nic.in

निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 42 **दिनांक : 29.12.2023**

मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग में उचित श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से म.प्र. की ओर से निम्नांकित कार्यों हेतु भवन/सड़क कार्यों की दर अनुसूची दिनांक 15.09.2022/25.03.2022 तथा निविदा सूचना जारी होने तक उसमें किये गये संशोधन सहित मोहरबंद निविदायें नवीन निविदा फार्म 2.10 में आमंत्रित की जाती हैं, प्रपत्र में दर्शाये गये कार्यालय में निविदायें डाक अथवा स्पीड पोस्ट के माध्यम से प्राप्त की जावेंगी। पोस्टल विलंब के लिये विभाग उत्तरदायी नहीं होगा।

निविदा प्रपत्र की राशि एवं फार्म	1. ठेके की अनु. लागत (लोक में) 2. अमानत राशि	3. कोरे निविदा प्रपत्र विक्रय का समय एवं दिनांक	4. निविदा प्राप्ति का दिनांक 5. कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोनिवि सं.क्र.-1 ग्वा.	6. निविदा खोलने का दिनांक 7. कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोनिवि सं.क्र.-1 ग्वा.	8. कार्य पूर्ण करने की अवधि 9. ठेकेदार की श्रेणी 10. आमंत्रण क्र.

1. कार्य का नाम :- ग्वालियर दक्षिण के अंतर्गत वार्ड 53 न्यू सिंधी कॉलोनी में श्री डी.आर. भल्ला जी के मकान से श्री अमरिंदर सिंह जी के मकान तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य **(विधायक निधि)**

2000/- 'अ'	8.87 लाख 17740/-	09.01.2024	10.01.2024	11.01.2024	01 माह केंद्रीयकृत प्रथम आमंत्रण

2. कार्य का नाम :- ग्वालियर दक्षिण के अंतर्गत सी.सी. रोड निर्माण कार्य मास्टर कॉलोनी गोल पहाड़िया में श्रीमती कमला कुशवाह के मकान से श्री सुरेंद्र कुशवाह के मकान तक **(विधायक निधि)**

2000/- 'अ'	8.85 लाख 17700/-	09.01.2024	10.01.2024	11.01.2024	01 माह केंद्रीयकृत प्रथम आमंत्रण

3. कार्य का नाम :- ग्वालियर दक्षिण के अंतर्गत सी.सी. रोड निर्माण कार्य मास्टर कॉलोनी गोल पहाड़िया में श्री गोपाल शिवहरे के मकान से श्री अजय कुशवाह के मकान तक **(विधायक निधि)**

2000/- 'अ'	7.51 लाख 15020/-	09.01.2024	10.01.2024	11.01.2024	01 माह केंद्रीयकृत प्रथम आमंत्रण

4. कार्य का नाम :- नगर पंचायत पिछोर तहसील डबरा जिला ग्वालियर के अंतर्गत बली बाबा के पास सामुदायिक भवन के अतिरिक्त कक्षों का निर्माण कार्य। **(विधायक निधि)**

2000/- 'अ'	5.00 लाख 10000/-	09.01.2024	10.01.2024	11.01.2024	01 माह केंद्रीयकृत प्रथम आमंत्रण

5. कार्य का नाम :- शेड निर्माण कार्य महाखो आश्रम के पास सार्वजनिक स्थल पर घाटीगांव **(विधायक निधि)**

2000/- 'अ'	4.21 लाख 8420/-	09.01.2024	10.01.2024	11.01.2024	01 माह केंद्रीयकृत प्रथम आमंत्रण

कार्य की अधिकतम अनुमानित लागत - 8.87 लाख

कुल कार्य संख्या - 05

कार्यपालन यंत्री

जी-22599/49326/2024 **लोक निर्माण विभाग संभाग क्र.-1, ग्वालियर**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री (भवन), लोक निर्माण विभाग, कोठी रोड़, सिविल लाईस, सतना (म.प्र.)

PHONE No. : 07676-299470, E-mail: dpepiusatna2@gmail.com

एन.आई.टी. नं.- 32/2023/ केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/सीई/पी.डब्ल्यू.डी./भवन/3290 **रीवा, दिनांक, 26.12.2023**

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती हैं।

स. क्र. एवं कार्य का नाम :- 1 शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यिक विद्यालय रामनगर जिला सतना में सी.एम. राइज स्कूल भवन का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)

पोर्टल टेण्डर क्र.	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (पी.ए.सी.) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ई.एम.डी.) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)	90 प्रतिशत अविवादित भूमि प्राप्त एवं एमओयू निष्पादित
2023_PWPIU_ 322649_1	सतना	2974.69	1487345.00	50000	18 माह	हाँ

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट **वेबसाइट http://mptenders.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे। 2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा। 3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन **दिनांक 01.01.2024** समय 11.00 से **दिनांक 12.01.2024** समय 18.00 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है। 4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

जी-22564/49313/2024 **कार्यपालन यंत्री (भवन), लोक निर्माण विभाग, सतना**

क्रमांक 2715001/2014/ई.डी.पी./ ई-टेंडरिंग/406/1458

कार्यालय प्रमुख अभियंता

जल संसाधन विभाग, जल संसाधन भवन, तुलसी नगर, भोपाल

ई मेल-mpwrdtenders@gmail.com, edpcell.encwrd.bpl@mp.gov.in

फोन : 0755-2553402, फैक्स- 0755-2552406

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना क्र.- 561-2715001/ई.डी.पी./2021-22/प्र.अ./ई-टेंडरिंग **भोपाल, दिनांक : 01.01.2024**

निम्न कार्यों हेतु निविदा **वेबसाइट https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र वेबसाइट पर **दिनांक 16.01.2024** को 17.30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

सं.क्र.	निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	जिला	राशि रु. लाख में
1	2023_WRD_ 299500	जल संसाधन संभाग कटनी के ऑफिस कम्पाउन्ड बाउन्ड्रीवाल का सुधार कार्य।	कटनी	5.00
2	2023_WRD_ 302036	शांतीनगर जलाशय में लीकेज का सुधान कार्य।	कटनी	15.00
3	2023_WRD_ 302038	देवरी जलाशय के मवई माईनर में आर.डी.62 मी. पर सी.डी. का पुनर्निर्माण।	कटनी	3.71
4	2023_WRD_ 315041	कोपरा मध्यम सिंचाई परियोजना पर्यावरण प्रभाव का आंकलन (ई.आई.ए.) कार्य। (पंचम आमंत्रण)	सागर	19.45
5	2023_WRD_ 317227	जगथर एवं क्वायला जलाशय की नहरों का मरम्मत कार्य।	सागर	9.99
6	2023_WRD_ 317228	बीला बांध के नरवां, खैरों, डोगरापुर तथा गरौली वितरिक नहरों का मरम्मत कार्य।	सागर	10.60
7	2023_WRD_ 317229	मंजला एवं हिनौता खारमऊ जलाशय की नहरों का मरम्मत कार्य।	सागर	9.13
8	2023_WRD_ 317977	पुलिस परेड ग्राऊण्ड जिला सीहोर में गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2024 के अवसर पर मुख्य समारोह में प्रदर्शित होने वाली चलित झांकी का निर्माण कार्य।	सीहोर	4.79
9	2023_WRD_ 319507	पारस मेन कैनाल की आर.डी. 98 जब 137 कि.मी. का सुधार कार्य।	देवास	5.83
10	2023_WRD_ 319508	सतवास टैंक का वार्षिक मरम्मत कार्य।	देवास	2.20
11	2023_WRD_ 319509	दतुनी मेन कैनाल एवं माईनर कैनाल का सुधार कार्य।	देवास	3.77
12	2023_WRD_ 319510	दतुनी मेन कैनाल एवं माईनर कैनाल का लाईनिंग सुधार कार्य।	देवास	4.98
13	2023_WRD_ 319511	दतुनी फेस-2 के नहरों के किनारों की ऊंचाई बढ़ाने हेतु मिट्टी कार्य।	देवास	4.95
14	2023_WRD_ 320043	सिंहपुर चाल्दा तालाब का वार्षिक मरम्मत कार्य।	अशोकनगर	9.96
15	2023_WRD_ 320070	घोड़ापछाड़ जलाशय से एम.पी.एफ. (इसरो) को जल प्रदाय के वार्षिक रखरखाव का कार्य।	भोपाल	8.15
16	2023_WRD_ 320437	सी.एम.यू. परिसर भोपाल में अनुपयोगी आइटम मशीनरी का विक्रय।	भोपाल	9.07
17	2023_WRD_ 320688	केन बेतवा लिंक परियोजना के अंतर्गत विभिन्न कार्यालयों के भवनों का मरम्मत कार्य।	छतरपुर	15.25
18	2023_WRD_ 321096	मोहिनी सागर कालोनी शिवपुरी के मुख्य रोड का मरम्मत का कार्य।	शिवपुरी	12.06
19	2023_WRD_ 321123	मिट्टी एवं धातु परीक्षण प्रयोगशाला, हथाईखेड़ा भोपाल में स्थापित उपरकणों के वर्ष 2023-24 में अंशाकन (केलीब्रेशन) का कार्य।	भोपाल	4.52
20	2023_WRD_ 321480	कान्हा एवं सरस्वती नदी के फ्लड़ जोन के निर्धारण कार्य।	इन्दौर	15.28
21	2023_WRD_ 321718	खुटवासा माइनर क्र. 1 चैन क्र. 03 पर खुटवासा माइनर क्र. 2 चैन क्र. 04 पर फाल का पुनर्निर्माण कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	नर्मदापुरम्	7.27
22	2023_WRD_ 321719	जमुनिया माइनर चैन क्र. 08 माइनर क्र. 2 चैन क्र. 04 पर क्षतिग्रस्त फाल का मरम्मत कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	नर्मदापुरम्	2.26
23	2023_WRD_ 321720	खपरिया माइनर की 5- आर सब माइनर के क्षतिग्रस्त एच.आर. एवं फाल का मरम्मत कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	नर्मदापुरम्	4.24
24	2023_WRD_ 321721	पीपलठोन उपनहर पर 02 नं क्षतिग्रस्त फाल का एवं 01 नं. क्षतिग्रस्त एच.आर. पुनर्निर्माण कार्य।	नर्मदापुरम्	10.61
25	2023_WRD_ 321722	मलकाखेड़ी माइनर चैन क्र. 218 पर क्षतिग्रस्त एच.आर. का मरम्मत कार्य।	नर्मदापुरम्	2.47
26	2023_WRD_ 321723	मकड़ाई उपनहर की 32 आर माईनर पर एच.आर. का पुनर्निर्माण कार्य।	नर्मदापुरम्	2.00
27	2023_WRD_ 321724	जमुनिया माईनर चैन क्र. 02 पर क्षतिग्रस्त फाल का मरम्मत कार्य।	नर्मदापुरम्	2.09
28	2023_WRD_ 321725	तवा बांयी मुख्य नहर की चैन क्र. 1752 से 2569 तक के दोनों ओर की जंगल सफाई का कार्य।	नर्मदापुरम्	4.58
29	2023_WRD_ 321726	भिलाडिया उपनहर की चन्दपुरा माइनर पर 03 न. क्षतिग्रस्त फॉल का पुनर्निर्माण कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	नर्मदापुरम्	12.50
			कुल योग	**221.71**

जी- 22583/ 49314/2024 **मुख्य अभियंता**

कार्यालय प्राचार्य
शासकीय संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था
भोपाल, जिला - भोपाल (म.प्र.)

E-mail id - gasiti.bpl@gmail.com, फोन नं. - 0755-2586159

निविदा सूचना

भोपाल, दिनांक .....

क्र./शा.स.औ.प्र.सं./क्रय/2023/ /मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित संभागीय आईटीआई भोपाल हेतु बेंच वाइस एवं रबर मैट का क्रय करने हेतु जेम पोर्टल के माध्यम से खुली ई-निविदा प्रकाशित की गई, जिसकी **अंतिम तिथि 08.01.2024** है। इच्छुक निविदाकार ऑनलाइन जेम पोर्टल के माध्यम से निविदा जमा कर सकते हैं।

प्राचार्य
शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था
भोपाल, जिला-भोपाल (म.प्र.)

जी-22435/49310/2024

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग, संभाग मुरैना
सूबात रोड, मुरैना (म.प्र.)

क्रमांक 4273-74/निविदा/नि.सू.क्र. 21/2023-24 **मुरैना, दिनांक : 26.12.2023**

निविदा विज्ञप्ति

मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत पंजीकृत ठेकेदारों से मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु सड़क एवं पुल कार्यों की दर अनुसूची प्रभावशील दिनांक 25.03.2022 पर निविदा आमंत्रण सूचना जारी होने के दिनांक तक समस्त संशोधनों सहित ई-टेण्डरिंग पद्धति द्वारा ऑनलाइन निविदाएं अपेक्षित 2.10 में निहित शर्तों के अनुरूप आमंत्रित की जाती हैं, जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं कार्यों का विवरण वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है। वेबसाइट पर होने वाली तकनीकी समस्याओं हेतु विभाग जिम्मेदार नहीं होगा।

टेण्डर आई.डी. क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रुपयों में)	अर्नेस्ट मनी डिपोजिट (रुपयों में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु.)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
2023_PWDRB_321199	निर्माण कार्य 1. पी.एम.जी.एस.वाय. रोड से हरिप्रसाद का पुरा मार्ग लं. 1.00 कि.मी., 2. नावली से माता का पुरा भुआपुरा रोड से जालौनी मार्ग लं. 3.20 कि.मी., 3. पी.एम.जी.एस.वाय. रोड से स्थाकृ नहर मार्ग लं. 1.00 कि.मी., 4. गांगोलीहार से सकतपुर मार्ग लं. 3.00 कि.मी., 5. पी.एम.जी.एस.वाय. रोड से खेरिया हनुमान मंदिर मार्ग लं. 1.00 कि.मी. कुल लंबाई 9.20 कि.मी. (द्वितीय आमंत्रण)	48472000/- (चार करोड़ चौरासी लाख बहात्तर हजार)	484720/-	15000/- + Portal Charges	12 माह (वर्षाकाल सहित)
2023_PWDRB_321202	निर्माण कार्य प्रधानमंत्री सड़क गोपालपुरा से खेरिया - उपरेती का पुरा मार्ग लंबाई 2.50 कि.मी.	14778000/- (एक करोड़ सैंतालीस लाख अठत्तर हजार)	147780/-	12500/- + Portal Charges	06 माह
	योग - 02 कार्य	**63250000/- (छः करोड़ बत्तीस लाख पचास हजार)**			

1. ऑनलाइन टेण्डर पब्लिश दिनांक - 27.12.2023 समय 10.30 बजे
2. निविदा प्रपत्र डाउनलोड/विक्रय प्रारंभ दिनांक - 27.12.2023 समय 10.30 बजे से
3. निविदा प्रपत्र डाउनलोड/विक्रय अंतिम दिनांक - **10.01.2024 समय 17.30 बजे तक**
4. ऑनलाइन बिड सबमिशन का प्रारंभ दिनांक - 27.12.2023 समय 10.30 बजे तक
5. ऑनलाइन बिड सबमिशन का अंतिम दिनांक - 10.01.2024 समय 17.30 बजे तक
6. बिड ओपनिंग दिनांक - 11.01.2024 समय 17.30 बजे

a. अनुबंध के पूर्व एवं अनुबंध अवधि में लेबर पंजीयन करना अनिवार्य होगा, निविदा की वैधता अवधि 120 दिवस होगी।
b. निविदा संबंधी संशोधन उसी टेण्डर में ऑनलाइन देखे जा सकेंगे, अतिरिक्त प्रेस नोट नहीं निकाला जावेगा।
c. सक्षम अधिकारी को निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित होगा।
d. संबंधित मद में आवंटन उपलब्ध होने पर ही भुगतान हो सकेगा।
e. निविदाएं ऑनलाइन ही प्रस्तुत की जावें, भौतिक रूप से कोई भी दस्तावेज स्वीकार नहीं किया जावेगा।
f. शासन द्वारा समय-समय पर जारी समस्त नियम एवं संशोधन प्रभावशील होंगे।

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेंडर डॉक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेंगे। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री
जी-22393/49308/2024 **लोक निर्माण विभाग संभाग मुरैना, फोन नं. 07532-226361**

कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, भोपाल

ईमेल - ceproc.encwrd.bpl@nic.in
फोन : 0755-2767635, फैक्स : 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक - 1043/2023-24/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग/ **भोपाल, दिनांक : 01.01.2024**

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र दिनांक 30.01.2024 को 17.30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स.क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2024_WRD_323131	टर्न की पद्धति पर :– मुड़की बांध से हौज सिंचाई प्रणाली निर्माण का कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	डिण्डौरी	5772.00

जी-22536/49312/2024 **मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)**

कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, भोपाल

ई-मेल - ceproc.encwrd.bpl@nic.in, फोन - 0755-2767635, फैक्स - 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक - 1042/2023-24/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग/ **भोपाल, दिनांक : 26.12.2023**

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 25.01.2024** को 17.30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं। निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2023_WRD_318499	टर्न की पद्धति पर :– आहू मध्यम परियोजना के बांध एवं प्रेशराईज्ड पाइप सिस्टम का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	शाजापुर	8017.53
2.	2023_WRD_318502	टर्न की पद्धति पर :– पन्हेटी मध्यम सूक्ष्म सिंचाई परियोजना बांध एवं प्रेशराईज्ड प्रणाली का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	गुना	5695.45
3.	2023_WRD_318503	टर्न की पद्धति पर :– क्षिप्रा नदी पर चिंतावद अंतर्गत परियोजना बांध एवं प्रेशराईज्ड प्रणाली का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	उज्जैन	136893.52
4.	2023_WRD_318517	टर्न की पद्धति पर :– सितलझिरी सूक्ष्म उद्वहन सिंचाई मध्यम परियोजना के बांध एवं प्रेशराईज्ड पाइप नहर प्रणाली का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	बैतूल	22190.28
5.	2023_WRD_318524	टर्न की पद्धति पर :– पावा सिंचाई परियोजना अंतर्गत बांध एवं सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली एवं प्रेशराईज्ड पाइप नहर प्रणाली का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	शिवपुरी	28816.21
6.	2023_WRD_318525	टर्न की पद्धति पर :– सोनपुर सिंचाई परियोजना अंतर्गत बांध एवं सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली एवं प्रेशराईज्ड पाइप नहर प्रणाली का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	शिवपुरी	46454.93
7.	2023_WRD_318526	टर्न की पद्धति पर :– सिरमौर माइक्रो सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली एवं प्रेशराईज्ड पाइप नहर प्रणाली का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	रीवा	3707.44
8.	2023_WRD_318527	टर्न की पद्धति पर :– लोनी माइक्रो सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली एवं प्रेशराईज्ड पाइप नहर प्रणाली का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	रीवा	3263.22
9.	2023_WRD_318528	टर्न की पद्धति पर :– क्योंटी नहर प्रणाली से पहाडिया होज सिंचाई प्रणाली का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	रीवा	10939.78
10.	2023_WRD_314418	टर्न की पद्धति पर :– देवरी माइक्रो सिंचाई परियोजना का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	नर्मदापुरम	14887.38
11.	2023_WRD_318511	टर्न की पद्धति पर :– बगलीपाठ माइक्रो एरिगेशन प्रोजेक्ट (होज सिस्टम) का सर्वेक्षण, डिजाईन एवं निर्माण कार्य 8000 हेक्टेयर सी.सी.ए. खरीफ (धान) हेतु रख-रखाव संचालन एवं प्रबंधन सहित, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	बालाघाट	24886.00
12.	2023_WRD_318510	टर्न की पद्धति पर :– थांवर माइक्रो सिंचाई परियोजना का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	मण्डला	12613.50
13.	2023_WRD_318508	टर्न की पद्धति पर :– खाम्हा ग्राम अंतर्गत होज सिंचाई प्रणाली से खाम्हा उद्वहन सिंचाई परियोजना के लिये दांयी तट बरगी नहर से पानी लिया जाकर, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	जबलपुर	7166.36

जी-22414/49309/2024 **मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)**

कार्यालय मुख्य अभियंता (भोपाल परिक्षेत्र)
लोक निर्माण विभाग, भोपाल (म.प्र.)

ईमेल :– cepwdcapital@mp.nic.in, दूरभाष/फैक्स क्रमांक :– 0755-2551403

निविदा सूचना

निविदा सूचना क्र. 59/सा/01/विविध/2019 (वर्ष 2023) **भोपाल, दिनांक : 27.12.2023**

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. केन्द्रीय सड़क निधि के अंतर्गत देहगांव बम्होरी मार्ग लं. 27.40 कि.मी. (कि.मी. 1 से कि.मी. 11/8 एवं कि.मी. 23/10 से कि.मी. 28/4 पर) का चौड़ीकरण एवं उन्नयन कार्य एवं विद्यमान मार्ग पर मरम्मत एवं नवीनीकरण 11/8 से 23/10 कि.मी. पर कलवर्ट की मरम्मत सहित (ई.पी.सी. मोड पर)

टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्र.	कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में)	रिमार्क
2023_PWDRB_322307_1	रायसेन	सी.आर. आई.एफ.	प्रथम	4449.80	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किये जाने हैं।
	योग -			**4449.80**	

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 22.01.2024 (17.30) बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

मुख्य अभियंता
जी-22460/49311/2024 **लोक निर्माण विभाग, भोपाल परिक्षेत्र भोपाल**

आईपीएस की ट्रेनिंग कर रहीं पूजा को मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग में मिली तीसरी रैंक, डिप्टी कलेक्टर पद पर हुआ चयन

कहते हैं मन में अगर कुछ कर गुजरने की इच्छाशक्ति हो तो बड़ी से बड़ी चुनौतियां भी बौनी साबित हो जाती हैं। ऐसी ही चुनौतियों को पाटकर समाज में अपना स्थान बनाने में सफलता प्राप्त की है जिला पन्ना स्थित देवेन्द्र नगर निवासी पूजा सोनी ने। हाल ही में जारी हुए मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग-2019 के परिणामों में पूजा को तीसरी रैंक प्राप्त हुई है और उनका चयन डिप्टी कलेक्टर पद के लिये हुआ। पूजा वर्तमान में यूपीएससी में चयन उपरांत आईपीएस की ट्रेनिंग प्राप्त कर रही हैं। 'रोज़गार और निर्माण' के इस अंक में प्रस्तुत हैं पूजा से हुई बातचीत के संपादित अंश -

○ आपने प्रशासनिक सेवा में आने के बारे में कब और क्यों सोचा?

❑ बारहवीं कक्षा के बाद मैंने कम्प्यूटर साइंस से इंजीनियरिंग की पढ़ाई का निर्णय लिया। कॉलेज में एडमिशन हुआ तो पढ़ाई के लिये जबलपुर चली गई। यहां मैंने जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज में इंजीनियरिंग की पढ़ाई शुरू की। घर से बाहर निकलकर मुझे दुनिया की समझ आई और समाज के प्रति मेरी सोच विकसित हुई। मैंने बचपन से ही लड़की के तौर पर कई तरह की समस्याएं देखी जिसे देखने के बाद मुझे लगा कि अगर लड़कियों की समस्या को दूर करना है तो इसके लिये जरूरी है कि खुद को एम्पॉवर करना होगा। इसी बीच मेरी कॉलेज में एमपीपीएससी टॉपर रहीं हमारी सीनियर सम्पदा सराफ से मुलाकात हुई। उनकी बातों को सुनकर मैंने मन में ठान लिया कि मैं प्रशासनिक सेवा के क्षेत्र में ही अपना कॅरियर बनाऊंगी।

○ आपने स्कूल की पढ़ाई कहां से की?

❑ मेरा बचपन पन्ना जिले के देवेन्द्र नगर में गुजरा। जहां मैंने कक्षा आठवीं तक की पढ़ाई की। आगे की पढ़ाई के लिये मैं पन्ना के नवोदय विद्यालय में चली गई जहां से मैंने कक्षा बारहवीं की परीक्षा पास की।

○ इंजीनियरिंग छोड़कर प्रशासनिक सेवाओं में आने की क्या कोई खास वजह रही?

❑ इसे खास वजह नहीं कह सकते हैं, क्योंकि मैंने तो इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी कर ली थी। नौकरी के अवसर भी अच्छे थे। लेकिन जॉब सिक्योरिटी, लीक से हटकर काम करना, बेहतर समाज निर्माण में अपना योगदान, महिलाओं के सशक्तिकरण के लिये कार्य करने का जो बेहतर अवसर प्रशासनिक सेवाओं में होता है वह शायद किसी दूसरे क्षेत्र में नहीं। यही कारण है कि मैंने प्रशासनिक सेवाओं में आने का फैसला किया।

○ आपने किस वर्ष से एमपीपीएससी की तैयारी करना आरंभ किया?

❑ मैंने वर्ष 2018 में तय किया कि मुझे प्रशासनिक सेवाओं में जाना है और उसके साथ ही मैंने परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी। वर्ष 2019 में मैंने पहला अटैम्प्ट दिया और मैं पास हो गई।

○ वर्ष 2019 में परीक्षा हुई थी, वर्ष 2023 में परिणाम जारी हुआ, इस बीच की परिस्थितियों को आपने कैसे मैनेज किया?

❑ सच में यह समय बहुत पैनिक सिचुएशन वाला रहा। मैं रिजल्ट का इंतजार कर रही थी, तभी बीच में कोरोना की दूसरी लहर आ गई। मैं और परिवार के सभी सदस्य कोरोना पीड़ित हो गये। मुझे कुछ समझ ही नहीं आ रहा था कि आगे क्या करूं। क्योंकि समय निकलता जा रहा था। इसके बाद मैंने निर्णय लिया कि मैं एमपीपीएससी के अलावा उत्तर प्रदेश पीसीएस की परीक्षा भी दूंगी।

○ आपने उत्तर प्रदेश पीसीएस परीक्षा में बैठने का मन कब बनाया?

❑ जब एमपीपीएससी का रिजल्ट अवैटेड था। परिस्थितियां क्या होंगी कुछ भी कह पाना मुश्किल हो रहा था। तभी उत्तर प्रदेश पीसीएस 2020 का नोटिफिकेशन जारी हुआ। मैंने सोच लिया था कि मैं यह परीक्षा जरूर दूंगी। मैंने परीक्षा दी और मुझे स्टेट में 12वीं रैंक मिली और मैं पहली बार डिप्टी कलेक्टर बनी। मुझे पहली पोस्टिंग कानपुर के पास हमीरपुर में मिली। मैंने वहां पदभार ग्रहण किया और काम शुरू किया।

○ डिप्टी कलेक्टर बनने के बाद भी आपने पढ़ाई जारी रखी, ऐसा क्यों?

❑ उत्तर प्रदेश सरकार में मुझे पहली नौकरी मिली। यह मेरी पहली राज्य सेवा परीक्षा थी जिसे पास करने मैंने इस पद को पाया था। लेकिन मैंने फिर भी अपनी पढ़ाई जारी रखी। ऑफिस का काम खत्म करने के बाद जो भी समय मिलता उसमें मैं पढ़ाई करती। क्योंकि मैंने देखा कि वहां मेरे साथ पदस्थ कई साथी यूपीएससी की परीक्षा पास कर आईएएस, आईपीएस बन गये थे।

○ फिर आपने भी यूपीएससी की परीक्षा देने का निर्णय लिया?

❑ हां..., मैंने वर्ष 2021 में यूपीएससी की परीक्षा दी और मुझे ऑल इंडिया 401 रैंक मिली। जिसके बाद मैं आईपीएस के लिये चयनित हुई और अभी मैं आईपीएस की ट्रेनिंग पर हूं।

○ अभी आप आईपीएस की ट्रेनिंग पर हैं और डिप्टी कलेक्टर के लिये चयनित हुई है कौन-सी सर्विस को जारी रखेंगी?

❑ मेरा समाज परिवर्तन और महिला सशक्तिकरण का जो लक्ष्य है, उसे प्रशासनिक सेवा में रहते हुए बेहतर ढंग से पूरा किया जा सकता है। फिलहाल मैं ज्वॉइनिंग का इंतजार कर रही हूं। उसके बाद ही कोई फैसला लूंगी कि कौन-सी सर्विस को ज्वॉइन करना है।

○ आपने एमपीपीएससी की परीक्षा के लिये क्या विशेष तैयारी की?

❑ किसी भी परीक्षा को आप तभी क्रैक कर सकते हैं जब आप उसमें अपना शत-प्रतिशत दें। मैंने पीएससी की परीक्षा की तैयारी के लिये कभी समय नहीं देखा। मेरा केवल एक ही फोकस था कि मुझे पढ़ाई करना है और मैं कुछ बनना चाहती हूं। बस मैंने पीएससी का जो सिलेबस था उसे पूरा किया और पुराने पेपर्स को बार-बार हल किया। क्योंकि आप जितनी अधिक प्रैक्टिस करते हैं आपकी नींव उतनी ही मजबूत होती है।

○ प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा की तैयारी में क्या बदलाव किया?

❑ देखिये, परीक्षा प्रारंभिक हो या फिर मुख्य, हमारा फोकस सिर्फ यह होना चाहिए कि हम जिस परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं उसके हर एक विषय को अच्छी तरह से कवर करें। मैंने प्रारंभिक परीक्षा के लिये शुरुआती कुछ महीने इंदौर में कोचिंग की, उसके बाद न तो मुख्य परीक्षा और न ही इंटरव्यू के लिये कोई मॉक टेस्ट दिया। मैंने दैनिक समाचार पत्र, 'रोज़गार और निर्माण' सहित प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े स्टडी मटेरियल को फॉलो किया।

जहां तक बात मुख्य परीक्षा की है तो इसमें मैंने टाइम लिमिट पर बहुत फोकस किया। क्योंकि यहां आपको समय सीमा में उत्तर देना होता है। इसलिये मैंने खुद से कई बार टेस्ट पेपर तैयार किये और उन्हें हल किया। अधिकतर सवालों के जवाब मैंने लिखकर दिये हैं। ताकि मेरी राइटिंग स्किल्स मजबूत हो और राइटिंग को गति मिले।

○ आप एमपीपीएससी की तैयारी कर रहे अन्य अभ्यर्थियों को क्या संदेश देंगी?

❑ नोट्स और किताबें आपका नॉलेज बढ़ाएंगी। लेकिन नॉलेज के साथ कोशिश करें, एक ही रिसोर्स को फॉलो करें और पढ़ाई को भरपूर समय दें।

○ आपने तीन बार इंटरव्यू दिया है। क्या इनमें कोई समानता देखने को मिली?

❑ मैंने कई बार इंटरव्यू को लेकर लोगों को परेशान होते देखा है। लेकिन मुझे लगता है कि किसी को भी परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। मैंने कभी किसी इंटरव्यू के लिये कोई विशेष तैयारी नहीं की। केवल बोर्ड में बैठे सदस्यों के सवालों के जवाब देते समय उनके साथ कनेक्टिविटी स्थापित करने का प्रयास किया। क्योंकि बोर्ड यह बात अच्छे से जानता है कि आगे चलकर आपको आमजन से संवाद करना है, इसलिये जरूरी है कि दोनों के बीच में एक कनेक्टिविटी स्थापित हो।

प्रस्तुतकर्ता - हितेश शर्मा

परिचय

नाम	-	पूजा सोनी
पिता	-	श्री महेश प्रसाद सोनी
माता	-	श्रीमती जानकी सोनी
निवास	-	देवेन्द्र नगर, जिला पन्ना
स्कूल	-	नवोदय विद्यालय, पन्ना
कॉलेज	-	जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज (बैचलर ऑफ कम्प्यूटर साइंस)
एमपीपीएससी	-	वर्ष 2019, रैंक 3
कुल नंबर	-	1038/1575
उत्तरप्रदेश पीसीएस	-	वर्ष 2020 में 12वीं रैंक, चयन (डिप्टी कलेक्टर)
यूपीएससी	-	वर्ष 2021, 401 रैंक, चयन आईपीएस

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, धार

फोन :– 07292-222342, (An ISO9001:2015 Certified office) eepheddha@mp.nic.in

नि.सू.क्र. /21/2023-24 धार, दिनांक : 04.01.2024

निविदा सूचना

निम्न निविदा संबंधी विवरण की विस्तृत जानकारी **https://mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है। ऑनलाइन निविदा दर डालने की **अंतिम तिथि दिनांक 20.01.2024 शाम 5.30 बजे** तक निर्धारित है। उपरोक्त निविदा में भविष्य में किये जाने वाले समस्त संशोधनों को समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किया जावेगा। उक्त संशोधन केवल वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर ही प्रकाशित किये जावेंगे।

नि.सू. क्र.	टेण्डर आई.डी. क्र.	कार्य का नाम	कार्य की कुल अनु. लागत (रु. लाख में)	कार्य पूर्णता की अवधि	निविदा आमंत्रण
21/2023-24	2024_PHED_324126	धार खण्ड के विकासखण्ड धार, नालछा एवं तिरला में नलकूपों में 100 नग सिंगलफेस मोटरपंप स्थापना का कार्य।	02.97	12 माह वर्षाकाल सहित।	प्रथम
	2024_PHED_324129	धार खण्ड के विकासखण्ड बदनावर में नलकूपों में 100 नग सिंगलफेस मोटरपंप स्थापना का कार्य।	02.97	12 माह वर्षाकाल सहित।	प्रथम
	2024_PHED_324130	धार खण्ड के विकासखण्ड धरमपुरी एवं उमरबन में नलकूपों में 100 नग सिंगलफेस मोटरपंप स्थापना का कार्य।	02.97	12 माह वर्षाकाल सहित।	प्रथम
	2024_PHED_324131	खण्ड धार के अंतर्गत विकासखण्ड उमरबन के ग्राम पेटलावद में खनिज मद अंतर्गत पाइप लाइन एवं कूप निर्माण का कार्य।	15.12	03 माह वर्षाकाल सहित।	द्वितीय
	2024_PHED_324132	खण्ड धार के अंतर्गत विकासखण्ड धरमपुरी के ग्राम उतावली में खनिज मद अंतर्गत पाइप लाइन एवं कूप निर्माण का कार्य।	12.03	03 माह वर्षाकाल सहित।	द्वितीय
	2024_PHED_324136	जिला जल गुणवत्ता परीक्षण प्रयोगशाला, धार में रसायन एन.ए.बी.एल. अनुसार प्रदाय करने का कार्य।	4.56	01 माह वर्षाकाल सहित।	प्रथम
	2024_PHED_324140	जिला जल गुणवत्ता परीक्षण प्रयोगशाला, धार में उपकरण एन.ए.बी.एल. अनुसार प्रदाय करने का कार्य।	1.38	01माह वर्षाकाल सहित।	प्रथम
	2024_PHED_324141	जिला जल गुणवत्ता परीक्षण प्रयोगशाला, धार में पेवर्स ब्लाक एवं कपबोर्ड लगाने का कार्य।	1.27	01 माह वर्षाकाल सहित।	प्रथम

कार्यपालन यंत्री

जी-22627/49329/2024 लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, धार

मंत्रिपरिषद के सदस्यों को विभाग आवंटित

स.क्र.	मुख्यमंत्री/उप मुख्यमंत्री/ मंत्री/राज्यमंत्री का नाम	सौंपे गए विभाग और/या विभाग की कार्य सूची के विषय
1.	डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री	सामान्य प्रशासन, गृह, जेल, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, जनसंपर्क, नर्मदा घाटी विकास, विमानन, खनिज साधन, लोक सेवा प्रबन्धन, प्रवासी भारतीय एवं ऐसे समस्त विभाग जो किसी अन्य मंत्री को न सौंपे गये हों
2.	श्री जगदीश देवड़ा, उप मुख्यमंत्री	वित्त, वाणिज्यिक कर, योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी
3.	श्री राजेन्द्र शुक्ल, उप मुख्यमंत्री	लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा
4.	श्री कुंवर विजय शाह, मंत्री	जनजातीय कार्य, लोक परिसंपत्ति प्रबंधन, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास
5.	श्री कैलाश विजयवर्गीय, मंत्री	नगरीय विकास एवं आवास, संसदीय कार्य
6.	श्री प्रहलाद सिंह पटेल, मंत्री	पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम
7.	श्री राकेश सिंह, मंत्री	लोक निर्माण विभाग
8.	श्री करण सिंह वर्मा, मंत्री	राजस्व
9.	श्री उदय प्रताप सिंह, मंत्री	परिवहन, स्कूल शिक्षा
10.	श्रीमती सम्पतिया उईके, मंत्री	लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी
11.	श्री तुलसीराम सिलावट, मंत्री	जल संसाधन
12.	श्री एदल सिंह कंषाना, मंत्री	किसान कल्याण एवं कृषि विकास
13.	सुश्री निर्मला भूरिया, मंत्री	महिला एवं बाल विकास
14.	श्री गोविंद सिंह राजपूत, मंत्री	खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण
15.	श्री विश्वास सारंग, मंत्री	खेल एवं युवा कल्याण, सहकारिता
16.	श्री नारायण सिंह कुशवाह, मंत्री	सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण, उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण
17.	श्री नागर सिंह चौहान, मंत्री	वन, पर्यावरण, अनुसूचित जाति कल्याण
18.	श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, मंत्री	ऊर्जा
19.	श्री राकेश शुक्ला, मंत्री	नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा
20.	श्री चेतन्य काश्यप, मंत्री	सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम
21.	श्री इन्दर सिंह परमार, मंत्री	उच्च शिक्षा, आयुष, तकनीकी शिक्षा कौशल विकास एवं रोजगार (केवल तकनीकी शिक्षा)
22.	श्रीमती कृष्णा गौर, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार)	पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त घुमन्तु और अर्द्धघुमन्तु कल्याण
23.	श्री धर्मेन्द्र भाव सिंह लोधी, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार)	संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास और धर्मस्व
24.	श्री दिलीप जायसवाल, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार)	कुटीर एवं ग्रामोद्योग
25.	श्री गौतम टेटवाल, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार)	तकनीकी शिक्षा कौशल विकास एवं रोजगार (केवल कौशल विकास एवं रोजगार)
26.	श्री लखन सिंह पटैल, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार)	पशुपालन एवं डेयरी
27.	श्री नारायण सिंह पंवार, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार)	मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास
28.	श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल, राज्यमंत्री	लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण
29.	श्रीमती प्रतिमा बागरी, राज्यमंत्री	नगरीय विकास एवं आवास
30.	श्री दिलीप अहिरवार, राज्यमंत्री	वन, पर्यावरण
31.	श्रीमती राधा सिंह, राज्यमंत्री	पंचायत एवं ग्रामीण विकास

मध्यप्रदेश में 15 जनवरी तक थानों की सीमाओं का करें निर्धारण - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जबलपुर में आयोजित बैठक में प्रदेश की कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए

जबलपुर, जिलों में पुलिस थानों की सीमाओं का निर्धारण 15 जनवरी तक पूरा कर लिया जाए। इसके लिए एसडीएम स्तर पर सभी जनप्रतिनिधियों की बैठक में विचार-विमर्श कर थानों की सीमाओं के प्रारंभिक निर्धारण के बाद दावे-आपत्तियों का निराकरण किया जायेगा। इस प्रकार 15 जनवरी तक सीमा निर्धारण संबंधी सभी प्रक्रियाएं पूरी कर ली जाएं। ये बातें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जबलपुर में आयोजित एक बैठक में कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कहीं।

मुख्यमंत्री ने जबलपुर में संभागस्तरीय कानून व्यवस्था की समीक्षा के दौरान कहा कि प्रभावी और आदतन गुंडे और बदमाशों पर सख्त कार्रवाई की जाये। उन पर शिकंजा कसा जाना ज्यादा आवश्यक है, जिससे निचले स्तर तक यह संदेश पहुंचे कि प्रशासन द्वारा आपराधिक कृत्यों में लिप्त किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आदतन अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। कानून व नियम का उद्देश्य भी यही है। साथ ही मुख्यमंत्री ने कहा कि खुले में मांस मछली के विक्रय पर सख्ती से प्रतिबंध लगायें। खुले में इसका व्यवसाय नहीं हो, इसके विक्रेताओं को जब तक पक्का निर्माण नहीं हो जाता तब तक फिलहाल शेड युक्त मार्केट बना कर दिया जाये और समुचित स्थान उपलब्ध कराएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जेलों में सजा पूरी कर लेने वाले बंदियों के मानवीय पहलुओं पर विचार करते हुए जिला जेल और पुलिस बल मिलकर योजना बनायें। उन्होंने जिलों में ओपन जेल बनाने की दिशा में काम करने के निर्देश दिए।

डॉ. यादव ने कहा कि हर जिले में पुलिस का बैंड होना चाहिए। जिससे राष्ट्रीय पर्वों पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में शासकीय बैंड का उपयोग हो इसके लिए जिन जिलों में बैंड दल नहीं हैं, वहां एसएएफ की कंपनियों और पुलिस बल में नई भर्ती के जवानों को प्रशिक्षण देकर पुलिस बैंड दल बनाया जाए।

कलेक्टर समिति करेगी थानों की सीमा का निर्धारण

भोपाल, राज्य शासन ने आदेश जारी कर जिले में थानों और चौकियों की सीमाओं के निर्धारण का अधिकार जिला कलेक्टर समिति को दे दिया है। गुरुवार को गृह विभाग से जारी आदेश में सीमाओं के पुनर्निर्धारण की कार्यवाही आगामी 15 जनवरी तक करने के निर्देश दिये गये हैं। आदेश में थानों और चौकियों की सीमाओं के पुनर्निर्धारण के संबंध में अनुभाग और जिला स्तर पर बैठकें आयोजित कर जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों से सुझाव प्राप्त करने के निर्देश दिये गये हैं।

मुख्यमंत्री से प्रशिक्षु पुलिस अधिकारियों ने की भेंट

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से भारतीय पुलिस सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों ने मंत्रालय में सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर डॉ. यादव का डीजीपी श्री सुधीर कुमार सक्सेना और प्रशिक्षु भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों ने स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने प्रशिक्षु अधिकारियों को शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री ने प्रशिक्षु पुलिस अधिकारियों को अपना कार्य लगन और मेहनत से करने की समझाइश दी। उन्होंने कहा कि जब भी किसी से मिलें तो उसकी अच्छी बातों को अपनी डायरी में जरूर लिखें और उस पर अमल करने की कोशिश करें।

चार जिला पंचायत सदस्यों के निर्वाचन का संशोधित कार्यक्रम जारी

भोपाल, राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जिला जबलपुर, अशोकनगर, सीहोर एवं खंडवा के रिक्त जिला पंचायत सदस्यों के निर्वाचन का संशोधित कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। अब मतदान 27 जनवरी को सुबह 7 से अपरान्ह 3 बजे तक होगा। पूर्व में घोषित कार्यक्रम में मतदान 22 जनवरी को होना था। कुल 4 जिला पंचायत सदस्यों का निर्वाचन होना है।

सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री अभिषेक सिंह ने जानकारी दी है कि निर्वाचन की सूचना का प्रकाशन और नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने का कार्य 30 दिसंबर 2023 को शुरू हो चुका है। नाम-निर्देशन पत्र प्राप्त करने की अंतिम तारीख 6 जनवरी, 2024 है। नाम-निर्देशन पत्रों की जांच 8 जनवरी को होगी। अभ्यर्थिता से नाम वापस लेने की अंतिम तारीख 10 जनवरी, 2024 है। मतदान 27 जनवरी को सुबह 7 से अपरान्ह 3 बजे तक होगा। मतगणना 30 जनवरी को विकासखंड मुख्यालय पर और परिणाम की घोषणा 31 जनवरी को जिला मुख्यालय पर होगी। संबंधित क्षेत्र में आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील हो गई है।

चिकित्सा शिक्षा विभाग

स्वास्थ्य सेवाओं को बनाया जाएगा सुदृढ़

भोपाल, मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य सेवाएं सुदृढ़ करने के लिए कुशल चिकित्सकीय एवं सहायक चिकित्सकीय स्टाफ तैयार करना और उनकी उपलब्धता सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण कार्य है। इसके लिए चिकित्सकीय, नर्सिंग और पैरामेडिकल विश्वविद्यालयों का सुचारु संचालन, अधोसंरचना सुदृढ़ीकरण एवं पर्याप्त शैक्षणिक और सहायक स्टाफ की उपलब्धता अनिवार्य है। ये बातें उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने भोपाल स्थित मंत्रालय में चिकित्सा शिक्षा विभाग की समीक्षा करते हुए कहीं।

श्री शुक्ल ने प्रदेश में संचालित 14 मेडिकल कॉलेज के संचालन, केंद्र द्वारा पोषित 6 मेडिकल कॉलेज के निर्माण, राज्य द्वारा पोषित 4 और प्रस्तावित 12 मेडिकल कॉलेजों के निर्माण की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने महाविद्यालयों में रिक्त पदों की पूर्ति करने के निर्देश दिये। उप मुख्यमंत्री ने संचालित कॉलेजों में यूजी

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल चिकित्सा शिक्षा विभाग की समीक्षा करते हुए

और पीजी कोर्स में सीटों की वृद्धि के लिये अधोसंरचना विकास कार्य की कॉलेजवार समीक्षा की एवं शीघ्र पूर्ति के निर्देश दिये।

उप मुख्यमंत्री ने महाविद्यालयों में वित्तीय शक्तियों के प्रत्यायोजन के निर्देश दिये, जिससे महाविद्यालय स्तर में हितलाभ एवं प्रोत्साहन राशि वितरण तेजी से हो सके। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को शीघ्र प्रस्ताव तैयार करने के लिए कहा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर और रीवा, स्कूल ऑफ एक्सीलेंस फॉर आई इंदौर तथा स्कूल ऑफ एक्सीलेंस इन पल्मोनरी डिजीस जबलपुर में रिक्त पदों की जल्द पूर्ति हेतु निर्देशित किया।

उप मुख्यमंत्री ने नर्सिंग एवं पैरामेडिकल कॉलेजों की समीक्षा कर निर्देश दिये कि नर्सिंग कॉलेज के साथ हॉस्टल का निर्माण भी किया जाये। पुराने कॉलेज एवं जर्जर हो चुके भवनों की मरम्मत के लिये भी व्यवस्थाएं की जायें। उप मुख्यमंत्री ने केंद्र से समन्वय कर विषयों की जानकारी प्राप्त की।

केला प्रसंस्करण के लिए

बुरहानपुर को राष्ट्रीय सम्मान

नई दिल्ली, एक जिला एक उत्पाद-प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम योजना अंतर्गत बुरहानपुर को केला प्रसंस्करण में विशेष कार्य करने के लिए 'आत्मनिर्भर भारत उत्सव 2024' के अंतर्गत 'नेशनल ओडीओपी अवॉर्ड सेरेमनी फॉर 2023' से सम्मानित किया गया।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट ओडीओपी प्रोग्राम अन्तर्गत देश के सभी जिलों से नामांकन प्राप्त किए गए जिनमें से 8 जिलों को चयनित किया गया। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना अन्तर्गत जिला बुरहानपुर को केले के क्षेत्र में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्पादन, ट्रेनिंग, प्रोसेसिंग, मार्केटिंग एंड ब्रांडिंग एवं निर्यात के आधार पर विशेष कार्य किए जाने पर उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल द्वारा 'नेशनल ओडीओपी अवॉर्ड सेरेमनी फॉर 2023' दिया गया।

उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण, मध्यप्रदेश के मार्गदर्शन में बुरहानपुर ने विगत वर्ष में ओडीओपी में केला उत्पादन में सरहानीय कार्य किया है। पोस्ट हार्वेस्ट प्रबंधन अंतर्गत वृद्धि कर केले के 26 राइपनिंग चैम्बर का निर्माण किया गया। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना अन्तर्गत 25 इकाई स्थापित की गई जिसके अंतर्गत विभिन्न प्रकार के चिप्स, केला पाउडर, केला स्टिक एवं केला सेव बनाये जा रहे हैं जिनका राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय बाजार में विक्रय किया जा रहा है। इराक, ईरान, दुबई एवं तुर्की में 25,000 मैट्रिक टन कच्चे केले का निर्यात किया गया। केले में उच्च तकनीकी प्रशिक्षण से केले के उत्पादन को बढ़ावा दिया गया है। साथ ही केले के तने एवं पत्तों का उपयोग उप-उत्पाद से द्वितीय उद्योग (हस्तशिल्प उत्पाद जैसे इन पेन, जैविक खाद इत्यादि) को बढ़ावा मिला, जिससे की आय में वृद्धि हुई है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

विकसित भारत संकल्प यात्रा

मध्यप्रदेश में हर पात्र व्यक्ति को मिल रहा है योजनाओं का लाभ - राज्यपाल

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल रायसेन में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए

रायसेन, मध्यप्रदेश में 16 दिसम्बर से विकसित भारत संकल्प यात्रा जारी है। ऐसे जरूरतमंद और पात्र नागरिक जो किन्हीं कारणों से शासन की योजनाओं के हितलाभ से शेष रह गए हैं, उन तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाना और उनके जीवन में खुशहाली लाना ही विकसित भारत संकल्प यात्रा का मुख्य उद्देश्य है। इसमें आईईसी वैन में लगे एलईडी के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर पहुंचकर योजनाओं की जानकारी दी जा रही है तथा हितलाभ भी वितरित किए जा रहे हैं। ये बातें राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने रायसेन जिले की ग्राम पंचायत दीवानगंज में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में कहीं।

राज्यपाल ने कहा कि केन्द्र और राज्य शासन द्वारा समाज के सभी वर्गों के लिए योजनाएं संचालित की जा रही हैं। पहले योजनाओं का लाभ लेने के लिए नागरिकों को कार्यालयों में जाना पड़ता था। लेकिन अब इस यात्रा के माध्यम से अधिकारी स्वयं नागरिकों के पास पहुंचकर आवेदन प्राप्त कर रहे हैं। रायसेन जिले में अब तक 252 ग्राम पंचायतों में यह विकसित यात्रा पहुंच चुकी है तथा हितग्राहियों को पात्रतानुसार योजनाओं के हितलाभ भी दिये गए हैं।

श्री पटेल ने कहा कि दूर-दराज के नागरिकों को जानकारी नहीं होने के कारण उन्हें योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता। इस यात्रा में प्रचार माध्यमों से शासन द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दूर-दराज के पात्र और जरूरतमंद नागरिकों तक पहुंच रही है। योजनाओं के माध्यम से उनके जीवन में खुशहाली और समृद्धि लाने के प्रयास किये जा रहे हैं। नागरिक इन्हें समझें और पात्रतानुसार लाभ उठाते हुए विकास की मुख्य धारा से जुड़ें। सभी आगे बढ़ेंगे, तभी आर्थिक विकास होगा। इससे देश भी आगे बढ़ेगा और विकसित भारत का सपना साकार होगा।

राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण, प्रधानमंत्री आवास, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री उज्ज्वला जैसी अनेक योजनाएं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अभिनव पहल हैं।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, सुरक्षा बीमा, जीवन ज्योति एवं अटल पेंशन योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्ति तक पहुंचाया जा रहा है, स्व-सहायता समूह की महिलाएं आत्मनिर्भर हो रही हैं। सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए गए हैं और इनके सकारात्मक परिणाम भी मिल रहे हैं।

विकसित भारत संकल्प यात्रा को सफल बनाएं - मुख्यमंत्री

भोपाल, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत संकल्प यात्रा पूरे देश में सरकार की प्रमुख योजनाओं को अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से चलाई जा रही है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि इन योजनाओं का लाभ समयबद्ध तरीके से सभी लक्षित लाभार्थियों तक पहुंचे। ये बातें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल स्थित मंत्रालय में विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान झाबुआ और रीवा के हितग्राहियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संवाद करते हुए कहीं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हम सभी को विकसित भारत संकल्प यात्रा को सफल बनाकर इसके लाभ को जन-जन तक पहुंचाना है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रीवा जिले के ग्राम अगडाल की श्रीमती सुखिया केवट और झाबुआ में ग्राम भूरा डाबरा के श्री जवान सिंह से केंद्र सरकार की योजनाओं से मिलने वाले लाभ के बारे में जानकारी ली। हितग्राहियों ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कारण उन्हें पक्का मकान मिला, घर में शौचालय बना और उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन भी मिला। उन्होंने बताया कि किसान सम्मान निधि के लाभ के साथ उनका आयुष्मान कार्ड भी बना हुआ है। मुख्यमंत्री ने सभी से विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी और लाभ जन-जन को पहुंचाने के लिए प्रयास करने का आग्रह भी किया।

प्रत्येक पात्रताधारी को सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाने का लक्ष्य

नरसिंहपुर, सबका साथ-सबका विकास और सबका विश्वास के सूत्र वाक्य को साकार करने के लिये केन्द्र सरकार की विभिन्न जन-कल्याणकारी योजनाओं से प्रत्येक पात्रताधारी को लाभान्वित करने के लिये विकसित भारत संकल्प यात्रा निकाली जा रही है। इसमें लाभों से वंचित रह गये व्यक्तियों को लाभान्वित करने का कार्य भी किया जा रहा है। ये बातें पंचायत, ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने नरसिंहपुर जिले के ग्राम तिंसरा में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में आमगांव से दिल्हेरी मार्ग पर एक करोड़ 21 लाख रुपये की लागत के पुल निर्माण कार्य का शिलान्यास कर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि हमें तकनीकी के इस युग में जानकारी के साथ जीवन जीना होगा।

श्री पटेल ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना शुरू की गई थी। इसका उद्देश्य गांवों को सड़क मार्ग से जोड़ना था, जिससे बारहमासी आवागमन आसानी से हो सके। बरसात का पानी जब रपटे या छोटे पुल के ऊपर हो जाता था, तो सरकार ने तय किया कि रपटे या छोटे पुल के स्थान पर एक साथ ही बड़े पुल बना दिये जायें। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ गरीबों को मिल रहा है।

मध्यप्रदेश में अगले 5 वर्ष में 10 हजार नए स्टार्टअप किए जाएंगे शुरू

भोपाल, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी यानी संकल्प 2023 के तहत हर परिवार के एक सदस्य को रोजगार या स्वरोज़गार उपलब्ध करवाने के लिए स्वरोज़गार योजना नीति तत्काल बनायी जाये। अगले 5 वर्ष में 10 हजार नए स्टार्टअप शुरू करने के साथ ही सूक्ष्म उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए उद्यम क्रांति जैसी स्वरोज़गार योजनाओं का दायरा भी बढ़ाया जायेगा। ये बातें सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री चेतन काश्यप ने भोपाल स्थित मंत्रालय में विभागीय योजनाओं की समीक्षा कर संकल्प पत्र के बिंदुओं पर चर्चा करते हुए कहीं।

श्री काश्यप ने आगामी एक दो माह में कुछ बेहतर क्लस्टर प्रारंभ करने पर काम करने के लिए कहा है। उन्होंने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम के लिए प्रदेश की भूमि आवंटन की प्रक्रिया को और भी प्रभावी तथा पारदर्शी बनाने पर जोर दिया है। बैठक में प्रधानमंत्री के नव उद्यमियों और उनके आइडियाज को अमलीजामा पहनाने पर विशेष चर्चा हुई। आगामी 16 जनवरी को स्टार्टअप दिवस पर सभी हितधारकों के सम्मेलन में प्रदेश के स्टार्टअप सेक्टर को देश में अग्रणी बनाने के लिए विमर्श कर सशक्त नीति बनाने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने रोजगार दिवस कार्यक्रम प्रत्येक माह आयोजित करने पर जोर दिया। उल्लेखनीय है वर्ष 2021-22 से प्रारंभ हुए रोजगार दिवस कार्यक्रमों से अब तक लगभग 58 लाख व्यक्तियों को स्वरोज़गार योजनाओं के तहत 39 हजार करोड़ रुपये से अधिक की ऋण राशि उपलब्ध करवाई गई है।

लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत अब तक 1.39 करोड़ डिजिटल जाति प्रमाण पत्र जारी

भोपाल, मध्यप्रदेश में नागरिक अधिकारों को सशक्त बनाने और लोक सेवा प्रदाय प्रणाली को प्रभावी एवं सरल बनाने के लिये सुशासन की दिशा में अभिनव प्रयास किये जा रहे हैं।

सामान्य प्रशासन विभाग की अधिसूचित सेवा क्रमांक 6.4 जाति प्रमाण पत्र प्रदाय अभियान के तहत लोक सेवा केन्द्रों द्वारा प्रदेश भर के स्कूल के छात्र-छात्राओं को जाति प्रमाण पत्र प्रदान करने संबंधी अभियान का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन किया जा रहा है। अभियान के तहत अब तक लगभग एक करोड़ 39 लाख डिजिटल हस्ताक्षरित रंगीन प्रमाण पत्र प्रदान किये जा चुके हैं। यह सभी जारी किये गये डिजिटल हस्ताक्षरित रंगीन प्रमाण पत्र एक कॉमन रिपाजिटरी से वेबसाइट www.mpedistrict.gov.in पर उपलब्ध हैं। लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत दी जाने वाली सेवाओं के अंतर्गत अब तक करीब 9 करोड़ 92 लाख आवेदनों का निराकरण किया जा चुका है।

मंत्रिपरिषद के निर्णय

रानी अवंती बाई लोधी और रानी दुर्गावती के सम्मान में पुरस्कार शुरू करने का निर्णय

जबलपुर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में जबलपुर के शक्ति भवन में मंत्रिपरिषद की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मंत्रिपरिषद ने वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी और रानी दुर्गावती को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके सम्मान में पुरस्कार शुरू करने का निर्णय लिया है। रानी अवंती बाई लोधी सम्मान और रानी दुर्गावती सम्मान हर वर्ष दिया जाएगा। विपरीत परिस्थितियों में संघर्ष कर सफल होने वाली समाजसेवी महिलाओं को यह सम्मान प्रदान किया जाएगा। मंत्रिपरिषद द्वारा लिए गए अन्य निर्णय इस प्रकार हैं :-

- दोनों वीरांगनाओं को आदर्श मानते हुए उनके जीवन पर अध्ययन करने वालों को प्रोत्साहित करने के लिए फैलोशिप शुरू की जाएगी।
- भावी पीढ़ी को रानी अवंती बाई लोधी और रानी दुर्गावती के आदर्श जीवन से परिचय कराने के लिए फिल्म बनाई जायेगी और साथ ही महाविद्यालयों और विद्यालयों के पाठ्यक्रम में विषय शामिल किया जाएगा।
- मंत्रिपरिषद ने श्रीअन्न के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना लागू करने का निर्णय लिया है। योजना के अंतर्गत श्रीअन्न - कोदो-कुटकी, रागी, ज्वार, बाजरा आदि के उत्पादन करने वाले किसानों को प्रति किलो 10 रुपये की राशि दी जाएगी। यह राशि किसानों के खाते में अंतरित की जाएगी।
- मध्यप्रदेश में कोदो-कुटकी की खेती मण्डला, डिण्डोरी, बालाघाट, छिन्दवाड़ा, अनूपपुर, सीधी, सिंगरौली, उमरिया, शहडोल, सिवनी और बैतूल जिलों में होती है। कोदो-कुटकी के किसानों की आय में वृद्धि के लिए फसल उत्पादन, भण्डारण, प्रोसेसिंग, मार्केटिंग, उपार्जन, ब्राण्ड बिल्डिंग के साथ वैल्यू चेन विकसित करने के उद्देश्य से रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना लागू की जा रही है।
- मंत्रिपरिषद ने तेन्दूपत्ता संग्रहण दर में वृद्धि करने का निर्णय लिया है। तेंदूपत्ता संग्रहण की दर 3 हजार रुपये प्रति मानक बोरा से बढ़ाकर 4 हजार रुपये प्रति मानक बोरा की गई है।
- इस निर्णय से प्रदेश के 35 लाख तेन्दूपत्ता संग्राहकों को लगभग 165 करोड़ रुपये का अतिरिक्त पारिश्रमिक प्राप्त होगा।
- उल्लेखनीय है कि पूर्व वर्षों में तेंदूपत्ता संग्रहण दर 1 हजार 250 रुपये प्रति बोरा थी। वर्ष 2022 से इसे बढ़ाकर 3 हजार रुपये प्रति बोरा की गई थी। अब तेंदूपत्ता संग्रहण दर 4 हजार रुपये प्रति बोरा कर दी गई है।
- मंत्रिपरिषद द्वारा ग्वालियर व्यापार मेले को व्यापक स्वरूप देने और ऑटोमोबाइल सेक्टर में बिक्री को बढ़ावा देने के लिए मोटर साइकिल, मोटर कार तथा हल्के वाहनों के विक्रय पर नियमों के अधीन मोटरयान कर की दर पर 50 प्रतिशत की छूट देने का निर्णय लिया गया है। इस निर्णय से ग्वालियर व्यापार मेले में व्यापार, पर्यटन एवं औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।
- मंत्रिपरिषद ने मध्यप्रदेश में बुनियादी सिंचाई सुविधाओं का विकास करने की दृष्टि से और सिंचाई का रकबा बढ़ाने के लिए 32 हजार करोड़ रुपये की सिंचाई परियोजनाओं के निर्माण की कार्यवाही की अनुमति दी है।
- मंत्रिपरिषद ने प्रदेश में 4,500 करोड़ रुपये की लागत के सड़क निर्माण के नए कार्यों को प्रारंभ करने की स्वीकृति दी है। यह प्रदेश के अधोसंरचना विकास की दिशा में बड़ा कदम है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

गणतंत्र दिवस समारोह में

मध्यप्रदेश की झांकी में दिखेगी आत्मनिर्भर नारी की झलक

भोपाल, गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2024 को देश की राजधानी नई दिल्ली में कर्तव्य पथ पर राज्यों की सांस्कृतिक वैभव और विकास को दर्शाने वाली झांकियों में मध्यप्रदेश की झांकी विशेष आकर्षण का केन्द्र होगी। इस वर्ष मध्यप्रदेश झांकी की थीम 'विकास का मूल मंत्र-आत्मनिर्भर नारी' है।

झांकी मध्यप्रदेश की प्रगतिशील नारी शक्ति पर केन्द्रित है। हर क्षेत्र में मध्यप्रदेश की नारी आर्थिक आत्मनिर्भरता हासिल कर रही है। प्रदेश की बेटियां खेत-खलिहान से लेकर विमान उड़ाने में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं। गणतंत्र दिवस की भव्य झांकी में मध्यप्रदेश की आत्मनिर्भर हो रही नारी की प्रतिभा और आत्मविश्वास के दर्शन होंगे। झांकी के अग्रभाग में भारतीय वायुसेना की पहली महिला फाइटर पायलट और प्रदेश की बेटी अवनी चतुर्वेदी लड़ाकू विमान के प्रतिरूप के साथ दिखेंगी। इसके बाद स्व-सहायता समूह की एक महिला कलाकार मटके पर चित्रकारी करते नजर आयेंगी। द्वितीय मध्य भाग में बादल महल गेट चंदेरी की प्रतिकृति होगी एवं विश्व विख्यात चंदेरी, महेश्वरी, बाग प्रिंट साड़ियों को तैयार करने वाली बुनकर महिलाएं साड़ियों के एक प्रतीकात्मक प्रदर्शनी काउंटर के साथ विक्रय के लिए खड़ी दिखाई देंगी।

झांकी के अंतिम भाग में बेहतर पोषण युक्त आहार श्रीअन्न यानी मोटे अनाज (मिलेट्स) उत्पादन को प्रोत्साहन की प्रेरणा देती भारत के मिलेट मिशन की ब्रांड एम्बेसेडर और मिलेट क्वीन ऑफ इंडिया के रूप में ख्याति प्राप्त मध्यप्रदेश के डिंडोरी जिले की सुश्री लहरी बाई दिखाई देंगी। उनके हाथ में विक्रय के लिये मिलेट्स का एक पैकेट दिखाई देगा। इस प्रकार मोटे अनाज उत्पादन को बढ़ावा देने के हमारे राष्ट्रीय संकल्प को दर्शाया गया है। यह प्रतिमा 180 डिग्री एंगल पर घूमती दिखाई देगी। इसके आसपास बांस की बनी विभिन्न टोकरियों में प्रदेश में पैदा होने वाला विभिन्न प्रकार का मोटा अनाज प्रदर्शित किया जायेगा। झाँकी के निचले और बाहरी हिस्से में स्टोन कार्विंग से निर्मित शिल्प एवं प्रदेश की समृद्ध गोंड जनजातीय महिला कलाकार चित्रकारी करती दिखाई देंगी। अंतिम भाग में मोटे अनाज से निर्मित महिलाओं के भित्ति चित्र को दर्शाया जायेगा।

लाल टिपारा गौ-शाला को प्रदेश की आदर्श गौशाला बनाया जाएगा - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ग्वालियर स्थित लाल टिपारा आदर्श गौ-शाला के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए

ग्वालियर, सनातन धर्म का आधार ही गौसेवा है। एक साथ सभी देवताओं की पूजा करना हो तो केवल गौमाता की पूजा करने से सभी देवता प्रसन्न हो जाते हैं। लाल टिपरा गौशाला इस बात का उदाहरण है कि जहां संतों का प्रताप होता है वहां काम पूरे हो जाते हैं। लाल टिपारा गौशाला को प्रदेश की आदर्श गौशाला बनाया जावेगा। साथ ही अन्य स्थानों पर ऐसी आदर्श गौशाला स्थापित करने के लिए कार्ययोजना बनाई जाएगी। आदर्श गौशाला के अध्ययन के लिए अन्य नगर निगम से दलों को भेजा जाएगा। वे बातें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ग्वालियर में लाल टिपारा आदर्श गौशाला का लोकार्पण करते हुए कहीं। उन्होंने लाल टिपारा गौशाला के लिये पांच करोड़ रुपये देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में जो भी व्यक्ति अपने घर में गौपालन कर रहा है वे सभी गोपाल हैं। भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के बाद यशोदा मां के आंगन में गाय के दूध, दही, माखन से ही उनका लालन-पालन हुआ था। गौ माता में हमारे 33 करोड़ देवी देवता भी विराजमान हैं।

- गौ-शाला में 31 करोड़ रुपये की लागत से बनेगा सीएनजी प्लांट।
- प्लांट में उत्पादित सीएनजी से चलेंगे नगर निगम के वाहन।
- इस हरित प्रोजेक्ट से पर्यावरण संरक्षण के साथ अर्थव्यवस्था को मिलेगा बल।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन एवं इस्पात मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि उनके भवन में भी 100 से अधिक गाय हैं और यह राजमाता के समय से परंपरा चली आ रही है। लाल टिपारा स्थित गौशाला को व्यवस्थित बनाने के लिए ग्वालियर के सभी लोगों ने योगदान दिया है।

केंद्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने कहा की हिंदू धर्म में मान्यता है कि गौ माता के खुर की धूल माथे पर लगाने से जीवन के सभी पाप धुल जाते हैं। महात्मा गांधी ने कहा था कि भारत की आत्मा गांव में बसती है और गांव की आत्मा गाय में बसती है। भारत भूमि की संस्कृति का अभिन्न अंग गाय है इस धरोहर को पीढ़ी दर पीढ़ी हमें संभालना है।

विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा की लाल टिपारा गौशाला सेवा में 2004 से जुड़े हुए हैं और लगातार यह प्रयास है कि गौशाला को व्यवस्थित बनाया जाए जिससे गौ माता का संरक्षण संवर्धन हो सके। इस गौशाला को पूरे विश्व में स्थान मिलेगा। सीएनजी प्लांट लगने के बाद इसको पूरे देश के लोग देखने आएंगे।

इंडियन आयल के 31 करोड़ के सीएसआर फंड से गोबर गैस प्लांट लगाया जा रहा है जिसमें 100 टन गोबर और अवशिष्ट से 7 करोड़ की सीएनजी गैस का उत्पादन होगा। हरित प्रोजेक्ट से पर्यावरण को भी लाभ होगा गायों का संरक्षण होने के साथ अर्थव्यवस्था में भी सुधार होगा।

संत श्री अच्युतानंद महाराज ने कहा कि गाय हमारी भारतीय संस्कृति का आधार स्तंभ है। आदिकाल से ही गायों का महत्व हमारे जीवन में रहा है।

साइबर सुरक्षा के लिये प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाये

भोपाल, अपर मुख्य सचिव गृह डॉ. राजेश राजौरा ने कहा कि साइबर सुरक्षा की जिम्मेदारी सरकार की प्राथमिकता है। इसमें कोई भी लापरवाही न की जाये। साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए पुख्ता तैयारी की जाये। इस संबंध में अधिकारियों कर्मचारियों को प्रशिक्षण देकर जन-जागरूकता कार्यक्रम भी चलाया जाये। प्रदेश के अधिकारियों को अन्य राज्यों में साइबर सुरक्षा के संबंध में किये गये उल्लेखनीय कार्यों का अध्ययन करने भेजा जाये। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, स्टेट क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो, पुलिस एवं एनआईसी ने साइबर सुरक्षा पर अपना प्रजेन्टेशन दिया।

वन एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए करेंगे बेहतर कार्य

भोपाल, वन, पर्यावरण और अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री श्री नागर सिंह चौहान ने तुलसी नगर स्थित वन भवन में अधिकारियों की बैठक में कहा कि वन और पर्यावरण संरक्षण में सभी के सहयोग से बेहतर कार्य कर वन विभाग को प्रदेश में एक मॉडल के रूप में पहचान दिलाएंगे।

वन मंत्री ने वन अधिकारियों को उनके अधिकार क्षेत्र के प्रकरणों में तत्परता से कार्रवाई करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के बाद आदिवासियों को आवास उपलब्ध होने से वनवासियों में बदलावा आया है। श्री चौहान ने कहा कि वन विभाग में वानिकी की गतिविधियों के मामले में प्रदेश अग्रणी राज्य है।

मैनिट और आईआईटी में पढ़ेंगे

इंजीनियरिंग महाविद्यालयों के मेधावी विद्यार्थी

भोपाल, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन के परिप्रेक्ष्य में प्रदेश के बच्चों को बेहतर परिवेश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्ति के लिए नए अवसर देने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। संस्थान परस्पर ज्ञान एवं संसाधनों का उपयोग कर सकें, ऐसे नवाचार किए जा रहे हैं। इस अनुक्रम में एक संस्थान से दूसरे संस्थान में क्रेडिट ट्रांसफर के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान किए जाने का यह नवाचार प्रादेशिक शिक्षा में नवीन आयाम स्थापित करेगा। प्रदेश के शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालयों के अंतिम वर्ष में अध्ययनरत मेधावी विद्यार्थियों को मैनिट और आईआईटी जैसे उत्कृष्ट इंजीनियरिंग संस्थानों में पढ़ने का अवसर मिलेगा। ये बातें उच्च शिक्षा, आयुष एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने भोपाल स्थित मंत्रालय में तकनीकी शिक्षा विभाग एवं मैनिट भोपाल के मध्य समझौता ज्ञापन (एमओयू) संपादन कार्यक्रम के अवसर पर कहीं।

श्री परमार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप आवश्यक नवाचारों के माध्यम से प्रदेश को तकनीकी शिक्षा में उत्कृष्ट बनायेंगे। उन्होंने तकनीकी शिक्षा में इस नवाचार के लिए दोनों पक्षों को बधाई एवं छात्राओं को शुभकामनाएं दीं।

प्रदेश के इंजीनियरिंग महाविद्यालयों में अध्ययनरत बीई, बीटेक, बीआर्क पाठ्यक्रमों की मेधावी 50 छात्राओं का अंतिम वर्ष का अध्ययन मौलाना आजाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (मैनिट) भोपाल से कराये जाने के संबंध में आज तकनीकी शिक्षा, उच्च शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार की उपस्थिति में मंत्रालय के सभा कक्ष में तकनीकी शिक्षा, कौशल एवं रोजगार विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री मनु श्रीवास्तव एवं मैनिट, भोपाल के निदेशक श्री करुणेश कुमार शुक्ल के मध्य समझौता ज्ञापन (एमओयू) निष्पादित किया गया।

इस अवसर पर आरजीपीवी विश्विद्यालय के कुलपति डॉ. सुनील गुप्ता सहित विभागीय अधिकारीगण एवं लाभान्वित छात्राएं उपस्थित थीं।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में अपेक्स कमेटी का गठन

भोपाल, राज्य शासन द्वारा विशेष पिछड़ी जनजाति समुदायों के लिए लागू की गई प्रधानमंत्री जन-मन योजना/मिशन के अन्तर्गत संबंधित विकास विभागों द्वारा कार्य योजना तैयार करने, योजना का सुचारु क्रियान्वयन, समन्वय, अभिसरण एवं अनुश्रवण करने के लिये अपेक्स कमेटी का गठन मुख्य सचिव की अध्यक्षता में किया गया है। समिति में अपर मुख्य सचिव, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, वन एवं प्रमुख सचिव, स्कूल शिक्षा, ऊर्जा, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, महिला एवं बाल विकास, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा सदस्य होंगे।

आगामी 5 वर्षों में

मध्यप्रदेश में बनेंगी एक लाख किलोमीटर सड़कें

लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह भोपाल में विभागीय समीक्षा करते हुए

भोपाल, मध्यप्रदेश अधोसंरचना विकास के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छूएगा। अधिकारी सकारात्मक सोच के साथ प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करें। कार्यों के लिए समयबद्ध कार्ययोजना बनाएं और समय-सीमा में उन्हें पूर्ण करें। गुणवत्ता के लिए क्वालिटी ऑडिट किया जाए और टाइमलाइन का पूरा ध्यान रखा जाए। बड़ी योजनाओं की मॉनिटरिंग के लिए पृथक सैल गठित की जाए। योजनाएं विधानसभावार बनाई जाएं इसके लिए और विषय विशेषज्ञों की राय ली जाए। कार्यों में पारदर्शिता हो और जनता को इनकी पूरी जानकारी हो। ये बातें लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने भोपाल स्थित मंत्रालय में लोक निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक में कहीं।

बैठक में बताया गया कि आगामी 5 वर्षों में मध्यप्रदेश में राज्य कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए एक लाख किलोमीटर सड़क बनाई जाएगी। इसके साथ ही दस हजार करोड़ रुपये के निवेश से रोड मेंटेनेंस एंड डेवलपमेंट प्रोग्राम शुरू किया जाएगा। प्रदेश में 500 फ्लाईओवर एवं रेल ओवर ब्रिज का नेटवर्क विकसित किया जाएगा। वहीं सभी राष्ट्रीय राजमार्गों और प्रमुख राज्य मार्गों को अपग्रेड किया जाएगा। प्रदेश में 6 एक्सप्रेस वे बनाए जाएंगे।

भोपाल में वीआईपी रोड के समानांतर 8 लाइन एलिवेटेड लेक कॉरिडोर बनाया जाएगा। साथ ही पश्चिमी भोपाल बाईपास का निर्माण किया जाएगा।

रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम

सस्ती विमान सेवाएं देने के प्रयास

भोपाल, मध्यप्रदेश के नागरिकों को सस्ती विमान सेवाएं उपलब्ध कराने के मकसद से रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम संचालित की जा रही है। इससे प्रदेश में पर्यटन और औद्योगिक गतिविधियों सहित रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। स्कीम के तहत उड़ाने संचालित करने वाली इच्छुक निजी वैमानिक संस्थाओं को 20 प्रतिशत राशि वाइबिलिटी गेप फण्डिंग (वीजीएफ) के रूप में दी जा रही है।

भारत सरकार की रीजनल कनेक्टिविटी योजना में ग्वालियर से बेंगलुरु, कोलकाता, जम्मू तथा हैदराबाद रूट पर विमान सेवा संचालित हो रही हैं। इसके साथ ही बिलासपुर रूट पर भी हवाई सेवा संचालित हो रही हैं। राज्य सरकार देश के अन्य स्थानों को भी वायु सेवा से जोड़ने के लगातार प्रयास कर रही है।

हवाई पट्टियों का पॉयलट प्रशिक्षण में हो रहा उपयोग

प्रदेश में स्थित शासकीय हवाई पट्टियों को पॉयलट प्रशिक्षण, एयरो-स्पोर्ट्स तथा अन्य उड़डयन गतिविधियों के लिये भी उपयोग किया जा रहा है। प्रदेश की रीवा, रतलाम, मंदसौर, छिंदवाड़ा, उमरिया, बालाघाट, सागर, गुना और सिवनी स्थित हवाई पट्टियां निर्धारित शुल्क पर आवेदित की गई हैं। साथ ही प्रदेश में एयरक्राफ्ट रिसाइक्लिंग और हेलीकॉप्टर अकादमी की सुविधाएं विकसित करने के प्रयास किये जा रहे हैं। इन गतिविधियों से राज्य सरकार के राजस्व में वृद्धि होगी।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

इमैनुएल मैक्रों

गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि होंगे

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों 26 जनवरी, 2024 को गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों 75वें गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में भारत आएंगे। मंत्रालय के अनुसार रणनीतिक साझेदार के रूप में भारत और फ्रांस कई क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर उच्च स्तर की समानता साझा करते हैं। इस वर्ष हम भारत और फ्रांस रणनीति साझेदारी की 25वीं वर्षगांठ मना रहे हैं।

मेगालोडोन शार्क का

35 लाख साल पुराना दांत मिला

वैज्ञानिकों ने विलुप्त मेगालोडोन शार्क के प्राकृतिक आवास में संरक्षित इसके दांत की खोज की है। अमेरिका के ब्योमिंग विश्वविद्यालय के जीवाश्म विज्ञानिकों को हवाई के पास उत्तरी प्रशांत क्षेत्र में लगभग 10,000 फीट नीचे एक समुद्री पर्वत पर 35 लाख साल पुराना दांत मिला है। 3 इंच लंबा यह दांत समुद्री गहराई में पाया जाने वाला पहला दांत है। इसके अंदर की इनेमल लेयर और स्पंजी पल्प बरकरार है। कहा जाता है कि शार्क अपने जीवनकाल में बहुत सारे दांत खो देती है।

रूडी जुलियानी

न्यूयॉर्क के पूर्व महापौर हुए दिवालिया

न्यूयॉर्क के पूर्व महापौर और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी रूडी जुलियानी ने न्यूयॉर्क के सदर्न डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में दिवालिया होने का दावा करते हुए आवेदन किया है। रूडी जुलियानी का यह कदम उन पर 14 करोड़ डॉलर का जुर्माना लगने के तुरंत बाद सामने आया है। अपने आवेदन में जुलियानी ने बताया है कि उनके ऊपर संपत्ति के मुकाबले काफी कर्ज है।

ईरानी नौसेना में

नई स्वदेशी मिसाइल प्रणाली शामिल

ईरानी नौसेना ने दक्षिणपूर्वी प्रांत सिस्तान और बलूचिस्तान में आयोजित एक समारोह में क्रूज मिसाइल प्रणाली और हेलीकॉप्टर सहित नए घरेलू हथियारों की आपूर्ति प्राप्त की। रिपोर्ट के मुताबिक कोनारक काउंटी में आयोजित समारोह में सेना के कमांडर अब्दोलरहीम मौसवी, नौसेना कमांडर शाहराम ईरानी और अन्य वरिष्ठ सैन्य अधिकारी शामिल हुए। हथियारों और उपकरणों में तलाइह और नासिरक्रूज मिसाइल प्रणाली, घरेलू इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियों से लैस और टोही अभियानों में सक्षम हेलीकॉप्टर और वाहक - लॉन्च कामिकाजी ड्रोन शामिल हैं।

तारा मूरे

टेनिस खिलाड़ी पर लगा प्रतिबंध हटा

ब्रिटेन की पूर्व नंबर वन युगल खिलाड़ी तारा मूरे पर लगा प्रतिबंध हटा लिया गया है। दरअसल डोपिंग इंटरनेशनल टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी ने उन्हें डोपिंग मुक्त करार दिया है। एक स्वतंत्र ट्रिब्यूनल ने पाया कि मूरे ने कोई लापरवाही नहीं की थी और उन्होंने जानबूझकर प्रतिबंधित पदार्थ का सेवन नहीं किया था। तारा पर अस्थायी प्रतिबंध लगा था जो लंबी कार्यवाही के बाद हटा दिया गया।

विश्व-भारती विश्वविद्यालय ने

बैक्टीरिया को रवींद्रनाथ टैगोर नाम दिया

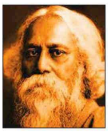

विश्व-भारती विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के शोधार्थियों ने एक ऐसे बैक्टीरिया की खोज की है जो पौधों के विकास को बढ़ावा देने में सक्षम है और इसका नाम नोबेल पुरस्कार से सम्मानित रवींद्रनाथ टैगोर के नाम पर पेंटोइया टैगोरी रखा गया है। विश्वविद्यालय के वनस्पति विभाग के सहायक प्रोफेसर और माइक्रोबायोलॉजिस्ट बोम्बा दाम ने कहा है कि बैक्टीरिया में कृषि पद्धतियों में क्रांति लाने की अपार क्षमता है। यह पौधों के विकास को बढ़ावा देने वाला बैक्टीरिया है जो धान, मटर और मिर्च की खेती को बढ़ावा देने में मदद करेगा।

सवेरा प्रकाश

पाकिस्तान के आम चुनाव में हिंदू महिला प्रत्याशी बनीं

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पहली बार एक हिंदू महिला सवेरा प्रकाश बुनेर जिले से आम चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बुनेर जिले से हिंदू महिला ने अपना नामांकन भरा है। पाकिस्तान में 16वीं नेशनल असेंबली के लिए 8 फरवरी 2024 को आम चुनाव होने जा रहा है।

अर्जेंटीना

राष्ट्रपति ने 5 हजार सरकारी कर्मचारियों को निकाला

अर्जेंटीना के नए राष्ट्रपति जेवियर माइली की सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। राष्ट्रपति का पदभार संभालने वाले जेवियर के प्रशासन ने इस साल नियुक्त किए गए 5 हजार से अधिक कर्मचारियों के अनुबंध को समाप्त कर दिया। माइली प्रशासन ने कहा कि उनका यह कदम आर्थिक संकट के दौर से गुजर रही देश की अर्थव्यवस्था को बदलने की दिशा में उठाया गया कदम है।

आईपीएस नीना सिंह

सीआईएसएफ की पहली महिला डीजी बनीं

केंद्र सरकार ने 1989 बैच की आईपीस अफसर नीना सिंह को सीआईएसएफ का डीजी बनाया है। वे इस पद पर पहुंचने वाली पहली महिला अधिकारी हैं। राजस्थान कैडर की नीना सिंह सीआईएसएफ की स्पेशल डीजी थीं। नीना सिंह लेखक, शोध के कार्य से भी जुड़ी रही हैं। उन्होंने अर्थशास्त्र में नोबल पुरस्कार प्राप्त विजेताओं अभिजीत बनर्जी और एस्थर डुफ्लो के साथ शोधपत्रों का सह-लेखन भी किया है।

इलेक्ट्रॉनिक मिट्टी

स्वीडन में हो रही तैयार

स्वीडन के वैज्ञानिकों ने विद्युत प्रवाहकीय (इलेक्ट्रिकली कंडक्टिव) ऐसी मिट्टी विकसित की है, जो प्राकृतिक मिट्टी से ज्यादा उपजाऊ है। उनका दावा है कि इस मिट्टी में जौ के पौधे 15 दिन में 50 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ सकते हैं। खेती की इस विधि को 'हाइड्रोपोनिक्स' के तौर पर जाना जाता है। स्वीडन की लिंकोपिंग यूनिवर्सिटी के एसोसिएट प्रोफेसर एलेनी स्तापरिनिडे, के नेतृत्व में वैज्ञानिकों की टीम ने हाइड्रोफोनिक्स पर शोध किया। शोध के मुताबिक हाइड्रोफोनिक्स की मदद से शहरों के बहुत नियंत्रित परिवेश में भी फसल उगाई जा सकती है। टीम ने जो विद्युत प्रवाहकीय खेती सब्सट्रेट विकसित किया, उसे ई-सॉइल नाम दिया है।

जॉर्ज फोसाती

पेरु फुटबॉल टीम के मुख्य कोच बने

पेरु फुटबॉल फेडरेशन (एफपीएफ) ने उरुग्वे के मैनेजर जॉर्ज फोसाती की राष्ट्रीय टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। फोसाती का कार्यकाल 2026 फीफा विश्वकप तक होगा। 71 वर्षीय फोसाती ने जुआन रेनोसो की जगह ली है। पूर्व गोलकीपर फोसाती ने तीन उरुग्वे कैप अर्जित किए हैं। उन्होंने 30 से अधिक वर्षों के कोचिंग कैरियर में उरुग्वे और कतर की राष्ट्रीय टीमों के प्रभारी के रूप में काम किया है।

समृद्धि

7 वर्ष की उम्र में 2 बार नेशनल चैंपियन

उत्तरप्रदेश के ग्रेटर नोएडा की रहने वाली समृद्धि 7 साल की उम्र में स्केटिंग में दूसरी बार नेशनल चैंपियन बनीं उन्होंने अब तक 32 गोल्ड मेडल जीते हैं। जब वह 2 साल की थीं तब से वह स्केटिंग की प्रैक्टिस कर रहीं हैं। समृद्धि इसके अलावा नृत्य, चित्रकला और लेखन में भी पारंगत हैं। वे दुनिया की सर्वोत्तम खेल प्रतियोगिताओं में स्केटिंग के जरिए भारत की ओर से भाग लेना चाहती हैं।

भारतीय नौसेना

अधिकारियों के कंधे पर लगने वाले बैज बदले

भारतीय नौसेना के अधिकारियों के एपॉलेट्स (अधिकारियों के कंधों पर लगने वाला बैज) बदल दिया गया है। यह बैज शिवाजी महाराज की नौसेना के एनसाइन और राजमुद्रा से प्रेरित हैं। यह बदलाव एडमिरल, वाइस एडमिरल और रिअर एडमिरल रैंक के अधिकारियों के बैज पर दिखेंगे। माना जा रहा है कि नए एपॉलेट्स में मराठा शासक की राजमुद्रा को लाना गुलामी की मानसिकता से बाहर आना है। बता दें कि पहले बैज पर ब्रिटिश रॉयल नेवी के फ्लैग आफिसर की रिंग थी।

मिकाएला शिफरिन

स्कीइंग में 92वीं वर्ल्डकप जीत

अमेरिका की स्कीयर मिकाएला शिफरिन ने ऑस्ट्रिया में महिला वर्ल्डकप में जाएंट स्लेलम इवेंट जीता। यह उनके कैरियर की वर्ल्डकप में 92वीं जीत है। 28 साल की शिफरिन ने सीजन में पहली बार जाएंट स्लेलम इवेंट जीता। इटली की फेडेरिका ब्रिगनन दूसरे और जाएंट स्लेलम की ओलंपिक चैंपियन सारा हेक्टर (स्वीडन) तीसरे नंबर पर रहीं।

स्मृति शेष

सुविख्यात फुटबॉलर प्रबीर मजूमदार का निधन

विख्यात फुटबॉलर प्रबीर मजूमदार का 77 वर्ष की उम्र में कोलकाता में निधन हो गया। ईस्ट बंगाल क्लब से 70 के दशक में जुड़कर प्रबीर ने 1972 और 1973 में लेफ्ट बैक के तौर पर खेल कर अपनी पहचान बना ली थी। सत्तर के दशक को बंगाली फुटबॉल में ईस्ट बंगाल क्लब का स्वर्णयुग कहा जाता है।

मशहूर कवि और चित्रकार इमरोज का निधन

मशहूर कवि और चित्रकार इंद्रजीत सिंह उर्फ इमरोज का 97 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। इमरोज मशहूर लेखिका और कवित्री अमृता प्रीतम के साथ तकरीबन 40 वर्ष तक रहे। उनका जन्म 26 जनवरी, 1926 को अविभाजित पंजाब के लायलपुर में हुआ था।

स्टंट मास्टर जॉली बास्टियन का निधन

साउथ सिनेमा के दिग्गज स्टंट मास्टर जॉली बास्टियन का 57 वर्ष की उम्र में हृदयाघात से निधन हो गया। जॉली ने 900 से अधिक कन्नड़, तमिल, तेलुगु और मलयालम फिल्मों में काम किया।

पुराने जमाने के अभिनेता साजिद का निधन

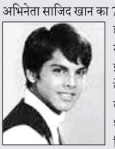

अभिनेता साजिद खान का 70 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने मेहबूब खान की फिल्म मदर इंडिया में सुनील दत्त के किरदार बिरजू के बचपन का रोल निभाया था। उन्होंने माया, द सिंगिंग फिलीपीना जैसी फिल्मों में अभिनय किया था।

जापान की सबसे बुजुर्ग महिला फुसा का निधन

दुनिया की दूसरी और जापान की सबसे बुजुर्ग महिला फुसा तत्सुमी का 116 वर्ष की आयु में काशिवारा चिकित्सा केंद्र में निधन हो गया। उन्होंने निधन के कुछ घंटे पहले अपनी पसंदीदा बीन पेस्ट जेली खायी थी। तत्सुमी को पिछले साल 119 वर्षीय केन तनाका के निधन के बाद दुनिया का सबसे बुजुर्ग व्यक्ति बताया गया था।

मशहूर कॉमेडियन नील नंदा का निधन

कॉमेडियन नील नंदा का 32 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। नील भारतीय मूल के थे जो लॉस एंजिल्स में रहते थे। वे बचपन से ही कॉमेडी करते थे और इसी को उन्होंने पेशा बना लिया था।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

भारतीय विज्ञान संस्थान

पद का नाम – उप रजिस्ट्रार
पदों की संख्या - 01
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 12 जनवरी 2024
वेबसाइट – https://iisc.ac.in

संघ लोक सेवा आयोग

पद का नाम – स्पेशलिस्ट ग्रेड III (एनेस्थिसियोलॉजी, फॉरेंसिक मेडिसिन, माइक्रोबायोलॉजी, पैथोलॉजी, प्लास्टिक सर्जरी और पुनर्निर्माण सर्जरी)
पदों की संख्या - 78
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 11 जनवरी 2024
वेबसाइट – https://upsc.gov.in/

राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं समुद्री अनुसंधान केंद्र

पद का नाम – वरिष्ठ प्रबंधक
पदों की संख्या - 01
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 17 जनवरी 2024
वेबसाइट – www.ncpor.res.in

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद

पद का नाम - अनुभाग अधिकारी (सामान्य/वित्त एवं लेखा/भंडार एवं क्रय), सहायक अनुभाग अधिकारी (सामान्य/वित्त एवं लेखा/भंडार एवं क्रय)
पदों की संख्या - 444
योग्यता – पदानुसार
अंतिम तिथि - 12 जनवरी 2024
वेबसाइट – https://www.csir.res.in

भारत पर्यटन विकास निगम लिमिटेड

पद का नाम – बिक्री सहायक, कनिष्ठ सहायक (लेखा)
पदों की संख्या - 09
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 11 जनवरी 2024
वेबसाइट – www.itdc.co.in

आर्मर्ड व्हीकल निगम लिमिटेड

पद का नाम – सलाहकार (एचआर), प्रबंधक (एचआर - सीएसआर), प्रबंधक (संपदा विकास), वरिष्ठ कटेंट लेखक, प्रबंधक (आईटी-एचआरएमएस-कम्प्यूटर एप्लीकेशन), सिस्टम प्रशासक (लिनक्स), परियोजना प्रबंधन के लिए ईआरपी कंसल्टेंट, आधार संरचना प्रबंधन के लिए ईआरपी तकनीकी सलाहकार, प्रबंधक (आईटी), सलाहकार (कॉस्ट अकाउंटिंग, साइबर सुरक्षा), कार्यपालक (सिविल, इलेक्ट्रिकल, विपणन प्रबंधन, व्यवसाय रणनीति) (संविदा आधार पर)
पदों की संख्या - 22
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 12 जनवरी 2024
वेबसाइट – https://ddpdoo.gov.in

भारतीय विमानपत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण

पद का नाम - वरिष्ठ सलाहकार, सलाहकार (टैरिफ, विधिक)
पदों की संख्या - 07
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 12 जनवरी 2024
वेबसाइट - www.aera.gov.in

एडमिशन अलर्ट

राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र

पाठ्यक्रम का नाम - पीएच.डी. और एम.एससी (तंत्रिका विज्ञान)
योग्यता - पाठ्यक्रमानुसार
अंतिम तिथि - 31 मार्च 2024
वेबसाइट - http://www.nbrc.ac.in/newweb/

स्कॉलरशिप अलर्ट

निकॉन स्कॉलरशिप प्रोग्राम 2023-24

किनके लिए - समाज के वंचित वर्गों के विद्यार्थियों के लिए जो फोटोग्राफी से संबंधित पढ़ाई कर अपना पसंदीदा कॅरियर चुनना चाहते हैं।
योग्यता - 12वीं पास करने के बाद फोटोग्राफी से संबंधित तीन महीने का कोर्स कर रहे अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। वार्षिक पारिवारिक आय 6 लाख रुपये से अधिक न हो।
क्या मिलेगा - चयनित उम्मीदवारों को एक लाख रुपये तक की स्कॉलरशिप
अंतिम तिथि - 15 जनवरी 2024
वेबसाइट - www.b4s.in/dbl1/NSP10

टेक्निप एनर्जीज इंडिया स्कॉलरशिप

किनके लिए - विज्ञान, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और गणित की पढ़ाई कर रही छात्राओं के लिए
योग्यता - बीई-बीटेक के पहले वर्ष में पढ़ाई कर रही छात्राएं आवेदन कर सकती हैं। कक्षा 12वीं में न्यूनतम 70 प्रतिशत अंक प्राप्त हों। वार्षिक पारिवारिक आय 4 लाख रुपये से अधिक न हो।
क्या मिलेगा - चयनित छात्राओं को शैक्षणिक खर्चों को कवर करने के लिए 30 हजार रुपये।
अंतिम तिथि - 15 जनवरी 2024
वेबसाइट - http://tinyurl.com/tech-nip-energies-india

एचडीएफसी बैंक परिवर्तन ईसीएसएस प्रोग्राम

किनके लिए - ऐसे छात्र जो कक्षा 1 से 12 और डिप्लोमा, आईटीआई, पॉलिटेक्निक, यूजी और पीजी कार्यक्रम की पढ़ाई कर रहे हैं।
योग्यता - पिछली परीक्षा में न्यूनतम 55 प्रतिशत अंक हों। आवेदक की वार्षिक पारिवारिक आय 2.5 लाख से अधिक न हो।
क्या मिलेगा - चयनित विद्यार्थियों को कक्षा और कोर्स के हिसाब से 15 हजार से 75 हजार रुपये तक की सहायता दी जाएगी।
अंतिम तिथि - 15 जनवरी 2024
वेबसाइट - http://tinyurl.com/hdfc-parivartans

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित)

विकसित भारत के लिये प्रधानमंत्री का मंत्र - "ज्ञान का सम्मान"

भारतीय स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में अग्रणी बनाने के लिये प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एक मंत्र दिया है। वह है "ज्ञान का सम्मान" मोदी जी का यह मंत्र बहुअर्थी है। ज्ञान के सामान्य अर्थ के अतिरिक्त "gyan" अर्थात g से गरीब, y से युवा, a से अन्नदाता और n से नारी भी है। इन चार वर्ग समूहों को प्राथमिकता देकर ही भारत विकास का आसमान छू सकता है।

अपना पदभार संभालते ही प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में अग्रिम बनाने का अभियान पहले दिन से छेड़ा है। इसकी झलक उनके हर भाषण और हर निर्णय में है। उन्होंने इस दिशा में एक क्रमबद्ध काम किया। और आधारभूत प्राथमिकताओं को सशक्त और सक्रिय बनाने का अभियान चलाया। यह उचित भी था। यदि आधार कमजोर होगा तो भवन कभी भी दीर्घकालिक नहीं रह सकता। वे संस्कृतियां विलुप्त हो गईं जिनके संस्कारों की जड़ें गहरी न थीं और वे राष्ट्र विखंडित हो गये जिनकी प्रगति का आधार मजबूत न था। यदि विपरीत परिस्थितियों और विषमताओं से भरे अंधड़ के बीच भी यदि आज भारत अपने स्वाभिमान के साथ विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में अग्रणी होने की स्पर्धा में आगे बढ़ रहा है तो इसके पीछे भारत का अपना वैचारिक और संकल्पवान आधार ही है। मोदी जी ने इसी दिशा में अपना काम आगे बढ़ाया। उन्होंने यदि संस्कृति, संस्कार और परंपराओं पर गर्व करने का आह्वान किया तो विकास की स्पर्धा में अग्रणी होने के लिये स्वस्थ, सबल और चिंता मुक्त जीवन बनाने की दिशा में काम किया। इसलिये अपने पहले चरण में स्वच्छता, स्वास्थ्य, कौशल विकास, आवास, हर घर नल और गैस कनेक्शन पहुंचाने जैसी योजनाएं लागू कीं। ताकि समाज अपनी आधारभूत चिंताओं से मुक्त होकर भारत को विकसित बनाने के लिये मानसिक रूप से तैयार हो और दूसरे चरण में गरीब, युवा, किसान और महिलाओं के सशक्तिकरण का आह्वान किया है। उन्होंने अपने संबोधनों में दोहराया कि जातियां कुल चार होती हैं। इनमें हैं गरीब, युवा, किसान और महिला। उनकी अधिकांश योजनाओं में इन चार वर्ग समूहों के विकास और कल्याण कार्य की प्राथमिकता रही है। निसंदेह व्यक्ति की सबसे बड़ी मजबूरी अभाव और गरीबी होती है। नब्बे प्रतिशत लोगों की प्रतिभा, दक्षता, क्षमता, कौशल और स्वाभिमान को यह गरीबी मार देती है। एक गरीब का पूरा जीवन केवल रोटी, रोज़गार की जुगाड़ करने में निकल जाता है। राजनीति, मीडिया और सरकारी दस्तावेजों में जातियों की विविधता हो। भले सबको उनके जन्म के आधार की जाति में विभाजित करके योजनाएं बनतीं हों पर वास्तव में गरीब की केवल एक ही जाति होती है वह है गरीबी। इसे समझने के लिये हम किसी भी नगर की गरीब बस्ती में झाँककर देख सकते हैं। वहां न क्षेत्र का भेद है न भाषा का। न रंग का भेद है न जन्म जाति का। सब मिल-जुलकर रहते हैं और एक दूसरे के गम और खुशी दोनों में सहभागी होते हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इसी ओर इशारा किया और सबको एक वर्ग मानकर विकास का आह्वान किया। उन्होंने जाति की श्रेणी में दूसरे क्रम पर युवा को लिया है। श्री नरेन्द्र मोदी ने युवाओं से दो प्रकार का आह्वान किया। एक अनुशासन, शीलता और सकारात्मकता का एवं दूसरा

कौशल, क्षमता और प्रतिभा के विकास का। युवाओं में असीम कार्य क्षमता होती है। किसी भी राष्ट्र और समाज के उत्थान में युवा शक्ति की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। लेकिन, आवश्यक है कि युवा शक्ति सकारात्मक और प्रगतिशील हो। किसी ने कहा है- 'जवानी में जमाने को बदलने की ताकत होती है लेकिन शौर्य को शराफत के दायरे में होना चाहिए'। युवाओं की ऊर्जा सकारात्मक भाव से ही राष्ट्र की सुरक्षा, समृद्धि, औद्योगिक, तकनीकि विकास, शोध अनुसंधान का आधार होती है। ये कार्य युवाओं की श्रम साधना और कौशल से ही संभव होते हैं। इसलिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इस पूरे समूह को एक वर्ग माना और समुचित प्रोत्साहन की आवश्यकता बताई। प्रधानमंत्री जी ने युवाओं से अपने कौशल का विकास करके 'लोकल फार वोकल' का आह्वान किया ताकि भविष्य का भारत आने वाली चुनौतियों का सामना कर सके। अपने लोकल उत्पादन का सम्मान करें ताकि भारत एक आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़े।

उन्होंने विकसित भारत के लिये तीसरी जाति किसान को माना। हल या ट्रेक्टर चलाता हुआ या अपनी फसल बेचने के लिये किसी मंडी में आये हुए सभी किसानों का एक ही समूह होता है, एक ही जाति होती है। भला उस समूह में कोई इस रूप में भेद कर सकता है कि किसने किस घर में जन्म लिया। सभी किसानों की समस्या एक होती है, कार्य एक होता है। उन सबकी खुशी का केवल एक आधार होता है, अच्छी फसल। इसलिये, इस पूरे किसान वर्ग समूह को एक जाति ही मानना चाहिए। वह किसान ही है जो अन्न, फल, सब्जी पैदा करता है। पशुपालन से दूध पैदा करता है। ये जीवन की आधारभूत आवश्यकताएं हैं। जिनके लिये चींटी से लेकर हाथी तक सभी प्राणी संघर्ष करते हैं। यदि किसान परिश्रमी है, सक्षम है, समृद्ध है और समुन्नत है तो भला किसी देश में अन्नादि की किल्लत कैसे हो सकती है। कृषि उत्पादन किसी भी देश की समृद्धि और अर्थव्यवस्था का आधार होती है। यदि अन्नोत्पादन देश की आंतरिक आवश्यकता से अधिक है तो उसका निर्यात करके विदेशी मुद्रा भी अर्जित की जा सकती है। कुछ वस्तुएं हैं जिनका आयात अनिवार्य है जैसे पेट्रोल, डीजल, गैस आदि। इन पर विदेशी मुद्रा व्यय होती है। लेकिन भारत शिल्प और खाद्यान्न उत्पाद को निर्यात करके विदेशी मुद्रा भंडार समृद्ध कर सकता है। इसलिए प्रधानमंत्री जी ने पूरे किसान समाज को एक जाति माना, सबके संयुक्त एवं समन्वित विकास पर जोर दिया और योजनाएं बनाई।

प्रधानमंत्री जी ने जाति के रूप में चौथा समूह महिलाओं का माना

महिला किसी परिवार या समाज की ही नहीं राष्ट्र की भी रीढ़ होती है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अमृत काल में देश की प्रगति में नारी शक्ति का योगदान कई गुना महसूस किया। उनका मानना है कि हम जितने ज्यादा अवसर बहन बेटियों को देंगे, सुविधाएं देंगे तो वे उससे कई गुना लौटा कर देंगी। महिला शक्ति से देश नई ऊंचाई पर पहुंच सकता है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। समय के साथ शिक्षा, तकनीक और अन्य सभी क्षेत्र में उनकी भूमिका बढ़ रही है। भारतीय जीवनशैली में महिलाओं की भूमिका सदैव अग्रणी रही किन्तु मध्यकाल में हुए विदेशी आक्रमण और उनके शासनकाल में अनेक कुरीतियां व विकृतियां पैदा हुईं, जिससे महिलाओं का उत्पीड़न हुआ और भारत के विकास में महिलाओं की भूमिका पिछड़ी जिसका प्रभाव भारत के पूरे समाज जीवन पर पड़ा। इसी को अनुभव किया प्रधानमंत्री जी ने और उन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं कौशल विकास के माध्यम से महिलाओं को प्रोत्साहित करने का आह्वान किया जिससे महिलाओं की भूमिका न केवल परिवार और समाज के विकास में अग्रणी रहे अपितु विकसित भारत अभियान में भी महिलाओं का योगदान अग्रणी रहे। इसीलिए, मोदी जी की योजनाओं में उज्ज्वला योजना के माध्यम से गैस कनेक्शन, आवास जैसी सुविधा योजना लागू हुई तो सम्मान रक्षा के लिये हर घर शौचालय योजना का क्रियान्वयन कर एक अभियान चलाया गया। अब कृषि प्रसंस्करण उद्योगों, बैंकिंग सेवाओं और डिजिटलीकरण की सहायता से भी महिलाओं के सामाजिक और वित्तीय सशक्तिकरण के लिए अभियान आरंभ हुआ है। मोदी जी ने जब महिलाओं के विकास और सम्मान की बात की तब अपनी एक पीड़ा भी जाहिर की। उनकी पीड़ा उस मानसिकता के प्रति थी जिससे बोल चाल और शब्दों में नारी का अपमान होता है। प्रधानमंत्री जी ने यह आह्वान भी किया कि स्वभाव से और संस्कार से रोजमर्रा की जिंदगी में नारी को अपमानित करने वाली हर बात से मुक्ति का संकल्प लिया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी आशा व्यक्त की कि नारी का गौरव राष्ट्र के सपने पूरे करने में बहुत बड़ी पूंजी बनने वाला है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इन चार समूह गरीब, युवा, किसान और महिला को पहले चार जातियों के रूप में कहा था। अब इससे एक कदम आगे उन्होंने एक शब्द 'ज्ञान' से संबोधित किया। विकसित भारत के लिये 'ज्ञान का सम्मान' मंत्र दिया। प्रधानमंत्री के इस ज्ञान का सम्मान मंत्र के दो संदेश हैं। एक तो ज्ञान अर्थात योग्यता, इंटेलीजेंसी का सम्मान। यह तकनीक का युग है, अब आर्टिफिशल इंटेलीजेंसी का भी युग आ गया है। अर्थात मनुष्य की योग्यता का स्थान अब तकनीक लेने वाली है। ऐसी स्थिति में योग्यता का सम्मान होना चाहिए। प्रधानमंत्री जी ने अंग्रेजी में 'gyan' शब्द का एक और आशय लिया। इसमें g यानी गरीब, y यानी युवा, a यानी अन्नदाता और n यानी नारी। अर्थात विकसित भारत अभियान में गरीब, युवा, किसान और महिलाओं के श्रम, सामर्थ्य, क्षमता, दक्षता, प्रतिभा को आधार तो बनाना है पर पूरे सम्मान के साथ। स्वाभाविक है कि जो शक्ति भारत को विश्व में विकसित बनाने में आधारभूत भूमिका का निर्वाह करने वाली है उसका पूरा सम्मान होना चाहिए।

- रमेश शर्मा
(लेखक- वरिष्ठ पत्रकार और स्तंभकार हैं।)

कमर्शियल पायलट के क्षेत्र में कॅरियर के बढ़ते अवसर

'रोज़गार और निर्माण' के पाठकों के लिये 'कॅरियर की राहें' नाम से उपयोगी स्तंभ लगातार प्रकाशित किया जा रहा है। अच्छे कॅरियर के लिये जरूरी है कि युवा कॅरियर की विभिन्न विधाओं से परिचित हों और अपनी रुचि, योग्यता और क्षमताओं के अनुरूप अपने लिये उपयुक्त कॅरियर का निर्धारण करें। पिछले 40 वर्षों से नई पीढ़ी के लिये कॅरियर संबंधी विषयों पर नियमित लेखन कर रहे डॉ. जयंतीलाल भंडारी युवाओं को कॅरियर के विभिन्न अवसरों से परिचित कराते हुए आगे बढ़ने का मार्गदर्शन दे रहे हैं।

देश और दुनिया के अधिकांश पायलट यह कहते हुए पाए जाते हैं कि बचपन से ही उन्हें हवा में उड़ान भरते जहाज लुभाते रहे हैं। कुछ बड़े होने के साथ उन्होंने कमर्शियल पायलट बनने का सपना देखा और फिर उन्होंने समुचित योग्यता हासिल करते हुए कौशल निखार के साथ कमर्शियल पायलट के रूप में कॅरियर का सपना साकार किया। कुछ वर्षों पहले तक माना जाता था कि भारत में हवाई जहाज में सफर सिर्फ अमीरों के लिए है। लेकिन, अब आसमान की इस चिड़िया ने जमीन पर रहने वालों से रिश्ता बनाना शुरू कर दिया है। अर्थव्यवस्था के विकास, बढ़ते कारोबार और तेज रफ्तार जिंदगी के बीच हवाई सफर अब स्टेटस सिंबल नहीं रहा, यह आम लोगों की भी जरूरत बन गया है। मजबूत आर्थिक विकास और बढ़ती मध्यम वर्ग की आबादी हवाई यात्रा यातायात में वृद्धि को बढ़ावा दे रही है और यात्री विमानों की मांग पैदा कर रही है। सस्ता किराया और आधुनिक तकनीक की मदद से भारत की एविएशन इंडस्ट्री तेजी से बढ़ रही है। भारतीय अर्थव्यवस्था की ग्रोथ में भी इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। इस तरह आने वाले समय में हवाई सेवाएं बढ़ने के साथ यह सेक्टर काफी संख्या में रोज़गार भी देगा। इन सब संभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए कमर्शियल पायलट आज के दौर में एक आकर्षक कॅरियर विकल्प के तौर पर उभर रहा है।

कमर्शियल पायलट के बढ़ते अवसर

हाल में प्रकाशित विभिन्न रिपोर्टों के मुताबिक वर्ष 2023 में 2.87 फीसदी की सीएजीआर के साथ भारत के विमानन बाजार का आकार 10.89 अरब डॉलर रहा है, यह तेजी से बढ़कर 2028 तक 12.55 अरब डॉलर होने की उम्मीद है। साथ ही भारत वर्ल्ड एविएशन मार्केट में वर्ष 2023 में विश्व का तीसरा सबसे बड़ा देश बन गया है तथा वर्ष 2050 तक विश्व का सबसे बड़ा देश बनने की संभावनाएँ रखता है।

गौरतलब है कि भारत सरकार के नागरिक विमानन मंत्रालय के मुताबिक भारत में 2014 तक 74 हवाई अड्डे (हेलीपोर्ट और जलीय विमानपत्तन समेत) थे और अब 2023 में यह संख्या दोगुनी होकर 148 हो गई है। 2013-14 में भारत में छह करोड़ घरेलू हवाई यात्री थे। अब यह संख्या 135 प्रतिशत बढ़कर 14.5 करोड़ हो गई है। इसी तरह इस अवधि में अंतर्राष्ट्रीय हवाई यात्रियों की संख्या 50 प्रतिशत बढ़कर 4.7 करोड़ से सात करोड़ हो गई है। इसके अलावा घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों तरह की उड़ानों में मालवहन 65 प्रतिशत बढ़ गया है और 22 लाख टन से बढ़कर 36 लाख टन हो गया है। 2014 में भारतीय विमानन कंपनियों के पास विमानों की संख्या 400 थी जो अब बढ़कर 700 हो गई है और इसमें 75 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। हाल ही में एअर इंडिया ने 70 अरब डॉलर में 470 विमानों का ऐतिहासिक ऑर्डर दिया है। यह केवल शुरुआत है। उम्मीद है कि भारतीय विमानन कंपनियां अगले पांच साल में अतिरिक्त 1,200 से 1,400 विमानों का ऑर्डर देंगी। अगले पांच साल में हवाई अड्डों, हेलीपोर्ट और जलीय विमानपत्तनों की संख्या 200 से अधिक हो जाएगी।

एक लाख करोड़ रुपये का निवेश बढ़ाएगा कमर्शियल पायलट का कॅरियर

देश में 2014 में केवल तीन ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे थे। अब 11 और तैयार हैं तथा 10 और को मंजूरी दे दी गई है। इसी तरह उत्तर पूर्वी क्षेत्र में 2014 में नौ विमानपत्तन होते थे और संख्या बढ़कर 17 हो गई है। विमानन क्षेत्र में अगले पांच साल में एक लाख करोड़ रुपए का निवेश आएगा। 2030 तक सालाना घरेलू यात्रियों की संख्या 45 करोड़ हो जाएगी जिसमें मौजूदा आंकड़े से 300 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है। हवाई यात्री यातायात में वृद्धि और महामारी से पहले के स्तर पर इसकी बहाली, साथ ही मौजूदा विमानों को उनत टिकाऊ विमानों से बदलना, वाणिज्यिक विमानन बाजार को बढ़ा रहा है।

अब देश में क्वालिफाइड पायलट की भारी जरूरत है। घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय एअर ट्रैफिक में लगातार बढ़ोतरी को देखते हुए इन दिनों लगभग सभी एअरलाइंस को अपने विस्तार के लिए नियमित रूप से हवाई जहाज खरीदने पड़ रहे हैं। ऐसे में स्वाभाविक है कि नए जहाजों को उड़ाने और उड़ानों की आवृत्ति को बढ़ाने के लिए नए पायलट जरूरी हैं।

यह बात भी महत्वपूर्ण है कि पहले कुछ ही महिला कमर्शियल पायलट हुआ करती थीं। तब लड़कों की संख्या ज्यादा होती थी, लेकिन अब जमाना बदल गया है। बड़ी संख्या में लड़कियां भी पायलट बनने के लिए आगे आ रही है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि भारत महिला पायलटों की दृष्टि से दुनिया में सबसे आगे है। दुनिया में महिला पायलट का औसत 5.8 है, लेकिन ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में 12.4 प्रतिशत महिला पायलट हैं। इस तरह महिलाएं भी कमर्शियल पायलट बनकर अपने सपनों को उड़ान दे सकती हैं।

कमर्शियल पायलट कैसे बनें?

कमर्शियल पायलट बनने की दिशा में पहला कदम एसपीएल (स्टूडेंट पायलट लाइसेंस) प्राप्त करना होता है जो कि नागर विमानन महानिदेशालय, भारत सरकार या विदेश स्थित किसी प्राधिकरण द्वारा मान्यताप्राप्त किसी उड़ान (फ्लाइंग) क्लब में पंजीकरण के लिए जरूरी माना जाता है। इसके लिए आवेदन करने हेतु कम से कम 17 वर्ष की आयु का होने के साथ सामान्यत: 12वीं (भौतिकी, रसायन एवं गणित विषय समूह के साथ) न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण होना आवश्यक है। एसपीएल की आवेदन प्रक्रिया हवाई विनियमों, नेवीगेशन, मौसम विज्ञान, आदि की सैद्धांतिक तथा मौखिक परीक्षाओं से शुरू होती है। उसके बाद आपको नागर विमानन महानिदेशालय द्वारा अनुमोदित स्वास्थ्य उपयुक्तता प्रमाणपत्र, सिक्युरिटी क्लीयरेंस तथा बैंक गारंटी देनी होती है। इस परीक्षा को जब आप सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर लेते हैं तब आप एक स्टूडेंट पायलट लाइसेंस प्रमाणपत्र के साथ वाणिज्यिक पायलट बनने की दिशा में अपनी पहली सीढ़ी पार कर लेते हैं। उल्लेखनीय है कि समय-समय पर सीपीएल का नवीनीकरण कराना होता है।

गौरतलब है कि पायलट बनने के लिए न्यूनतम उम्र 18 वर्ष होना चाहिए साथ ही कमर्शियल पायलट लाइसेंस (सीपीएल) कोर्स के अंतर्गत 200 घंटे का फ्लाइंग कोर्स करना होता है। साथ ही एकेडमिक सेशन और डीजीसीए (नागरिक उड्डयन निदेशालय) द्वारा ली जाने वाली कुछ परीक्षाएं भी होती हैं, जिन्हें उत्तीर्ण करना होता है। यह कोर्स ट्रेनिंग सहित 18 से 24 महीने में पूरा किया जा सकता है।

कमर्शियल पायलट की कॅरियर स्किल्स

एक वाणिज्यिक (कमर्शियल) पायलट बनकर आप रोमांचक तथा आकर्षक जीवन बिताने के अपने सपने को साकार कर सकते हैं तथा एक बहुत बड़ा वेतन पैकेज प्राप्त कर सकते हैं। यकीनन पायलट का कॅरियर अधिकतर युवाओं को अपनी ओर आकर्षित करता है। पायलट बनना बहुत कठिन भी नहीं होता है। लेकिन कमर्शियल पायलट बनने की फीस बहुत अधिक होती है। यह फीस ट्रेनिंग अकादमी के स्तर के अनुरूप लाखों में हो सकती है। पायलट बनने के लिए कुछ अतिविशिष्ट योग्यताएं होना आवश्यक है। पायलट को अत्यधिक प्रशिक्षित एवं कुशल व्यवसायी होना होता है। पायलट का शारीरिक तथा मानसिक रूप से पूर्णत: स्वस्थ होना जरूरी होता है। साथ ही उसकी नेत्र दृष्टि एवं रंग दृष्टि भी अच्छी होनी चाहिए। पायलट का कार्य बहुत कठिन तथा चुनौतीपूर्ण होता है। पायलट को विभिन्न प्रकार के विमान उड़ाने पड़ते हैं। विमान उड़ाने के लिए अत्यधिक शारीरिक श्रम की आवश्यकता चाहे न हो, परन्तु हर तरह के मौसम में यात्रियों से भरे किसी विमान की सुरक्षित उड़ान की जिम्मेदारी का मानसिक दबाव बहुत चुनौतीपूर्ण होता है।

इस फील्ड में आने के लिए युवाओं को अपने अंदर मल्टीटास्किंग और एकाग्रता जैसे गुणों को विकसित करने पर सबसे ज्यादा ध्यान देना चाहिए। जो स्टूडेंट कमर्शियल पायलट बनना चाहते हैं, उन्हें पायलट बनने संबंधी बातों पर 10वीं के बाद ही सोचना शुरू कर देना चाहिए। तभी उसी के अनुसार 11वीं और 12वीं में विषयों का चुनाव कर सकेंगे।

कमर्शियल पायलट लाइसेंस की अहमियत

एक कमर्शियल पायलट व्यापक सैद्धांतिक परीक्षा तथा विमानन पर डीजीसीए की परीक्षा तथा चिकित्सा स्वास्थ्य परीक्षा प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने के बाद दिया जाता है। सीपीएल के बाद इंस्ट्रूमेंटिंग एवं टाइप रेटिंग प्रमाणन भी आवश्यक होता है। रेडियो टेलीफोनी की परीक्षा भी इसके साथ उत्तीर्ण करनी होती है। कमर्शियल पायलट लाइसेंस प्राप्त करने के बाद आप सार्वजनिक परिवहन के विमानों को उड़ा सकते हैं। सीपीएल के उपरांत वाणिज्यिक उड़ान क्षेत्र में उच्च वेतन तथा अनेक लाभों के साथ-साथ विविध कार्य अवसर भी प्राप्त होते हैं, जैसे कार्गोपेट विमानन, कृषि उड़ान (क्रॉप डास्टिंग)आदि। आप निश्चित रूप से किसी भी घरेलू अथवा अंतर्राष्ट्रीय एयर लाइन्स जैसे एयर इंडिया, स्पाइस जैट, जेट एयरवेज, एयर एशिया, इंडिगो आदि में नियुक्त हो सकते हैं। कमर्शियल पायलट लाइसेंस प्राप्त करने के उपरांत डिफेंस या पैरामिलिट्री फोर्स भी ज्वाइन की जा सकती है।

उल्लेखनीय है कि एक पायलट के तौर पर वेतन और भत्ते बहुत आकर्षक होते हैं। शुरुआत ही करीब एक लाख रुपए मासिक से होती है। अनुभव बढ़ने पर पांच से छह लाख रुपये तक मासिक सैलरी मिल सकती है। साथ में फैमिली ट्रैवल, इंश्योरेंस खुद के ट्रैवल की सुविधाएं भी मिलती हैं।

कैसे बढ़ें कमर्शियल पायलट बनने की डगर पर

जो स्टूडेंट कमर्शियल पायलट बनना चाहते हैं, और पायलट बनने की योग्यताएं रखते हैं तो ध्यान रखें कि किसी भी प्रशिक्षण विमानन अकादमी या फ्लाइंग क्लब का चयन करने से पहले संस्थान की प्रतिष्ठा तथा उस संस्थान के पूर्व छात्रों से उस संस्थान के बारे में जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें। इसके पश्चात एक पूर्ण योजना बनाकर कमर्शियल पायलट की राह पर आगे बढ़कर एक प्रतिष्ठापूर्ण कॅरियर और आकर्षक वेतन के साथ अपने सपनों को साकार कर सकते हैं।

- डॉ. जयंतीलाल भंडारी

(लेखक, कॅरियर मार्गदर्शन के लिए लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में प्रतिष्ठित हैं।)

मुख्यमंत्री ने की समीक्षा

विंध्य क्षेत्र का होगा समग्र विकास

रीवा, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में विंध्य क्षेत्र का समग्र विकास होगा। विंध्य क्षेत्र अब विकास की नई ऊंचाइयों को छुएगा। ये बातें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रीवा में 337 करोड़ 90 लाख रुपए के जनकल्याणकारी विकास कार्यों के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम में जनसभा को संबोधित करते हुए कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन ने विकास कार्यों के विकेंद्रीकरण करने की व्यवस्था बनाई गई है। सरकार अब घर-घर तक विकास ले जायेगी। हितग्राहीमूलक योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचाया जाएगा।

डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सरकार का प्रयास है कि प्रत्येक बेरोज़गार को रोज़गार मिले। उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव हो। इसके लिए आने वाले समय में मानव संसाधन पर अधिक निर्भर रहने वाले उद्योगों की स्थापना की जाएगी। खनिज संसाधन की उपलब्धता वाले जिलों में विशेष सब्सिडी देकर उद्योग विकसित किए जायेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीराम ने अपना सारा जीवन मानव कल्याण के लिए समर्पित किया था। आज भी जन-जन के हृदय में राम राज्य का सपना बसा हुआ है। भगवान श्रीराम लोगों के रोम-रोम में समाये हुए हैं। इसलिए सिर्फ रोटी, कपड़ा और मकान की आवश्यकता पूर्ति नहीं होगी बल्कि सनातन संस्कृति और धर्म को भी संरक्षित और संवर्धित किया जाएगा।

डॉ. यादव ने कहा कि आम जनता के मान-सम्मान का विशेष ध्यान रखा जाएगा। यह सरकार जनता की सरकार है। गरीबों की सरकार है। जनता के बीच से ही यह सरकार चुनी गई है। इसलिए जनता का सम्मान करना शासन और प्रशासनिक अधिकारियों का दायित्व है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जन आभार यात्रा के माध्यम से जो स्वागत हुआ है उससे अभिभूत होकर संकल्प लिया है कि विंध्य के प्रत्येक क्षेत्र में विकास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 16 जनवरी को रीवा में विकास एवं जनकल्याणकारी कार्यों को पूरा किया जायेगा।

आदिवासी विकासखण्डों में खुलेंगे रानी दुर्गावती प्रशिक्षण केन्द्र

भोपाल, मध्यप्रदेश के सभी 89 आदिवासी विकासखण्डों में रानी दुर्गावती प्रशिक्षण केन्द्र खोले जायेंगे। इन प्रशिक्षण केन्द्रों में आदिवासी युवाओं को स्व-रोज़गार के लिए विविध विधाओं में प्रशिक्षण दिये जायेंगे। यह निर्देश जनजातीय कार्य मंत्री श्री कुंवर विजय शाह ने जनजातीय कार्य विभाग की योजनाओं की समीक्षा की करते हुए दिए।

समीक्षा के दौरान अधिकारियों को रानी दुर्गावती प्रशिक्षण केन्द्र में ई-लायब्रेरी स्थापित करने के निर्देश दिये। ई-लायब्रेरी के माध्यम से आदिवासी युवाओं को ऑनलाइन क्लासेस, विशिष्ट पढ़ाई की सुविधा सहित संघ लोक सेवा आयोग तथा मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं की तैयारी हेतु परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण भी दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करें कि सभी आदिवासी विकासखण्डों में संचालित विभागीय स्कूलों में केजी-I एवं केजी-II की पढ़ाई का सिलेबस बच्चों की मातृभाषा या उन्हीं की बोली में हो। जनजातीय कार्य मंत्री ने अधिकारियों से कहा कि सभी जनजातीय विकासखण्डों में जनजातीय वर्ग के समुचित विकास के अच्छे कामों की फिल्म बनाई जाये।

राष्ट्रीय युवा दिवस - 12 जनवरी

ऐसे थे वेदांत और योग को दुनिया से परिचित कराने वाले स्वामी विवेकानंद

अनादिकाल से भारत को गढ़ने में अनेक यशस्वी और तपस्वी साधकों की साधना रही है। आज हम जब युवा भारत की चर्चा करते हैं तब सहज और स्वाभाविक रूप से स्वामी विवेकानंद हमारे समक्ष उपस्थित हो जाते हैं। वह चमत्कार से कम तो नहीं है कि अपने देहावसान के 123 वर्ष पश्चात भी स्वामी विवेकानंद हमारे पथ-प्रदर्शक के रूप में हमारे साथ हैं। 30 वर्ष की उम्र में भारत के अध्यात्म एवं ज्ञान से दुनिया को लोहा मनवाने वाले स्वामी विवेकानंद का मार्गदर्शन प्रति-पल भारतीय समाज को प्रकाशवान बनाता है। आज हम जब विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर हैं तो इसकी बुनियाद में विवेकानंद के विचारों की वह भरी-पूरी दुनिया है जिसे केवल पढ़ कर हम अपना आज और कल संवार सकते हैं। आज यह कल्पना करना मुश्किल है कि भारत का कोई युवा अपने दो शब्दों के संबोधन से महाशक्ति के रूप में स्थापित राष्ट्र अमेरिका के नागरिकों का दिल जीत लेता है। लोगों का दिल जीत लेने की कला भारतीय ज्ञान परम्परा की वह अक्षुण्ण निधि है जिसे स्वामी विवेकानंद ने पूरी दुनिया को बताया। भारत वर्ष अपने महाज्ञानी संन्यासी विवेकानंद के जन्म दिवस को युवा दिवस के रूप में मनाकर भारतीय समाज की नौजवान पीढ़ी को संदेश देना चाहता है कि भारत विश्व गुरु था, है और युगों-युगों तक बना रहेगा। युवा दिवस मनाते हुए हम इस बात का संकल्प लेते हैं कि विवेकानंद जी के बताए मार्ग पर चलकर हम मां भारती के शीश को ऊंचा रखने का हरसंभव प्रयास करेंगे। स्वामी विवेकानंद ज्ञानी और संन्यासी ही नहीं थे, बल्कि वे निपुण एवं व्यवहारिक भी थे। वे रूढ़िवाद के खिलाफ खड़े रहे और सख्ती के साथ कुरीतियों के खिलाफ बोला भी। उनका जीवन हम सबके लिए एक संदेश है। इन संदेश को पढ़ना नहीं है, बल्कि गुनना भी है और अपने जीवन में उतारना भी है।

साल 1893 में स्वामी विवेकानंद शिकागो पहुंचे। वहां उन्होंने विश्व धर्म सम्मेलन में भाग लिया। यहां उन्होंने अमेरिकियों को जब 'मेरे अमेरिकी बहनों और भाइयों!' कहकर संबोधित किया तब खचाखच भरा हाल तालियों से गूंज उठा। वहां उपस्थित जनसमुदाय को लगा कि यह और कोई नहीं, बल्कि अपना ही कोई है। शिकागो में उनकी कही बात ने पूरी दुनिया में भारत की एक अमिट छाप छोड़ी थी। इस घटना को दुनिया जानती है। जब कभी विवेकानंद का उल्लेख होता है, इस प्रसंग का उल्लेख जरूर किया जाता है। इस धर्म सम्मेलन में विवेकानंद जी ने श्रीमद् भागवत गीता के प्रसंग को लेकर भी भारत का शीश गर्व से ऊंचा कर दिया था। यह वह दौर था जब यूरोप-अमेरिका के लोगों के लिए उस समय भारतीय मजाक के पात्र समझे जाते थे। इसलिए विदेशी चाहते थे कि स्वामी विवेकानंद को सर्वधर्म परिषद् में बोलने का समय ही न मिले। परंतु एक अमेरिकन प्रोफेसर के प्रयास से उन्हें थोड़ा समय मिला।

इस दौरान एक जगह पर कई धर्मगुरुओं ने अपनी किताब रखी। वहीं, भारत के धर्म के वर्णन के लिए श्रीमद् भगवत गीता रखी गई थी। जिसका खूब मजाक उड़ाया गया था। लेकिन, स्वामी विवेकानंद के आध्यात्मिक ज्ञान से भरे भाषण को सुनकर पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा था। उन्हें अपने धर्म के बारे में बताने के लिए सिर्फ दो मिनट का समय दिया गया था। लेकिन उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत इस तरह की जिससे वहां उपस्थित सभी लोग मंत्रमुग्ध हो गए थे। उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत कुछ इस तरह की थी- मेरे अमेरिकी बहनों और भाइयों! आपने जिस सम्मान, सौहार्द और स्नेह-प्रेम के साथ हम लोगों का स्वागत किया है, उसके प्रति आभार प्रकट करने के निमित्त खड़े होते समय मेरा हृदय अवर्णनीय हर्षोउल्लास से पूर्ण हो रहा है। संसार में संन्यासियों की सबसे प्राचीन सभ्यता की ओर से मैं आपको धन्यवाद देता हूं। सभी धर्मों की माता की ओर से धन्यवाद देता हूं। सभी सम्प्रदायों एवं मतों के हिन्दुओं की ओर से भी धन्यवाद देता हूं। फिर स्वामी विवेकानंद ने धर्म की परिभाषा दी थी। जिसके बारे में उन्होंने एक श्लोक सुनाते हुए कहा था कि जिस तरह से विभिन्न नदियां अलग-अलग स्रोतों से निकलकर समुद्र में मिल जाती हैं, उसी प्रकार अलग-अलग धर्म और अंत में एक ही धर्म में आकर मिलते हैं। जिसे हम भगवान कहते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि 'अमेरिका के मेरे भाइयों और बहनों, मुझे गर्व है कि मैं एक ऐसे देश से हूं, जिसने इस धरती के सभी देशों और धर्मों के सताए लोगों को शरण में रखा है।' अपना उद्बोधन जारी रखते हुए स्वामी विवेकानंद ने आगे कहा कि 'मैं आपको अपने देश की प्राचीन संत परंपरा की तरफ से धन्यवाद देता हूं। मैं आपको सभी धर्मों की जननी की तरफ से भी धन्यवाद देता हूं और सभी जाति, संप्रदाय के लाखों, करोड़ों हिंदुओं की तरफ से आभार व्यक्त करता हूं। मेरा धन्यवाद कुछ उन वक्ताओं को भी जिन्होंने इस मंच से यह कहा कि दुनिया में सहनशीलता का विचार सुदूर पूरब के देशों से फैला है।'

यहां उल्लेखनीय है कि आधुनिक भारत में स्वामी विवेकानंद उन लोगों में शामिल हैं, जिन्होंने देश की समस्याओं पर नए सिरे से विचार-चिंतन किया। स्वामी विवेकानंद के विचारों ने समाज-जीवन के प्रत्येक क्षेत्र को प्रभावित किया। ऐसे में विचारणीय बात है कि आर्थिक नीतियों और अर्थव्यवस्था को लेकर स्वामी विवेकानंद की क्या सोच थी? स्वामी विवेकानंद ने गरीबी दूर करने, कृषि और औद्योगिक विकास और श्रमिकों की स्थिति के बारे में अपनी राय खुलकर बताई। स्वामी जी भारत की गरीबी का मुख्य जिम्मेदार यूरोपीय देशों को मानते थे, जो भारत की संपत्ति को लूटकर ले गए और जिन्होंने भारत के उद्योग धंधों को तबाह किया। लेकिन साथ ही वे भारतीय समाज में आ गई जड़ता, कुरीतियों और अंधविश्वास को भी इसका जिम्मेदार मानते थे। इसके लिए उन्होंने धार्मिक कुरीतियों पर जमकर प्रहार किया और समाज में श्रम के महत्व को स्थापित किया।

एक बार गौरक्षकों से उनकी मुलाकात हुई। उनके कार्यों के बारे में जाना एवं गौशाला संचालित करने के लिए अर्थ संग्रहण के बारे में जाना। इसके बाद स्वामी जी ने उनसे सवाल किया कि क्या उन्हें पता है कि भारत भूमि पर अकाल के कारण हजारों लोग भूख से मर रहे हैं? उनके लिए आप लोगों ने क्या किया? स्वामीजी के इस सवाल के जवाब में गौरक्षकों ने कहा कि यह उनके कर्मों का फल है। इस जवाब से स्वामीजी को भीतर ही भीतर क्रोध आया। उन्होंने कहा कि 'जो सभा-समिति इंसानों से सहानुभूति नहीं रखती है, अपने भाइयों को भूखे मरते देखते हुए भी उनके प्राणों की रक्षा करने के लिए एक मुट्ठी अनाज तक नहीं देती है लेकिन पशु-पक्षियों के वास्ते बड़े पैमाने पर अन्न वितरण करती है, उस सभा-समिति के साथ मैं रत्ती भर भी सहानुभूति नहीं रखता हूं। इन जैसों से समाज का कोई विशेष

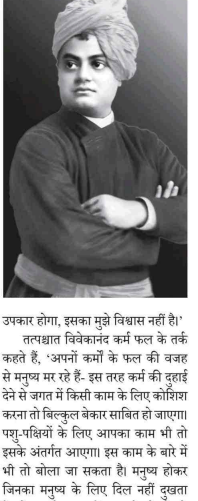

उपकार होगा, इसका मुझे विश्वास नहीं है।'

तत्पश्चात विवेकानंद कर्म फल के तर्क कहते हैं, 'अपनों कर्मों के फल की वजह से मनुष्य मर रहे हैं- इस तरह कर्म की दुहाई देने से जगत में किसी काम के लिए कोशिश करना तो बिल्कुल बेकार साबित हो जाएगा। पशु-पक्षियों के लिए आपका काम भी तो इसके अंतर्गत आएगा। इस काम के बारे में भी तो बोला जा सकता है। मनुष्य होकर जिनका मनुष्य के लिए दिल नहीं दुखता है, तो क्या वे मनुष्य हैं? यह बोलते-बोलते स्वामी विवेकानंद का पूरा शरीर क्षोभ और दुःख से तिलमिला उठा।

25 वर्ष की उम्र में धारण किया संन्यास

स्वामी विवेकानंद की वजह से ही आज पूरे विश्व में वेदांता दर्शन और योग बहु प्रख्यात हैं। हिंदू दर्शन को पूरे विश्व में अपनी पहचान दिलाने वाले स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी, 1863 के दिन कोलकाता में एक अमीर बंगाली कायस्थ परिवार में हुआ था। उनका नाम नरेंद्रनाथ दत्ता था जो दक्षिणेश्वर के एक प्रख्यात संत स्वामी रामकृष्ण परमहंस के शिष्य थे। सन्यासी बनने के बाद स्वामी विवेकानंद ने ईसानियत के महत्व को समझाया था। उनकी कही गई बातें आज भी करोड़ों लोगों को प्रेरित करती हैं।

25 साल की छोटी उम्र में उन्होंने अपने गुरु से प्रभावित होकर सांसारिक मोह माया त्याग दी और संन्यासी बन गए। संन्यास लेने के बाद उनका नाम विवेकानंद पड़ा। स्वामी विवेकानंद ने 1897 में कोलकाता में रामकृष्ण मिशन की स्थापना की थी। वहीं 1898 में गंगा नदी के किनारे बेलूर में रामकृष्ण मठ की स्थापना भी की थी।

जब विदेशी व्यक्ति के घमंड को किया चूर

विवेकानंद जी अक्सर साधारण भिक्षु रूपी वस्त्र पहनते थे। एक दिन इसी वस्त्र को धारण कर वे विदेश में घूम रहे थे। उनके वस्त्र ने एक विदेशी का ध्यान खींच लिया। उस विदेशी ने चिढ़ाते हुए विवेकानंद जी की पगड़ी तक खींच ली। विदेशी की इस हरकत के बाद उन्होंने स्पष्ट अंग्रेजी में ऐसा करने का कारण पूछा तो वह विदेशी आश्चर्य में पड़ गया। उस विदेश को ये समझ नहीं आ रहा था कि साधु के रूप में इस व्यक्ति को इतनी अच्छी अंग्रेजी कैसे आती है। फिर उसने विवेकानंद जी से पूछ लिया कि क्या आप शिक्षित हैं? तब स्वामी विवेकानंद जी ने विनम्रता से कहा 'हां, मैं पढ़ा-लिखा हूं और सज्जन व्यक्ति हूं।' तब विदेशी ने कहा कि आपके कपड़े देखकर तो नहीं लगता कि आप सज्जन व्यक्ति हैं। इस बात पर स्वामी विवेकानंद ने जवाब देते हुए कहा कि आपके देश में एक दर्जी व्यक्ति को सज्जन बनाता है, लेकिन मेरे देश में व्यक्ति का व्यवहार उसे सज्जन बनाता है। ऐसा जवाब सुनकर उस विदेशी को शर्मिंदगी महसूस हुई और अपनी गलती का आभास हुआ।

वेदांत और योग के भारतीय दर्शन का परिचय

1. वेदांत दर्शन उपनिषद् पर आधारित है तथा इसमें उपनिषद् की व्याख्या की गई है।
2. वेदांत दर्शन में ब्रह्म की अवधारणा पर बल दिया गया है, जो उपनिषद् का केंद्रीय तत्व है। इसमें वेद को ज्ञान का परम स्रोत माना गया है, जिस पर प्रश्न खड़ा नहीं किया जा सकता।
3. वेदांत में संसार से मुक्ति के लिये त्याग के स्थान पर ज्ञान के पथ को आवश्यक माना गया है और ज्ञान का अंतिम उद्देश्य संसार से मुक्ति के माध्यम से मोक्ष की प्राप्ति है।
4. वर्ष 1897 में विवेकानंद ने रामकृष्ण मिशन की स्थापना की। इस मिशन ने भारत में शिक्षा और लोकोपकारी कार्यों जैसे- आपदाओं में सहायता, चिकित्सा सुविधा, प्राथमिक और उच्च शिक्षा तथा जनजातियों के कल्याण पर बल दिया।

भारत की ज्ञान परम्परा को समझना हो तो स्वामी विवेकानंद के दर्शन की बुनियादी बातों को जानना-समझना जरूरी है। जैसे कि उनके बारे में अध्ययन करते हुए यह ज्ञात होता है कि वे दकियानूसी नहीं थे बल्कि उनके ज्ञान का संसार अपरिमित था। वे व्यावहारिक थे और समय के अनुरूप भारत वर्ष की प्रगति के लिए आवश्यक जरूरत को समझते थे। स्वामी विवेकानंद को समझने के लिए उनके दर्शन को समझना होगा-

1. विवेकानंद का विचार है कि सभी धर्म एक ही लक्ष्य की ओर ले जाते हैं, जो उनके गुरु श्री रामकृष्ण परमहंस के आध्यात्मिक प्रयोगों पर आधारित है।
2. स्वामी विवेकानंद ने इस बात पर बल दिया कि पश्चिम की भौतिक और आधुनिक संस्कृति की ओर भारतीय आध्यात्मिकता का प्रसार करना चाहिए, जबकि वे भारत के वैज्ञानिक आधुनिकीकरण के पक्ष में भी मजबूती से खड़े हुए।
3. स्वामीजी ने जगदीशचंद्र बोस की वैज्ञानिक परियोजनाओं का भी समर्थन किया।
4. स्वामी विवेकानंद ने आयरिश शिक्षिका मार्गरेट नोबल (जिन्हें उन्होंने 'सिस्टर निवेदिता' का नाम दिया) को भारत आमंत्रित किया ताकि वे भारतीय महिलाओं की स्थिति में सुधार लाने में सहयोग कर सकें।
5. महात्मा गांधी द्वारा सामाजिक रूप से शोषित लोगों को 'हरिजन' शब्द से संबोधित किये जाने के वर्षों पहले ही स्वामी विवेकानंद ने 'दरिद्र नारायण' शब्द का प्रयोग किया था जिसका आशय था कि 'गरीबों की सेवा ही ईश्वर की सेवा है'।
6. विवेकानंद का राष्ट्रवाद भारतीय धर्म पर आधारित है जो भारतीय लोगों का जीवन रस है। भारतीय संस्कृति के प्रमुख घटक मानववाद एवं सार्वभौमिकतावाद विवेकानंद के राष्ट्रवाद की आधारशिला माने जा सकते हैं।
7. विवेकानंद ने आंतरिक शुद्धता एवं आत्मा की एकता के सिद्धांत पर आधारित नैतिकता की नवीन अवधारणा प्रस्तुत की।
8. स्वामी विवेकानंद के अनुसार, नैतिकता और कुछ नहीं बल्कि स्वयंकि को एक अच्छा नागरिक बनाने में सहायता करने वाली नियम संहिता है।
9. स्वामी विवेकानंद का मानना है कि किसी भी राष्ट्र का युवा जागरुक और अपने उद्देश्य के प्रति समर्पित हो, तो वह देश किसी भी लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है।
10. विवेकानंद ने युवाओं को आध्यात्मिक बल के साथ-साथ शारीरिक बल में वृद्धि करने के लिये भी प्रेरित किया।
11. स्वामी विवेकानंद ने ऐसी शिक्षा पर बल दिया जिसके माध्यम से विद्यार्थी की आत्मोन्नति हो और जो उसके चरित्र निर्माण में सहायक हो सके।
12. विवेकानंद एक मानवतावादी चिंतक थे, उनके अनुसार मनुष्य का जीवन ही एक धर्म है। धर्म न तो पुस्तकों में है, न ही धार्मिक सिद्धांतों में, प्रत्येक व्यक्ति अपने ईश्वर का अनुभव स्वयं कर सकता है।
13. विवेकानंद ने धार्मिक आडंबर पर चोट की तथा ईश्वर की प्राप्ति पर बल दिया।
14. विवेकानंद के शब्दों में मेरा ईश्वर दुखी, पीड़ित हर जाति का निर्धन मनुष्य है।

भारत आज दुनिया का शीर्ष देश बन चुका है। हर क्षेत्र में भारत का तिरंगा लहरा रहा है तो यह हमारे गुणी-ज्ञानी स्वामी विवेकानंद सरीखे जैसे लोगों की वजह से। यह देश का सौभाग्य है कि उनके विचारों और दर्शन को युवाओं तक पहुंचाने में राज्य एवं केन्द्र सरकार प्राण-पण से जुटी हुई है। यह आवश्यक प्रतीत होता है कि जब तक हम अपना भूतकाल नहीं जानेंगे, भविष्य का निर्माण नहीं कर सकते हैं। स्वामी विवेकानंद का विचार दर्शन युगों-युगों तक भारत को आलौकित करता रहेगा।

- मनोज कुमार
(लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

मध्यप्रदेश के 7790 विद्यार्थियों को मिली नि:शुल्क ई-स्कूटी

भोपाल, स्कूल शिक्षा विभाग की अभिनव योजना में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को पढ़ाई में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर विभाग की अभिनव योजना में नि:शुल्क ई-स्कूटी दी गई हैं। वर्ष 2022-23 में प्रदेश के शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूलों में प्रथम स्थान पाने वाले 7790 विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया है।

स्कूल शिक्षा विभाग की एक अन्य योजना में वर्ष 2022-23 में 5 लाख 30 हजार साइकिलों का वितरण किया गया।

विभाग की एक अन्य योजना सुपर-100 में कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा में 70 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को भोपाल के शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय और शासकीय मल्हाराश्रम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, इंदौर में कक्षा-11 एवं 12 में अध्ययन के दौरान नि:शुल्क कोचिंग देने की व्यवस्था की गई है।

प्रवासी भारतीय दिवस - 9 जनवरी

वसुधैव कुटुंबकम की भावना को साकार करते प्रवासी भारतीय

प्रवासी भारतीयों का देश की समृद्धि और विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। दुनिया भर में बसे हुए भारतीय समुदाय ने अपने देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने अपनी योग्यता और परिश्रम से दुनियाभर में विशेष स्थान हासिल किया है। कई प्रवासी भारतीय विदेशों में उच्च पदों पर आसीन हैं। प्रवासी भारतीयों की सफलता ने पूरे विश्व में भारत को एक सशक्त राष्ट्र के रूप में प्रस्तुत किया है। प्रवासी भारतीयों का योगदान विभिन्न क्षेत्रों जैसे कि विज्ञान, तकनीक, व्यापार, वित्त, साहित्य, कला, संस्कृति, सामाजिक आदि में है। प्रवासी भारतीयों ने विश्व को भारत की सांस्कृतिक धरोहर, विज्ञान, तकनीक, उन्नति और योगदान से परिचय कराया है। वे विभिन्न देशों में रहकर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं और अपने समुदाय के लिए एक प्रेरणा स्रोत बने हैं। प्रवासी भारतीय दिवस (पीबीडी) भारत के विकास में प्रवासी भारतीय समुदाय के योगदान को चिह्नित करने के लिए 9 जनवरी को मनाया जाता है।

प्रवासी भारतीय दिवस का इतिहास

प्रवासी भारतीय दिवस का आयोजन पहली बार 2003 में नई दिल्ली में किया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य विदेशों में रहने वाले भारतीयों को सम्मानित करना और उनके योगदान को मान्यता प्रदान करना है। यह दिन प्रवासी भारतीयों को उनके देश से जुड़े रहने का एक मौका भी प्रदान करता है। यह दिन अपनी मातृभूमि के प्रति प्रवासी भारतीयों के समर्पण, लगाव और जज्बे को दर्शाता है। इस दिन भारत में विभिन्न कार्यक्रम और समारोहों का आयोजन किया जाता है, जिसमें प्रवासी भारतीयों को सम्मानित किया जाता है। विभिन्न स्थानों पर सम्मान समारोह, सांसदों और मंत्रियों के साथ संवाद, सांसदों द्वारा प्रवासी भारतीयों के साथ संवाद तथा सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। प्रवासी भारतीय दिवस मनाने से यह भी संकेत मिलता है कि सरकार प्रवासी भारतीयों के जीवन को सुधारने और उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए कदम उठा रही है। यह दिन प्रवासी भारतीयों को उनके देश के साथ एक मजबूत और सकारात्मक संबंध बनाए रखने का संदेश भी देता है। इस दिन सरकार प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार प्रदान करती है।

नी जनवरी का दिन ही क्यों चुना गया

9 जनवरी को प्रवासी भारतीय दिवस के रूप में चुना गया, क्योंकि इसी दिन वर्ष 1915 में महात्मा गांधी दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटे थे। वहां से आकर महात्मा गांधी ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व किया था। वर्ष 2003 से प्रवासी भारतीय दिवस मनाने की शुरुआत की गई और तब से लेकर 2015 तक प्रतिवर्ष प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन आयोजित किया गया। पहला और दूसरा प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन नई दिल्ली में, तीसरा मुंबई में, चौथा हैदराबाद में, पांचवा, छठवां, आठवां और नौवां नई दिल्ली में, सातवां चेन्नई में, दसवां जयपुर में, ग्यारहवां कोच्ची, बारहवां नई दिल्ली में और 2015 को तेरहवां प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन गांधीनगर में आयोजित किया गया। वर्ष 2015 में इसे संशोधित किया गया और हर दो वर्ष पर इसे मनाने का निर्णय लिया गया। इसके बाद चौदहवां प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन 2017 में बेंगलुरु में, पंद्रहवां 2019 में वाराणसी, सोलवां 2021 में ऑनलाइन वर्चुअल मोड में आयोजित किया गया और 17वां प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन 2023 में इंदौर में आयोजित किया गया था।

विशेष थीम पर होता है आयोजन

यह दिवस एक विशेष विषय या थीम पर आयोजित किया जाता है। 2021 के प्रवासी भारतीय दिवस की थीम 'आत्मनिर्भर भारत में योगदान' थी, जबकि 2023 में यह दिवस 'प्रवासी: अमृत काल में भारत की प्रगति में विश्वसनीय भागीदार' विषय पर आयोजित किया गया था। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 17वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कहा था कि प्रवासी भारतीय दिवस कई मायनों में विशेष है, क्योंकि भारत ने हाल ही में अपनी स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे किए हैं। पूरे विश्व को स्वदेश मानने और वसुधैव कुटुंबकम की भावना के तहत पूरी मानवता को अपना भाई-बहन मानने के भारतीय दर्शन के बारे में प्रधानमंत्री ने कहा था कि हमारे पूर्वजों ने भारत के सांस्कृतिक विस्तार की नींव रखी। हमने सदियों पहले वैश्विक व्यापार की असाधारण परंपरा शुरू की थी। हम असीम लगने वाले समंदरों के पार गए। उन्होंने कहा था कि अलग-अलग देशों, अलग-अलग सभ्यताओं के बीच व्यावसायिक संबंध कैसे साझी समृद्धि के रास्ते खोल सकते हैं, भारत ने इसे करके दिखाया। प्रधानमंत्री ने कहा था कि प्रवासी भारतीयों को जब हम ग्लोबल मैप पर देखते हैं, तो कई तस्वीरें एक साथ उभरती हैं। जब भारत के लोग एक कॉमन फैक्टर की तरह दिखते हैं, तो 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना के साक्षात दर्शन होते हैं और जब भारत के अलग-अलग प्रांतों, अलग-अलग क्षेत्रों के लोग मिलते हैं, तो 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का सुखद एहसास होता है। प्रधानमंत्री ने कहा था कि "लोकतंत्र की जननी होने पर गर्व की भावना कई गुना बढ़ जाती है जब हमारे प्रवासियों को दुनिया के विभिन्न हिस्सों में सबसे लोकतांत्रिक, शांतिपूर्ण और अनुशासित नागरिकों के रूप में माना जाता है।

प्रवासी भारतीयों का देश के लिए योगदान

प्रवासी भारतीय विभिन्न तरीकों से अपने मूल देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में उनका योगदान बहुमूल्य है।

अर्थव्यवस्था में योगदान - प्रवासी भारतीय देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। उनके द्वारा अपने परिवारों को भेजा गया पैसा या व्यवसायों और रियल एस्टेट में किया गया निवेश देश के विदेशी मुद्रा भंडार को बढ़ाने में मदद करता है।

निवेश- प्रवासी भारतीय अक्सर अपने देश में व्यवसायों, स्टार्टअप और रियल एस्टेट में निवेश करते हैं। यह निवेश न केवल रोजगार के अवसर पैदा करता है, बल्कि आर्थिक विकास को भी प्रोत्साहित करता है। प्रवासी न केवल वित्तीय बल्कि विशेषज्ञता और अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क का लाभ भी देश को पहुंचाते हैं, जो विभिन्न क्षेत्रों के समग्र विकास में योगदान करता है।

नवाचार - कई प्रवासी भारतीय तकनीकी रूप से उन्नत देशों में काम करते हैं और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों में विशेषज्ञता हासिल करते हैं। जब वे वापस लौटते हैं या अपने मूल देश में संगठनों को सहयोग करते हैं, तो वे बहुमूल्य ज्ञान और कौशल लाते हैं, जिससे नवाचार को बढ़ावा मिलता है।

सामाजिक पहल- प्रवासी भारतीय अक्सर परोपकारी गतिविधियों में संलग्न होते हैं। वे शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य सामाजिक पहलों का समर्थन करते हैं। धर्मार्थ संगठनों और गैर सरकारी संगठनों में उनका योगदान सामाजिक चुनौतियों का समाधान करने और कई समुदायों के जीवन में सुधार लाने में मदद करता है।

कूटनीतिक योगदान - प्रवासी भारतीय अक्सर विदेश में अपने मूल देश के लिए अनौपचारिक राजदूत की तरह काम करते हैं। अपनी व्यावसायिक सफलता के जरिए वे अपने देश की सकारात्मक छवि बनाने और उसे निवेश, पर्यटन और साझेदारी के लिए एक प्रमुख देश के रूप में बढ़ावा देने में योगदान देते हैं।

सांस्कृतिक आदान-प्रदान - प्रवासी भारतीय अपने देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे वैश्विक मंच पर अपनी संस्कृति की बेहतर समझ को बढ़ावा देने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों, त्योहारों और प्रदर्शनियों का आयोजन करते हैं।

वैश्विक नेटवर्क - प्रवासी भारतीय अक्सर वैश्विक नेटवर्क का हिस्सा बनते हैं, जो अपने देश और विदेश में व्यवसायों, संस्थानों और व्यक्तियों के बीच सहयोग और साझेदारी के अवसर खोलते हैं।

प्रवासी भारतीय अपने मूल देश के आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विकास में योगदान देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनकी भागीदारी विभिन्न क्षेत्रों तक फैली हुई है। वे अपने देश और वैश्विक समुदाय के बीच की खाई को पाटने में मदद करते हैं, जिससे प्रगति और समृद्धि में योगदान होता है। अतः प्रवासी भारतीय दिवस एक महत्वपूर्ण और गौरवशाली अवसर है, जो विदेशों में रहने वाले भारतीय समुदाय को समर्पित है। इस दिन का आयोजन उन्हें सम्मानित करने, उनके योगदान को मान्यता प्रदान करने और उनके साथ गहरा संबंध बनाने के लिए किया जाता है। इस दिन प्रवासी भारतीयों की नैतिकता, संघर्ष और सफलता की कहानियां भी बताई जाती हैं।

- निशा त्यागी
(लेखिका, प्रतियोगी परीक्षाओं और समसामयिक मुद्दों पर लेखन करती हैं)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये सामान्य ज्ञान - खेल

1. खेल रत्न पुरस्कार प्राप्त करने वाले भारत के पहले क्रिकेटर हैं?
(अ) सचिन तेंदुलकर
(ब) कपिल देव
(स) अनिल कुंबले
(द) बिशन सिंह बेदी

2. इनमें से किस धावक के नाम सबसे कम समय में 100 मीटर दौड़ पूरी करने का रिकॉर्ड दर्ज है?
(अ) क्रिस्टियन कोलमैन
(ब) नोआह लायल्स
(स) फ्रेड कर्ले
(द) उसेन बोल्ट

3. भारत ने एशियन गेम्स-2023 में एथेलेटिक्स में कितने स्वर्ण पदक जीते हैं?
(अ) 6 (ब) 7
(स) 8 (द) 9

4. एशियन गेम्स-2023 में लवलीना बोरगोहेन ने मुक्केबाजी में कौन-सा पदक जीता है?
(अ) स्वर्ण पदक
(ब) रजत पदक
(स) कांस्य पदक
(द) इनमें से कोई नहीं

5. वर्ष 2023 में किस पुरुष टेनिस खिलाड़ी ने हेम्बर्ग यूरोपियन ओपन जीता है?
(अ) कैस्पर रूड
(ब) कार्लोस अलकराज
(स) एलेक्जेंडर ज्वेरेव
(द) इनमें से कोई नहीं

6. जर्मनी ने कितनी बार फीफा फुटबॉल विश्वकप जीता है?
(अ) एक बार (ब) दो बार
(स) तीन बार (द) चार बार

7. बजरंग पूनिया ने किस ओलिंपिक में कुश्ती में कांस्य पदक जीता था?
(अ) लंदन ओलिंपिक 2012
(ब) रियो ओलिंपिक 2016
(स) टोक्यो ओलिंपिक 2020
(द) इनमें से कोई नहीं

8. वर्ष 2023 में किस पुरुष खिलाड़ी ने ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैम्पियनशिप जीती है?
(अ) विक्टर एक्सेलसन
(ब) ली शिफेंग
(स) केंटो मोमोटा
(द) ली जी जिया

9. एथेलेटिक्स खेल में भारत के लिए ओलिंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले खिलाड़ी हैं?
(अ) नीरज चोपड़ा
(ब) विकास गौड़ा
(स) मिल्खा सिंह
(द) तेजिंदर पाल सिंह तूर

10. वर्ष 2023 में किस महिला खिलाड़ी ने कनाडा ओपन का खिताब जीता है?
(अ) आर्यना सबालेंका
(ब) ईगा स्वितेक
(स) इलिना रिबाकिना
(द) जेसिका पेगुला

11. वर्ष 2004 में किस शहर में ओलिंपिक खेलों का आयोजन किया गया था?
(अ) एथेंस (ब) सिडनी
(स) लंदन (द) बीजिंग

12. साइना नेहवाल किस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करती हैं?
(अ) टेनिस (ब) बैडमिंटन
(स) तीरंदाजी (द) हॉकी

13. वर्ष 2023 में इनमें से किस देश ने रग्बी वर्ल्डकप जीता है?
(अ) आयरलैंड (ब) न्यूजीलैंड
(स) द. अफ्रीका (द) ब्राजील

14. ब्रिस्बेन इंटरनेशनल टूर्नामेंट किस खेल से संबंधित एक वैश्विक प्रतियोगिता है?
(अ) क्रिकेट (ब) टेनिस
(स) बैडमिंटन (द) गोल्फ

15. अंजू बॉबी जॉर्ज किस खेल में भारत की दिग्गज खिलाड़ी रह चुकी हैं?
(अ) एथेलेटिक्स (ब) जिम्नास्टिक
(स) हॉकी (द) तलवारबाजी

16. वर्ष 2023 में आर्कटिक ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट का खिताब जीतने वाली महिला खिलाड़ी हैं?
(अ) वांग झीयी (ब) पी.वी. सिंधु
(स) ताई जू यिंग (द) हान यूई

17. भारत ने विश्व बॉक्सिंग चैम्पियनशिप-2023 में भारत ने कितने कांस्य पदक जीते थे?
(अ) एक (ब) दो
(स) तीन (द) चार

18. वर्ष 2023 में किस खिलाड़ी ने पेरिस मास्टर्स खिताब अपने नाम किया है?
(अ) कार्लोस अलकराज
(ब) नोवाक जोकोविच
(स) डेनिल मेदवेदेव
(द) इनमें से कोई नहीं

19. इनमें से किस बल्लेबाज के नाम वन-डे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक बनाने का रिकॉर्ड है?
(अ) सचिन तेंदुलकर
(ब) रिकी पोंटिंग
(स) विराट कोहली
(द) जैक कैलिस

20. सुल्तान जोहोर कप हॉकी टूर्नामेंट-2023 में किस देश ने कांस्य पदक जीता है?
(अ) भारत (ब) ऑस्ट्रेलिया
(स) अर्जेंटीना (द) मलेशिया

21. वर्ष 2023 में किस टीम ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीती है?
(अ) मुंबई (ब) कर्नाटक
(स) राजस्थान (द) पंजाब

22. युवराज सिंह ने टी-20 क्रिकेट में किस गेंदबाज के एक ओवर में छह छक्के लगाए थे?
(अ) ब्रेट ली (ब) स्टुअर्ट ब्रॉड
(स) चमिंडा वास (द) उमर गुल

23. विदित गुजराती किस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं?
(अ) शतरंज (ब) तीरंदाजी
(स) मुक्केबाजी (द) निशानेबाजी

24. इनमें से कौन-सा खेल ओलिंपिक खेलों का हिस्सा नहीं है?
(अ) तीरंदाजी (ब) कबड्डी
(स) टेनिस (द) मुक्केबाजी

25. सविता पूनिया किस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करती हैं?
(अ) हॉकी (ब) क्रिकेट
(स) तीरंदाजी (द) कबड्डी

उत्तर

1. (अ), 2. (द), 3. (अ), 4. (ब), 5. (स), 6. (द), 7. (स), 8. (ब), 9. (अ), 10. (द), 11. (अ), 12. (ब), 13. (स), 14. (ब), 15. (अ), 16. (द), 17. (स), 18. (ब), 19. (स), 20. (ब), 21. (द), 22. (ब), 23. (अ), 24. (ब), 25. (अ)।

- पुष्पेंद्र कुमार सविता
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं।)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

सामान्य ज्ञान

1. मध्यप्रदेश में राजस्व प्राप्तियों में सर्वाधिक योगदान किस कर का है?
अ. जीएसटी
ब. राज्य उत्पाद शुल्क
स. स्टाम्प व पंजीकरण शुल्क
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर- अ. जीएसटी

2. मध्यप्रदेश बजट 2023-24 के अनुसार कुल प्राप्तियों में सर्वाधिक योगदान किस क्षेत्र का है?
अ. राज्य कर
ब. केन्द्रीय करों में हिस्सा
स. केन्द्र से सहायता अनुदान
द. केरतर राजस्व
उत्तर- अ. राज्य कर

3. मध्यप्रदेश का किस वर्ष का बजट ई-बजट के रूप में प्रस्तुत किया गया है?
अ. 2022-23
ब. 2021-22
स. 2023-24
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर- स. 2023-24

4. गेहूं के निर्यात में मध्यप्रदेश की देश में कितने प्रतिशत भागीदारी है?
अ. 46% ब. 49%
स. 55% द. 66%
उत्तर- अ. 46%

5. वर्तमान में प्रदेश की सिंचाई क्षमता कितने लाख हेक्टेयर है?
अ. 7.50 ब. 45
स. 28 द. 30
उत्तर- ब. 45

6. मध्यप्रदेश बजट 2023-24 अनुमान के अनुसार लोक ऋण (शुद्ध) में कितने प्रतिशत वृद्धि अनुमानित है?
अ. 3% ब. 4%
स. 5% द. 7%
उत्तर- द. 7%

7. 29 दिसंबर 2022 को मध्यप्रदेश के किस शहर में रिलायंस जिओ द्वारा 5G सेवा प्रारंभ की गई?
अ. इंदौर ब. भोपाल
स. उज्जैन द. अ तथा ब दोनों
उत्तर- द. अ तथा ब दोनों

8. मध्यप्रदेश के किस जिले में उज्जैन की तर्ज पर विशाल 'देवी लोक' का निर्माण किया जायेगा?
अ. सतना ब. कटनी
स. सीहोर द. देवास
उत्तर- स. सीहोर

9. हाल ही में किस जिले में रतनपुर उद्वहन सिंचाई योजना का लोकार्पण किया गया है?
अ. सीहोर ब. राजगढ़
स. दमोह द. मुरैना
उत्तर- अ. सीहोर

10. पशुपालन से संबंधित राष्ट्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश का देश में कौन सा स्थान है?
अ. पहला ब. दूसरा
स. तीसरा द. चौथा
उत्तर- अ. पहला

11. चंद्रशेखर आजाद की 117वीं जयंती पर मध्यप्रदेश के किस जिले में राज्य स्तरीय यूथ महापंचायत का आयोजन किया गया?
अ. भोपाल ब. अलीराजपुर
स. महु द. झाबुआ
उत्तर- अ. भोपाल

12. कौन सा अभ्यारण टाइगर सफारी प्रारंभ करने वाला देश का पहला अभ्यारण है?
अ. रालामण्डल अभ्यारण
ब. नौरादेही अभ्यारण
स. रातापानी अभ्यारण
द. कामधेनु अभ्यारण
उत्तर- स. रातापानी अभ्यारण

13. केमिकल रक्षा उत्पाद तकनीक की DRDE लैब, मध्यप्रदेश के किस शहर में स्थित है?
अ. जबलपुर ब. ग्वालियर
स. सागर द. इंदौर
उत्तर- ब. ग्वालियर

14. महिला दुग्ध उत्पादक कंपनी मुक्ता मध्यप्रदेश के किस क्षेत्र से संबंधित है?
अ. मालवा ब. निमाड़
स. बुंदेलखण्ड द. बघेलखण्ड
उत्तर- स. बुंदेलखण्ड

15. मध्यप्रदेश के किस चित्रकार की प्रदर्शनी कोलकाता की आकृति आर्ट गैलरी में लगाई गई?
अ. जनगण सिंह श्याम
ब. भज्जू सिंह श्याम
स. दुर्गा बाई व्यास
द. जोधईया बाई बैगा
उत्तर- ब. भज्जू सिंह श्याम

16. राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून विभाग द्वारा जारी राज्यों की रैंकिंग इन्डेक्स- 2022 में मध्यप्रदेश किस स्थान पर है?
अ. 1 ब. 2
स. 3 द. 6
उत्तर- द. 6

17. राज्य सरकार द्वारा शुरू किया गया ऑपरेशन मानसून किससे संबंधित है?
अ. पौधा रोपण से
ब. वन्यप्राणियों के शिकार हेतु
स. वर्षाकाल में बाढ़ हेतु आपदा से संरक्षण हेतु
द. जल संरक्षण से
उत्तर- द. जल संरक्षण से

18. मध्यप्रदेश में पेसा एक्ट के तहत 'पेसा नियम' को कब लागू किया गया?
अ. 1 नवंबर, 2022
ब. 15 नवंबर, 2022
स. 15 दिसंबर, 2022
द. 25 सितंबर, 2022
उत्तर- स. 15 दिसंबर, 2022

19. देश का प्रथम साउंडप्रूफ हाइवे मध्यप्रदेश के किस जिले में बनाया गया है?
अ. इंदौर ब. सिंगरौली
स. सिवनी द. भोपाल
उत्तर- स. सिवनी

20. मध्यप्रदेश में धरोहर समाह की शुरुआत कब की गई?
अ. 18 नवंबर, 2022
ब. 22 नवंबर, 2022
स. 19 नवंबर, 2022
द. 24 नवंबर, 2022
उत्तर- स. 19 नवंबर, 2022

21. मध्यप्रदेश के किस शहर में मध्य भारतीय हिन्दी साहित्य सभा के द्वारा हिन्दी भवन का निर्माण कराया जायेगा?
अ. भोपाल ब. उज्जैन
स. ग्वालियर द. जबलपुर
उत्तर- स. ग्वालियर

22. मध्यप्रदेश में किस शहर में प्रधानमंत्री मित्र मेगा टेक्सटाइल पार्क बनाया जा रहा है?
अ. जबलपुर ब. इंदौर
स. धार द. खरगोन
उत्तर- स. धार

23. मध्यप्रदेश सरकार द्वारा किस जिले में स्थित कुंडलपुर व बांदकपुर को पवित्र क्षेत्र घोषित किया गया है?
अ. सतना ब. दमोह
स. शिवपुरी द. अनूपपुर
उत्तर- ब. दमोह

24. मध्यप्रदेश में निम्न में से किसे अहिल्या सम्मान 2023 से सम्मानित किया गया है?
अ. सौम्या तिवारी
ब. तनिष्का हतवलने
स. ननकुसिया श्याम
द. उपरोक्त सभी
उत्तर- द. उपरोक्त सभी

25. मध्यप्रदेश की प्रति व्यक्ति आय में वर्ष 2023-24 में कितने % वृद्धि का अनुमान है?
अ. 7.06% ब. 5.67%
स. 4.5% द. 7 %
उत्तर- ब. 5.67%

26. मध्यप्रदेश में देश का प्रथम ह्यूमन कैपिटल बैंक कहां खोला गया?
अ. नीमच ब. शाजापुर
स. इंदौर द. जबलपुर
उत्तर- ब. शाजापुर

27. मध्यप्रदेश सरकार द्वारा सीहोर जिले के नसरुल्लागंज का नाम परिवर्तित किया गया है?
अ. जगदीशपुर ब. भैरुदा
स. मनोहर ग्राम द. कुंडेश्वर
उत्तर- ब. भैरुदा

28. मध्यप्रदेश के किस जिले से जल मंदिर योजना की शुरुआत की गई?
अ. बालाघाट ब. नरसिंहपुर
स. बुरहानपुर द. जबलपुर
उत्तर- स. बुरहानपुर

29. मध्यप्रदेश में कंबाइंड कमांडर कॉन्फ्रेंस 2023 का आयोजन कहां किया गया था?
अ. मह ब. सागर
स. भोपाल द. नीमच
उत्तर- स. भोपाल

30. मध्यप्रदेश में हाल ही में किस उत्पाद को भौगोलिक संकेतक (GI Tag) प्रदान किया गया है?
अ. सुंदरजा आम
ब. मुरैना गजक
स. भैरवगढ़ प्रिंट
द. अ तथा ब
उत्तर- द. अ तथा ब

31. मध्यप्रदेश के किस शहर में फौजी मेला 2023 आयोजित किया गया?
अ. इंदौर ब. सागर
स. भोपाल द. जबलपुर
उत्तर- स. भोपाल

32. मध्यप्रदेश में स्थित देश का पहला राष्ट्रीय उद्यान जिसका मास्टर प्लान बनाया जायेगा?
अ. कान्हा राष्ट्रीय उद्यान
ब. पेंच राष्ट्रीय उद्यान
स. सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान
द. कूनो पालपुर राष्ट्रीय उद्यान
उत्तर- द. कूनो पालपुर राष्ट्रीय उद्यान

33. मध्यप्रदेश में किस पर्यटन स्थल के चंपक बंगलों को इंटरनेशनल क्वालिटी सर्टिफिकेशन प्राप्त हुआ है?
अ. मांडू ब. सांची
स. पंचमढ़ी द. खजुराहो
उत्तर- स. पंचमढ़ी

34. 28 जनवरी, 2023 को मध्यप्रदेश में कहां मिलेट्स मेले का आयोजन किया गया?
अ. इंदौर ब. अलीराजपुर
स. ग्वालियर द. भोपाल
उत्तर- स. ग्वालियर

35. देश का सबसे बड़ा क्रूज किस शहर में बनाया जा रहा है?
अ. ग्वालियर ब. जबलपुर
स. खंडवा द. भोपाल
उत्तर- द. भोपाल

36. मध्यप्रदेश का सबसे बड़ा हर्बल गार्डन कहां बनाया जा रहा है?
अ. ग्वालियर ब. भोपाल
स. इंदौर द. उज्जैन
उत्तर- ब. भोपाल

37. किस राज्य सरकार ने राज्य भूमि सुधार आयोग का नाम बदलकर राज्य भूमि अधिकरण बोर्ड रखा है?
अ. उत्तरप्रदेश ब. मध्यप्रदेश
स. राजस्थान द. गुजरात
उत्तर- ब. मध्यप्रदेश

38. मध्यप्रदेश पुलिस के ई-विवेचना एप को राष्ट्रीय डिजिटल इंडिया अवॉर्ड में कौन सा स्थान प्राप्त हुआ?
अ. पहला ब. दूसरा
स. तीसरा द. चौथा
उत्तर- अ. पहला

39. मध्यप्रदेश में जैविक महोत्सव का आयोजन कहां किया गया?
अ. इंदौर ब. सीहोर
स. हरदा द. मुरैना
उत्तर- अ. इंदौर

40. मध्यप्रदेश के किस जिले में दूसरा आवासीय संस्कृत विद्यालय खोला जायेगा?
अ. ग्वालियर ब. मुरैना
स. शिवपुरी द. रतलाम
उत्तर- द. रतलाम

41. राष्ट्रीय खाद्य उत्सव 2023 का आयोजन किस शहर में किया गया?
अ. जबलपुर ब. इंदौर
स. भोपाल द. ग्वालियर
उत्तर- स. भोपाल

42. आयुष्मान कार्ड बनाने में शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने वाला मध्यप्रदेश का पहला जिला कौन सा बन गया है?
अ. भोपाल ब. इंदौर
स. झाबुआ द. मुरैना
उत्तर- ब. इंदौर

43. 9वें अंतर्राष्ट्रीय वन मेले का आयोजन कहां किया गया?
अ. मुरैना
ब. भोपाल
स. ग्वालियर
द. सागर
उत्तर- ब. भोपाल

44. स्कूली शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पढ़ाने वाला मध्यप्रदेश देश में कौन सा राज्य बना?
अ. पहला
ब. दूसरा
स. तीसरा
द. चौथा
उत्तर- अ. पहला

45. मध्यप्रदेश के गांवों को सौर ऊर्जा से बिजली की आपूर्ति में आत्मनिर्भर के उद्देश्य से किस अभियान की शुरुआत की गई है?
अ. सोलर पार्क परियोजना
ब. सूर्य शक्ति अभियान
स. सौर ऊर्जा अभिमान
द. ऊर्जा साक्षरता अभियान
उत्तर- ब. सूर्य शक्ति अभियान

46. मध्यप्रदेश का पहला इंटरप्रिटेशन सेंटर किस संग्रहालय में बनाया जायेगा?
अ. इंदौर ब. ग्वालियर
स. भोपाल द. जबलपुर
उत्तर- अ. इंदौर

47. सौर ऊर्जा से चलने वाला मध्यप्रदेश का पहला वैक्सीनेशन सेंटर कहां बनाया गया?
अ. जबलपुर
ब. भोपाल
स. ग्वालियर
द. इंदौर
उत्तर- स. ग्वालियर

48. देश में मध्यप्रदेश के किस नगर निगम ने पीएम स्वनिधि योजना में पहला स्थान प्राप्त किया है?
अ. ग्वालियर
ब. रतलाम
स. भोपाल
द. देवास
उत्तर- अ. ग्वालियर

49. मध्यप्रदेश में दूसरा विश्व स्तरीय रेलवे स्टेशन कहां बनाया जायेगा?
अ. ग्वालियर
ब. खजुराहो
स. ओरछा
द. सांची
उत्तर- ब. खजुराहो

50. अमृत सरोवर के निर्माण के लक्ष्य को पूरा करने वाला मध्यप्रदेश का पहला जिला कौन सा बन गया है?
अ. बड़वानी ब. बुरहानपुर
स. बैतूल द. हरदा
उत्तर- ब. बुरहानपुर

श्रृद्धा सुमन
(लेखिका, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी विषयों पर लेखन करती हैं)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में पूछे जाने वाले संभावित महत्वपूर्ण प्रश्न

सामान्य ज्ञान

प्र. 1 मध्यप्रदेश का उल्लेख निम्न में से किस/किन रूप में मिलता है?
(अ) एक स्थलबद्ध राज्य
(ब) देश का हृदय प्रदेश
(स) दक्षिणापथ तथा रेवोत्तर
(द) उपरोक्त सभी

उत्तर- (द)

प्र. 2 पुराना मध्यप्रदेश किस नाम से जाना जाता है?
(अ) मध्यलोक (ब) मध्य भारत
(स) विंध्याचल (द) बरार

उत्तर- (ब) 1 नवम्बर, 1956 को नवीन मध्यप्रदेश का गठन तत्कालीन सीपी एंड बरार, मध्य भारत, विंध्यप्रदेश, और भोपाल राज्य को मिलाकर हुआ। इससे पहले मध्यभारत के नाम से भी जाना जाता था।

प्र. 3 मध्यप्रदेश भू-वैज्ञानिक दृष्टि से किसका भाग है?
(अ) गोंडवाना लैण्ड
(ब) विंध्यन शैल
(स) दक्कन ट्रेप
(द) इनमें से कोई नहीं

उत्तर- (अ)

प्र. 4 भौगोलिक दृष्टि से निम्नलिखित में से कौन-सा कथन मध्यप्रदेश के सन्दर्भ में सही नहीं है?
(अ) भौगोलिक दृष्टि से मध्यप्रदेश देश का दूसरा बड़ा राज्य है
(ब) मध्यप्रदेश देश का 9.38 प्रतिशत भाग अपने पास रखता है
(स) प्रदेश की दक्षिणी सीमा चम्बल नदी बनाती है
(द) मध्यप्रदेश की सीमा को 5 राज्य स्पर्श करते हैं।

उत्तर- (स)

प्र. 5 मध्यप्रदेश के पूर्वी भाग तथा पश्चिमी भाग में लगभग कितने मिनट का अन्तर है?
(अ) 24 मिनट (ब) 28 मिनट
(स) 32 मिनट (द) 34 मिनट

उत्तर- (द) मध्यप्रदेश की पूर्व से पश्चिम का विस्तार 870 किलोमीटर और इसके पूर्व तथा पश्चिम भाग में लगभग 34 मिनट का अन्तर है।

प्र. 6 निम्नलिखित में से किस संघ/समूह के साक्ष्य मध्यप्रदेश में नहीं मिलते हैं?
(अ) पुराने संघ
(ब) आर्य समूह
(स) द्रविड़ समूह
(द) धारवाड़ समूह

उत्तर- (स) मध्यप्रदेश की भू-वैज्ञानिक संरचना से सम्बंधित अध्ययनों से ज्ञात होता है कि मध्यप्रदेश में धारवाड़ समूह, पुराने संघ, तृतीयक समूह, क्रिटेशस कल्प, आदि की चट्टानों के साथ मध्यप्रदेश के विभिन्न भागों में पाये जाते हैं किन्तु द्रविड़ संघ, के कोई साक्ष्य मध्यप्रदेश में नहीं पाये जाते हैं।

प्र. 7 अरावली पर्वत श्रृंखला मध्यप्रदेश के किस क्षेत्र में फैली हुई है?
(अ) बघेलखंड का पठार
(ब) नर्मदा-सोन घाटी
(स) मालवा का पठार
(द) बुन्देलखंड का पठार

उत्तर- (स) पृथ्वी की सबसे पुरानी पर्वत श्रृंखला मानी जाने वाली अरावली पर्वत श्रृंखला मध्यप्रदेश के मालवा के पठार के उत्तर-पश्चिम क्षेत्र में फैली है। इस पर्वत श्रृंखला की सबसे ऊंची चोटी गुरू शिखर है।

प्र. 8 आर्य समूह की चट्टानें मध्यप्रदेश के किस रूप में पायी जाती हैं?
(अ) गोण्डवाना शैल समूह के रूप में
(ब) बाघ सीरीज एवं लमेटा सीरीज के रूप में
(स) सौंसर एवं सिकोली सीरीज के रूप में
(द) पोर्सलेनाइट एवं हार्नस्टोन के रूप में

उत्तर- (अ) आर्य समूह की चट्टानें मध्यप्रदेश के गोण्डवाना शैल समूह के रूप में पायी जाती हैं। आर्य समूह की चट्टानें जलज प्रकार की हैं, क्योंकि इनकी उत्पत्ति जलीय क्षेत्रों में अवसाद के निक्षेपण के कारण हुई हैं। जबकि क्रिटेशस कल्प की चट्टानें बाघ सीरीज के लमेटा सीरीज के रूप में पायी जाती हैं।

प्र. 9 मध्यप्रदेश के गठन के संबंध में गलत कथन बताइये?
(अ) महाकौशल की राजधानी जबलपुर थी
(ब) बुलढाना अकोला सहित आठ जिलों को तत्कालीन मुम्बई राज्य मे सम्मिलित कर दिया गया।
(स) तत्कालीन संपूर्ण विंध्यप्रदेश को मध्यप्रदेश में मिला लिया गया
(द) मंदसौर जिले की भानपुरा तहसील को तत्कालीन राजस्थान को दे दिया गया।

उत्तर- (द)

प्र. 10 भौतिक बनावट की दृष्टि से वर्तमान मध्यप्रदेश को कितने भागों मे बांटा गया है?
(अ) 5 (ब) 6
(स) 7 (द) 8

उत्तर- (स)

प्र. 11 निम्न पठारों में से किस पठार का निर्माण ज्वालामुखी उद्गार से निकले लावे से हुआ है?
(अ) मालवा का पठार
(ब) बुन्देलखंड का पठार
(स) बघेलखंड का पठार
(द) रीवा-पन्ना का पठार

उत्तर- (अ)

प्र. 12 मध्यप्रदेश के तीन प्रमुख जिले कौन से हैं जो कर्क रेखा के सबसे अधिक समीप हैं?
(अ) इन्दौर, जबलपुर, भोपाल
(ब) रायगढ़, विदिशा, मण्डला
(स) उज्जैन, रतलाम, राजगढ़
(द) शिवपुरी, छतरपुर, रीवा

उत्तर- (स)

प्र. 13 सिंगार चोटी, जानापाव तथा धजारी चोटी किस पठार में स्थित हैं?
(अ) रीवा-पन्ना का पठार
(ब) बुन्देलखंड का पठार
(स) बघेलखंड का पठार
(द) इनमें से कोई नहीं

उत्तर- (द)

प्र. 14 मध्यप्रदेश की उत्तरी सीमा का निर्धारण किस नदी के द्वारा किया जाता है?
(अ) काली सिंध (ब) पार्वती
(स) चम्बल (द) सिंध

उत्तर- (स)

प्र. 15 मध्यप्रदेश में गोण्डवाना युग की चट्टानें निम्न क्षेत्र में मिलती हैं?
(अ) सतपुड़ा क्षेत्र में
(ब) मध्यभारत क्षेत्र में
(स) मालवा क्षेत्र में
(द) बुन्देलखंड क्षेत्र में

उत्तर- (अ)

प्र. 16 मध्यप्रदेश में कुड़प्पा क्रम की चट्टानें कहां पायी जाती हैं?
(अ) बिजावर (ब) पन्ना
(स) छतरपुर (द) उपरोक्त सभी

उत्तर- (द)

प्र.17 मध्यप्रदेश के किस स्थान को पूर्ण पाषाण युगीन नहीं माना जाता है?
(अ) ग्वालियर (ब) सीधी
(स) मंदसौर (द) खण्डवा

उत्तर- (अ)

प्र. 18 अविभाजित मध्यप्रदेश की पूर्व से पश्चिम की ओर चौड़ाई थी?
(अ) 870 (ब) 1127
(स) 996 (द) 605

उत्तर- (ब)

प्र. 19 अविभाजित मध्यप्रदेश की उत्तर से दक्षिण की और लम्बाई कितनी थी?
(अ) 996 (ब) 870
(स) 922 (द) 605

उत्तर- (अ)

प्र. 20 सम्पूर्ण मध्यप्रदेश निम्न में से किस पठार का भाग माना जाता है?
(अ) पूर्व का पठार
(ब) उत्तर का पठार
(स) पश्चिम का पठार
(द) दक्षिण का पठार

उत्तर- (द)

प्र.21 भू-संरचना की दृष्टि से चम्बल सोन अक्ष के उत्तर का भाग क्या कहलाता है?
(अ) मध्य उच्च प्रदेश
(ब) कैमूर की श्रेणी
(स) सतपुड़ा की श्रेणी
(द) मैकल पर्वत

उत्तर- (अ)

प्र.22 मध्यप्रदेश के किस जिले में धारवाड़ शैल समूह को सौंसर सीरीज के नाम से जाना जाता है?
(अ) छिंदवाड़ा (ब) बैतूल
(स) शहडोल (द) बालाघाट

उत्तर- (अ)

प्र. 23 मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले में पायी जाने वाली धारवाड़ शैल समूह को किस सीरीज की संज्ञा दी जाती है?
(अ) सौंसर सीरीज
(ब) संकोली सीरीज
(स) चिंपली सीरीज
(द) इनमें से कोई नहीं

उत्तर- (स) मध्यप्रदेश के दक्षिणी जिलों में मुख्यत: छिंदवाड़ा व बालाघाट में धारवाड़ शैल समूह पायी जाती हैं बालाघाट तथा अन्य निकटवर्ती भागों में धारवाड़ चट्टानों को चिपली सीरीज की संज्ञा दी जाती है।

प्र. 24 पन्ना की प्रसिद्ध हीरे की खदानें निम्न में से किस सीरीज के अन्तर्गत आती हैं?
(अ) बिजावर सीरीज
(ब) ग्वालियर सीरीज
(स) सौंसर सीरीज
(द) संकोली सीरीज

उत्तर- (अ)

प्र. 25 निम्न में से उस शैल को छांटिये जो कैमूर, रीवा तथा भाण्डेर सीरीज में बांटी गयी हैं?
(अ) लोअर विंध्यन
(ब) अपर विंध्यन
(स) अ और ब दोनों
(द) इनमें से कोई नहीं

उत्तर- (ब)

प्र. 26 निम्न में से किसमें, जबेरा का गुम्बद, स्थित है?
(अ) कगार भूमी
(ब) बुन्देलखंड का पठार
(स) मालवा का पठार
(द) मध्य भारत का पठार

उत्तर- (अ) प्रदेश के मध्य उच्च प्रदेश को पांच भागों में बाटा गया है। इन्हीं में से एक कगार भूमि (विंध्यन स्कार्पलैण्ड) हैं। भाण्डेर पठार से दक्षिण की और चलने पर जबेरा गुम्बद मिलता है। यह गुम्बद लगभग 29 किमी. लम्बा तथा 13 किमी. चौड़ा है।

प्र. 27 अविभाजित मध्यप्रदेश कितने प्राकृतिक भागों में बंटा हुआ था?
(अ) सात (ब) आठ
(स) नौ (द) ग्यारह

उत्तर- (स)

प्र. 28 सतपुड़ा पर्वत के संबंध में सत्य कथनों को चुनिये?
(अ) सतपुड़ा पर्वत की लम्बाई 1120 किमी. है।
(ब) इसके पश्चिम में राजपीपला की पहाड़ी है।
(स) यह नर्मदा नदी के दक्षिण में पश्चिम से पूर्व में स्थित है।
(द) उपरोक्त सभी कथन सत्य हैं।

उत्तर- (द) मध्यप्रदेश में दो पर्वत श्रृंखला सतपुड़ा व विंध्याचल पायी जाती है। सतपुड़ा पर्वत की लम्बाई 1120 किमी. है। यह पश्चिम में राजपीपला पहाड़ी से पूर्व में मैकाल पर्वत तक विस्तृत है। यह पर्वत नर्मदा के दक्षिण में पश्चिम से पूर्व में स्थित है।

प्र. 29 निम्नलिखित में से कौन-सा शहर भारतीय मानक समय (आई.एस.टी.) देशांश के निकटतम है?
(अ) रीवा (ब) सागर
(स) उज्जैन (द) होशंगाबाद

उत्तर- (अ)

प्र. 30 मध्य भारत का पठार प्रदेश के कितने प्रतिशत भाग पर विस्तृत है?
(अ) 7.5 (ब) 9.5
(स) 10.6 (द) 8.5

उत्तर- (स)

प्र.31 मध्यभारत के पठार के अन्तर्गत निम्न में से कौन-सा जिला शामिल नहीं है?
(अ) इन्दौर (ब) भिण्ड
(स) ग्वालियर (द) शिवपुरी

उत्तर- (अ)

प्र. 32 सौंसर सकोली व चिलपी श्रेणियां किस चट्टानी क्रम से सम्बंधित हैं?
(अ) आर्कियन (ब) धारवाड़
(स) कुड़प्पा (द) विंध्यन

उत्तर- (ब)

प्र. 33 भाण्डेर कैमूर व पारसनाथ किस पर्वत श्रृंखला के उपविभाग हैं?
(अ) विंध्याचल (ब) सतपुड़ा
(स) अरावली (द) अजन्ता

उत्तर- (अ)

प्र. 34 प्रदेश का उप-विभाग पूर्वी पठार के अन्तर्गत किस पठार को शामिल किया जाता है?
(अ) बुन्देलखंड का पठार
(ब) मालवा का पठार
(स) बघेलखंड का पठार
(द) रीवा-पन्ना का पठार

उत्तर- (स)

प्र. 35 अरावली एवं विंध्य श्रृंखलाओं के मध्य कौन-सा पठार स्थित है?
(अ) मालवा का पठार
(ब) छोटा नागपुर का पठार
(स) दक्कन का पठार
(द) रीवा-पन्ना का पठार

उत्तर- (अ)

प्र. 36 निम्न में से किस देश का क्षेत्रफल मध्यप्रदेश से कम है?
(अ) कनाडा (ब) ब्रिटेन
(स) फ्रांस (द) संयुक्त जर्मनी

उत्तर- (द)

प्र. 37 मध्यप्रदेश की सीमाएं किस राज्य से नहीं मिलती हैं?
(अ) उत्तरप्रदेश (ब) गुजरात
(स) ओडिशा (द) महाराष्ट्र

उत्तर- (स)

प्र. 38 निम्न में से मध्यप्रदेश की सीमा किस राज्य से मिलती है?
(अ) पंजाब (ब) केरल
(स) प. बंगाल (द) महाराष्ट्र

उत्तर- (द)

प्र. 39 निम्न में से मध्यप्रदेश के किस जिले की सीमा उत्तरप्रदेश को स्पर्श नहीं करती हैं?
(अ) भिण्ड (ब) सतना
(स) शिवपुरी (द) श्योपुर

उत्तर- (द)

प्र. 40 मध्यप्रदेश के दक्षिण में निम्न में से कौन-सा राज्य है?
(अ) राजस्थान (ब) गुजरात
(स) छत्तीसगढ़ (द) महाराष्ट्र

उत्तर- (द)

प्र. 41 मध्यप्रदेश राज्य का भौगोलिक क्षेत्रफल कितना है?
(अ) 30,8,252 वर्ग किमी.
(ब) 40,80,42 वर्ग किमी.
(स) 30,8,265 वर्ग किमी.
(द) इनमें से कोई नहीं

उत्तर- (अ)

- इमरतलाल खरते
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी विषयों पर लेखन करते हैं।)

खेल चर्चा

अर्जेंटीना ने मेसी की जर्सी नंबर 10 को किया रिटायर

ब्यूनस आयर्स, अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन ने स्टार फुटबॉलर लियोनल मेसी की जर्सी नंबर 10 को रिटायर करने का फैसला लिया है। एसोसिएशन ने यह फैसला मेसी को सम्मान देने के लिए लिया है। हालांकि मेसी अभी भी अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल में सक्रिय हैं, उन्होंने अभी तक फुटबॉल से संन्यास नहीं लिया है। अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष क्लाउडियो तापिया ने कहा कि जब मेसी अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेंगे तो उनके बाद किसी अन्य खिलाड़ी को जर्सी नंबर 10 पहनने की इजाजत नहीं होगी। जर्सी नंबर 10 को मेसी के सम्मान में रिटायर कर दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि मेसी अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम के कप्तान हैं। मेसी ने अर्जेंटीना के लिए 180 मैचों में 106 गोल किए हैं। मेसी की कप्तानी में अर्जेंटीना ने वर्ष 2022 में फीफा विश्वकप और वर्ष 2021 में कोपा अमेरिका कप जीता है।

भारत ने 7 विकेट से जीता दूसरा टेस्ट मैच, सीरीज 1-1 से बराबर

केपटाउन में भारत की पहली टेस्ट जीत

केपटाउन, भारतीय तेज गेंदबाजों ने केपटाउन की तेज और उछाल भरी पिच पर बेहतरीन गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों के छक्के छुड़ा दिए। भारत ने सीरीज के दूसरे मैच में दक्षिण अफ्रीका को 7 विकेट से हराया, इसके साथ ही दो मैचों की टेस्ट सीरीज 1-1 की बराबरी पर खत्म हुई। भारतीय टीम ने पहली बार केपटाउन में टेस्ट मैच जीता है।

मैच में दक्षिण अफ्रीका के कप्तान डीन एल्गर ने टॉस जीता और पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। एल्गर का निर्णय गलत साबित हुआ। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की घातक गेंदबाजी के सामने दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज टिक नहीं पाये। दक्षिण अफ्रीका की टीम 23.2 ओवरों में 55 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। सिराज ने 15 रन देकर 6 विकेट लिए, वहीं जसप्रीत बुमराह और मुकेश कुमार ने 2-2 विकेट लिए। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत भी खराब रही, यशस्वी जायसवाल बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। इसके बाद रोहित शर्मा (39), शुभमन गिल (36) और विराट कोहली (46) ने पारी को संभाला। भारतीय टीम एक समय 4 विकेट पर 153 रन बनाकर मजबूत स्थिति में थी, लेकिन भारत के अगले 6 विकेट इसी स्कोर पर गिर गए।

- टेस्ट क्रिकेट के इतिहास का ये सबसे छोटा मैच है। इस मैच में महज 642 गेंद ही फेंकी गईं।
- टेस्ट इतिहास का यह 25वां मैच है जो दो दिन के अंदर खत्म हो गया है।
- भारत ने तीसरी बार किसी टेस्ट मैच को दो दिन के अंदर जीता है।
- केपटाउन में भारत ने इससे पहले 6 मैच खेले थे, इनमें से 4 मैच हारे जबकि 2 मैच ड्रॉ रहे हैं।
- दक्षिण अफ्रीका में भारतीय टीम ने पांचवीं बार टेस्ट मैच जीता है।

दूसरी पारी में भी भारतीय गेंदबाजों का दबदबा रहा। एडेन मार्क्रम को छोड़कर अन्य कोई बल्लेबाज पिच पर टिक नहीं सका। मार्क्रम ने बल्लेबाजी के लिए मुश्किल पिच पर बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए शतक (106) जमाया, जिसकी बदौलत दक्षिण अफ्रीकी टीम दूसरी पारी में 176 रन बना सकी। भारत के लिए जसप्रीत बुमराह ने 6, मुकेश कुमार ने 2 और मोहम्मद सिराज एवं प्रसिद्ध कृष्णा ने 1-1 विकेट लिए।

भारतीय टीम को जीत के लिए 79 रनों का लक्ष्य मिला। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने 23 गेंदों में 28 रनों की तेजतर्रार पारी खेल कर भारतीय टीम को तेज शुरुआत दिलाई। इसके बाद रोहित शर्मा (16) ने नाबाद पारी खेलकर भारत को 12 ओवर में ही लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

हंपी ने विश्व रैपिड शतरंज चैम्पियनशिप में जीता रजत

समरकंद, भारतीय महिला ग्रैंडमास्टर कोनेरू हंपी उज्बेकिस्तान में आयोजित विश्व रैपिड शतरंज चैम्पियनशिप में खिताब जीतने से चूक गईं। टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में रूस की अनास्तासिया बोडनारूक ने हंपी को टाईब्रेकर और सडन डेथ में हराया। हालांकि हंपी टूर्नामेंट में रजत पदक जीतने में सफल रहीं। इससे पहले हंपी ने टूर्नामेंट में 11 राउंड में 8.5 अंक लेकर अनास्तासिया के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। इसके बाद विजेता का फैसला टाईब्रेकर से हुआ, जिसमें अनास्तासिया ने 2.5-1.5 से जीत दर्ज की। हंपी वर्ष 2019 में यह टूर्नामेंट जीत चुकी हैं।

केन्याई एथलीट बीट्रिस चेबेट ने बनाया विश्व रिकॉर्ड

बार्सिलोना, केन्या की महिला एथलीट और लंबी दूरी की धाविका बीट्रिस चेबेट ने महिला वर्ग में 5 किलोमीटर रेस में नया विश्व रिकॉर्ड बनाया है। चेबेट ने बार्सिलोना में आयोजित कर्सा डेल्स नासोस रोड रेस में 5 किलोमीटर रेस को 14 मिनट 13 सेकेंड में पूरा किया। ये 5 किलोमीटर रेस में नया कीर्तिमान है। इससे पहले यह रिकॉर्ड इथियोपिया की सेनबेत तेफेरी के नाम था, तेफेरी ने सितम्बर 2021 में यह दूरी 14 मिनट 29 सेकेंड में पूरी की थी। चेबेट ने तेफेरी से 16 सेकेंड कम लिए हैं।

भारत-ऑस्ट्रेलिया वन-डे सीरीज

ऑस्ट्रेलिया ने 3-0 से की क्लीन स्वीप

मुंबई, भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली गई तीन मैचों की वन-डे सीरीज को ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने 3-0 से क्लीन स्वीप कर लिया है। सीरीज के तीसरे और अंतिम मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने भारत को 190 रनों से हराकर सीरीज पर कब्जा किया। इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहला मैच 6 विकेट और दूसरा मैच 3 रन से जीता था।

तीसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। सलामी बल्लेबाज फोबे लिचफील्ड और कप्तान एलिसा हीली ने टीम को दमदार शुरुआत दिलाई और पहले विकेट के लिए 28.5 ओवरों में 189 रन बनाये। लिचफील्ड ने शानदार शतक (119) बनाया, वहीं हीली ने 82 रनों की बेहतरीन पारी खेली। इन दोनों खिलाड़ियों के आउट होने के बाद भारतीय गेंदबाजों ने वापसी की, लेकिन अंतिम ओवरों में एश्ले गार्डनर (30), एनाबेल सदरलैंड (23) और एलाना किंग (26) की शानदार पारियों के दम पर ऑस्ट्रेलियाई टीम का स्कोर 300 पार कर गया। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 50 ओवरों में 7 विकेट खोकर 338 रन बनाये।

विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम पारी की शुरुआत से ही दबाव में नजर आयी। टीम की सलामी बल्लेबाज यास्तिका भाटिया 6 रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। इसके बाद स्मृति मंधाना (29) और रिचा घोष (19) ने पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन तेजी से रन बनाने के प्रयास में अपना विकेट गवां बैठीं। इसके बाद जेमिमाह रोड्रिग्ज और दीप्ति शर्मा ने भी 25-25 रनों की पारी खेली, लेकिन भारतीय टीम को जीत नहीं दिला पाईं। भारत की पारी 32.4 ओवर में 148 रन पर सिमट गई।

किशोर जेना और डीपी मनु आरटीपी में हुए शामिल

नई दिल्ली, भारत के भाला फेंक खिलाड़ी किशोर जेना और डीपी मनु को ओलिंपिक चैम्पियन नीरज चोपड़ा के साथ वैश्विक ट्रैक एंड फील्ड की डोपिंग रोधी निगरानी संस्था एथलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट (एआईयू) के पंजीकृत परीक्षण पूल (आरटीपी) में शामिल कर लिया गया है। आरटीपी में अब भारत के सात खिलाड़ी शामिल हो गए हैं। आरटीपी में शामिल खिलाड़ियों को हर तीन महीने में ठहरने के स्थान की जानकारी एथलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट को देनी होती है।

डेविड वॉर्नर ने वन-डे क्रिकेट से लिया संन्यास

सिडनी, ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने टेस्ट क्रिकेट के बाद अब वन-डे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को भी अलविदा कह दिया है। वॉर्नर ने संन्यास की घोषणा करते हुए कहा कि भारत के खिलाफ अहमदाबाद में खेला गया आईसीसी वन-डे विश्वकप का फाइनल मेरे कॅरियर का आखिरी वन-डे मैच था।

दक्षिण अफ्रीका दौरे से

सत्र का आगाज करेगी हॉकी टीम

नई दिल्ली, भारत की पुरुष हॉकी टीम नए सत्र का आगाज दक्षिण अफ्रीका दौरे से करेगी। इस दौरे पर भारतीय टीम चार देशों के टूर्नामेंट में हिस्सा लेगी। इस टूर्नामेंट में भारत और दक्षिण अफ्रीका के अलावा फ्रांस और नीदरलैंड्स की टीमें भी हिस्सा लेंगी। यह टूर्नामेंट पेरिस ओलिंपिक की तैयारियों के लिहाज से चारों टीमों के लिए बेहद लाभदायक हो सकता है।

हॉकी इंडिया ने कहा कि भारतीय पुरुष हॉकी टीम चार देशों के टूर्नामेंट में हिस्सा लेगी और ओलिंपिक के लिए अपनी तैयारियों को परखेगी। यह टूर्नामेंट 14 से 28 जनवरी तक खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट से भारतीय टीम को फरवरी में खेले जाने वाले हॉकी प्रो लीग के मुकाबले की तैयारी में भी मदद मिलेगी।

हॉकी इंडिया ने कहा कि इस टूर्नामेंट से पहले भारतीय टीम के 39 सदस्यीय कोर ग्रुप के लिए राष्ट्रीय कोचिंग शिविर का आयोजन बेंगलुरु स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) परिसर में किया गया है। इस शिविर के बाद ही टूर्नामेंट के लिए टीम का चयन किया जाएगा।

हॉकी इंडिया ने पुरुष और महिला टीम की घोषित

नई दिल्ली, हॉकी इंडिया ने ओमान में आयोजित होने वाले हॉकी 5 एस (फाइव्स) विश्वकप के लिए भारत की पुरुष और महिला हॉकी टीम की घोषणा की है। पुरुष हॉकी टीम की कमान सिमरनजीत सिंह को सौंपी गई जबकि महिला टीम की कमान रजनी इतिमारपू संभालेंगी। हॉकी इंडिया ने बताया कि हॉकी 5 एस विश्वकप पहली बार आयोजित किया जा रहा है। महिला हॉकी 5एस विश्वकप 24 से 27 जनवरी तक खेला जाएगा जबकि पुरुष हॉकी 5 एस विश्वकप 28 से 31 जनवरी तक खेला जाएगा। इन दोनों टूर्नामेंटों में 16-16 टीमें खेलेंगी।

ऑस्ट्रेलियन ओपन

इनामी राशि बढ़कर हुई 488 करोड़ रुपये

मेलबर्न, वर्ष के पहले ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट ऑस्ट्रेलियन ओपन की इनामी राशि में इजाफा किया गया है। 14 जनवरी से शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट की इनामी राशि में 13 प्रतिशत (लगभग एक करोड़ ऑस्ट्रेलियन डॉलर) की वृद्धि की गई है।

ऑस्ट्रेलियन ओपन टूर्नामेंट के निदेशक क्रेग टिले ने एक बयान जारी कर कहा कि इस ग्रैंडस्लैम की कुल इनामी राशि आठ करोड़ 65 लाख ऑस्ट्रेलियन डॉलर (लगभग 488 करोड़ रुपये) हो गई है। उन्होंने कहा कि हमने ऑस्ट्रेलियन ओपन में हर राउंड के लिए इनामी राशि बढ़ाई है। सबसे ज्यादा बढ़ोत्तरी क्वालिफाइंग और शुरुआती राउंड के मुकाबलों के लिए की गई है। क्रेग टिले ने कहा कि हम चाहते हैं कि ये टूर्नामेंट सबके लिए एक लॉन्च पैड की तरह हो। इनामी राशि बढ़ने से ये सुनिश्चित होगा कि खिलाड़ी के पास वो सबकुछ हो जो उन्हें बेहतर प्रदर्शन करने में मदद करें।

- ऑस्ट्रेलियन ओपन का आयोजन 14 से 28 जनवरी तक किया जाएगा।
- ऑस्ट्रेलियन ओपन में नोवाक जोकोविच ने पुरुष वर्ग में सबसे ज्यादा 10 बार जीता है खिताब।
- महिला वर्ग में मार्ग्रेट कोट (11) सबसे ज्यादा बार ऑस्ट्रेलियन ओपन की चैम्पियन बनी हैं।

पहले दौर के क्वालिफायर को 31 हजार 250 ऑस्ट्रेलियन डॉलर मिलेंगे, जो पहले की तुलना में 20 प्रतिशत अधिक है। टूर्नामेंट में पुरुष और महिला एकल वर्ग के विजेता को अब इनामी राशि के रूप में 30 लाख 15 हजार ऑस्ट्रेलियन डॉलर मिलेंगे।

स्कॉटिश स्क्वॉश चैम्पियनशिप

अनाहत सिंह बनीं चैम्पियन

एडिनबर्ग, भारत की उभरती हुई स्क्वॉश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने स्कॉटलैंड के एडिनबर्ग में आयोजित स्कॉटिश जूनियर ओपन स्क्वॉश चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब जीता है। अनाहत सिंह ने बालिका अंडर-19 वर्ग में यह खिताब अपने नाम किया। अनाहत सिंह ने टूर्नामेंट के फाइनल में स्कॉटलैंड की रॉबिन मैकअल्पाइन को 11-6, 11-1, 11-5 से हराया।

टूर्नामेंट में भारत के युवा खिलाड़ी सुभाशीष चौधरी ने बालकों की अंडर-15 वर्ग स्पर्धा के फाइनल में अपने हमवतन खिलाड़ी शिवेन अग्रवाल को कड़े मुकाबले में 5-11, 11-4, 6-11, 11-8 और 11-5 से हराया। टूर्नामेंट में बालकों के अंडर-13 वर्ग का खिताब भारत के श्रेष्ठ अय्यर ने जीता।

अनाहत सिंह के लिए वर्ष 2023 बेहद शानदार रहा है। अनाहत ने वर्ष 2023 में राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में अंडर-19 और सीनियर वर्ग में दोहरे खिताब जीते हैं, इसके अलावा अनाहत ने एशियाई खेलों में भी दो कांस्य पदक जीते हैं। अनाहत ने एशियाई खेलों में मिश्रित युगल वर्ग और महिला टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

सुनक की बढ़ीं चुनौतियां

ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की मुश्किलें बढ़ती दिखाई दे रही हैं। उन्हें उपचुनाव की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। दरअसल, एक पूर्व ऊर्जा मंत्री ने नए तेल और गैस उत्पादन संबंधी कानून को लेकर कंजर्वेटिव पार्टी के सांसद पद से इस्तीफा दे दिया। 42 वर्षीय स्किडमोर ने पहले ही अगला आम चुनाव नहीं लड़ने की योजना की घोषणा कर दी थी, लेकिन उनके जल्दबाजी में बाहर निकलने का मतलब है कि सुनक को उपचुनाव लड़ने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। इसे अक्सर आम चुनाव वर्ष में अंतिम चुनाव परिणामों के अग्रदूत के रूप में देखा जाता है। स्किडमोर ने एक्स पर अपना त्याग-पत्र पोस्ट किया, जिसमें लिखा था कि यह विधेयक वास्तव में अधिक बार नए तेल और गैस लाइसेंस तथा उत्तरी सागर में नए जीवाश्म ईंधन के उत्पादन में वृद्धि की अनुमति देगा।

विक्रमसिंघे ने किया 13वें संविधान संशोधन का समर्थन

श्रीलंका का अल्पसंख्यक तमिल समुदाय राजनीतिक स्वायत्तता की लंबे समय से मांग कर रहा है। राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने इसका समाधान करने के लिए भारत द्वारा प्रस्तावित 13वें संशोधन का समर्थन किया है। 13ए में तमिल समुदाय को सत्ता के हस्तांतरण का प्रावधान है। विक्रमसिंघे ने कहा कि सत्ता का हस्तांतरण केवल एक 'राजनीतिक अवधारणा' नहीं, बल्कि एक 'आर्थिक वास्तविकता' होनी चाहिए। 1987 में तत्कालीन भारत सरकार के सीधे दखल के कारण 13ए श्रीलंका के संविधान का हिस्सा बन गया था। इसने उत्तर और पूर्व के अस्थायी विलय के साथ नौ प्रांतों के लिए नौ प्रांतीय परिषदें बनाई थीं। इनके बारे में तमिल अल्पसंख्यक दावा करते हैं कि यह उनकी पारंपरिक मातृभूमि है।

चीन जाएंगे मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्ज़ू

मालदीव के नए राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्ज़ू अपने चीनी समकक्ष शी जिनपिंग से बातचीत के लिए पहली बार चीन जाएंगे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि दोनों शीर्ष नेताओं के बीच बैठक रणनीतिक मार्गदर्शन प्रदान करेगी। साथ ही द्विपक्षीय रिश्ते नई ऊंचाई पर पहुंचेंगे। चीनी प्रवक्ता हुआ चुनयिंग ने बताया कि राष्ट्रपति शी के निमंत्रण पर मुइज्ज़ू और प्रथम महिला साजिदा मोहम्मद जनवरी में चीन का दौरा करेंगे।

दक्षिणी ध्रुव पर स्कीइंग कर पहुंचीं कैप्टन हरप्रीत चंडी

ब्रिटिश सिख सेना अधिकारी और फिजियोथेरेपिस्ट कैप्टन हरप्रीत चंडी ने एकल स्कीइंग से जुड़ा एक कारनामा अपने नाम किया है। एकल दक्षिणी ध्रुव स्कीइंग अभियान पूरा करने वाली दुनिया की सबसे तेज महिला बनने का नया विश्व रिकॉर्ड हरप्रीत चंडी ने अपने नाम किया है। 33 वर्षीय हरप्रीत ने ब्लॉग पर लिखा कि 1130 किलोमीटर के अभियान को उन्होंने केवल 31 दिनों में पूरा कर लिया है।

(स्रोत: संपादकीय टीम द्वारा संकलित फोटो : गूगल से साभार)

तमिलनाडु भारत की समृद्धि और संस्कृति का प्रतिबिंब तथा सांस्कृतिक विरासत का खजाना है

प्रधानमंत्री ने तिरुचिरापल्ली में 20 हजार करोड़ से अधिक की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने तमिलनाडु में विकास की विभिन्न योजनाओं का शुभारंभ किया

विश्व की शीर्ष 5 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल

प्रधानमंत्री ने पिछले 10 वर्षों में सड़क मार्ग, रेल, बंदरगाहों, हवाई अड्डों, गरीबों के लिए घर और अस्पताल जैसे क्षेत्रों में भारत द्वारा किए गए भारी निवेश की जानकारी दी और भौतिक अवसंरचना पर सरकार के बल को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि भारत विश्व की शीर्ष 5 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो गया है, इससे यह विश्व के लिए आशा की किरण बन गया है। भारत में विश्व भर से आने वाले भारी निवेश की चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इसका सीधा लाभ तमिलनाडु और उसके लोगों द्वारा उठाया जा रहा है क्योंकि राज्य मेक इन इंडिया के लिए एक प्रमुख ब्रांड एंबेसडर बन गया है।

तमिलनाडु को 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक की जिन परियोजनाओं की सौगात मिली है वह राज्य की प्रगति को सुदृढ़ बनाएंगी। सड़क, रेल, बंदरगाहों, हवाई अड्डों, ऊर्जा और पेट्रोलियम पाइपलाइनों के क्षेत्रों में फैली इन परियोजनाओं के लिए राज्य के लोगों को बधाई दी। इनमें से अनेक परियोजनाएं आवाजाही को प्रोत्साहित करेंगी और राज्य में रोजगार के हजारों अवसर भी पैदा करेंगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ये बातें तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं के उद्घाटन अवसर पर कहीं।

इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि विकास परियोजनाओं में तमिलनाडु में रेल, सड़क, तेल और गैस तथा पोत परिवहन जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका

प्रधानमंत्री ने कहा कि अगले 25 वर्षों के लिए आजादी का अमृत काल भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने विकसित भारत के आर्थिक और सांस्कृतिक दोनों पहलुओं का उल्लेख किया और रेखांकित किया कि तमिलनाडु भारत की समृद्धि और संस्कृति का प्रतिबिंब है। प्रधानमंत्री ने संत तिरुवल्लुवर और सुब्रह्मण्य भारती सहित अन्य विशिष्ट साहित्य रचनाकारों की चर्चा करते हुए कहा कि तमिलनाडु प्राचीन तमिल भाषा का निवास है और सांस्कृतिक विरासत का खजाना है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु सीवी रमन और अन्य वैज्ञानिकों के वैज्ञानिक और तकनीकी मस्तिष्क का भी निवास है, जो राज्य के उनके हर दौरे में नई ऊर्जा भरता है।

निरंतर विस्तार में विश्वास है

प्रधानमंत्री ने तिरुचिरापल्ली की समृद्ध विरासत के बारे में कहा कि यहां हमें पल्लव, चोल, पांड्य और नायक जैसे राजवंशों के सुशासन मॉडल के अवशेष मिलते हैं। उन्होंने कहा कि वह अपनी विदेश यात्रा के दौरान किसी भी अवसर पर तमिल संस्कृति का उल्लेख करते हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वे देश के विकास और विरासत में तमिल सांस्कृतिक प्रेरणा के योगदान के निरंतर विस्तार में विश्वास करते हैं। उन्होंने नए संसद भवन में पवित्र सेंगोल की स्थापना, काशी तमिल और काशी सौराष्ट्र संगमम को पूरे देश में तमिल संस्कृति के प्रति उत्साह बढ़ाने का प्रयास बताया।

नेपाल यात्रा के दौरान समझौते पर हस्ताक्षर

10 साल में मिलेगी 10 हजार मेगावॉट बिजली

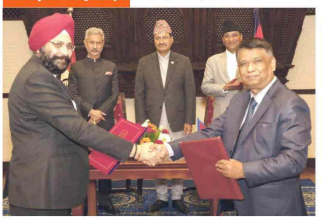

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने दो दिवसीय नेपाल यात्रा के दौरान नेपाल के साथ एक दीर्घकालिक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते से नेपाल आगामी 10 वर्षों में भारत को 10,000 मेगावाट बिजली के निर्यात की सुविधा प्रदान करेगा। एक द्विपक्षीय बैठक में डॉ. जयशंकर और नेपाल के ऊर्जा-जल संसाधन एवं सिंचाई मंत्री शक्ति बहादुर बस्नेत की मौजूदगी में बिजली निर्यात समझौते पर हस्ताक्षर किए। नेपाल के ऊर्जा सचिव गोपाल सिगडेल और उनके भारतीय समकक्ष पंकज अग्रवाल ने द्विपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए।

नीति का अहम साझेदार है नेपाल

डॉ. जयशंकर ने कहा कि वे 2024 के पहले दौर पर फिर नेपाल आकर खुश हैं। उन्होंने नेपाल के विदेश मंत्री एनपी सऊद के साथ 7वीं भारत-नेपाल संयुक्त आयोग की बैठक की सह-अध्यक्षता की। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों, व्यापार और आर्थिक संबंधों, भूमि, रेल और हवाई कनेक्टिविटी परियोजनाओं, रक्षा और सुरक्षा में सहयोग, कृषि, ऊर्जा, बिजली, जल संसाधन, आपदा प्रबंधन, पर्यटन एवं नागरिक उड्डयन पर चर्चा की।

चीन-डीपीआरके मैत्री वर्ष

दोनों देशों के प्रमुखों में मित्रता पर करार

चीन और उत्तर कोरिया करीबी सहयोगी हैं। दोनों देशों ने संयुक्त रूप से 2024 को 'चीन-डीपीआरके मैत्री वर्ष' घोषित किया। कोरिया और रूस की कथित करीबी को लेकर बीजिंग की चिंता बढ़ने की अटकलों के बीच शी जिनपिंग और किम जोंग उन ने गतिविधियों की श्रृंखला शुरू करने का ऐलान किया। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, कोरिया चीन का सबसे करीबी रणनीतिक सहयोगी माना जाता है। उत्तर कोरिया के साथ चीन का करीबी सुरक्षा और आर्थिक सहयोग है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने एक जनवरी को नए साल का उत्सव मनाने के साथ-साथ शुभकामना संदेश जारी किए। दोनों का बयान इसलिए भी अहम है क्योंकि दोनों अपने-अपने देश में सबसे शीर्ष नेता हैं। जिनपिंग कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना (सीपीसी) सेंट्रल कमेटी के महासचिव हैं। दूसरी तरफ किम जोंग उन वर्कर्स पार्टी ऑफ कोरिया के महासचिव हैं। किम डीपीआरके (डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया) के राज्य मामलों के अध्यक्ष भी हैं।

वर्ष के पहले दिन इसरो ने रचा इतिहास

बीते साल 2023 में चंद्रयान-3 और सूर्य मिशन की सफलता से उत्साहित इसरो ने साल 2024 के पहले ही दिन नया इतिहास रच दिया। इसरो ने देश का पहला एक्सपोसेट (एक्स-रे पोलारिमीटरसैटेलाइट) मिशन लॉन्च किया। सैटेलाइट एक्सपोसेट की लॉन्चिंग श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन स्पेस सेंटर से सुबह करीब 9 बजे की गई। एक्सपोसेट मिशन पर इसरो प्रमुख एस. सोमनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर पोस्ट करते हुए लिखा, 1 जनवरी 2024 को पीएसएलवी का एक और सफल मिशन पूरा हो गया है। एक्सपोसेट के जरिए 'ब्लैक होल' की रहस्यमयी दुनिया के बारे में कई खुलासे हो सकते हैं। इसरो के मुताबिक, यह करीब 5 वर्ष का लंबा मिशन है।

देश का पहला और दुनिया का दूसरा एक्सपोसेट प्रक्षेपण

ऑस्ट्रेलियाई वैज्ञानिकों का नया शोध

अब कैंसर की दवा से होगा डायबिटीज का इलाज वैज्ञानिकों ने दो दवाएं मिलाकर बनाई नई दवा

ऑस्ट्रेलिया के बेकर हार्ट इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिक अपने शोध के दौरान पेंक्रियाटिक स्टेम कोशिकाओं में ऐसे बदलाव करने में कामयाब रहे। इसके बाद कोशिकाएं ज्यादा इंसुलिन पैदा करने लगीं। नेचर पत्रिका में छपे एक शोध पत्र के मुताबिक, शोधकर्ताओं ने रिसर्च में कैंसर की दो दवाओं का इस्तेमाल किया जो अमेरिका की खाद्य-दवा प्रशासन से मान्यता प्राप्त हैं। मोनाश यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिक इस दिशा में पहले शोध कर चुके हैं, जिसे बेकर हार्ट के वैज्ञानिकों ने और आगे बढ़ाया है। वैज्ञानिकों का अगला कदम इस दवा का जानवरों पर परीक्षण होगा।

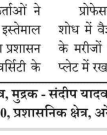

कैंसर की दवाओं ने किया काम

प्रोफेसर अल-ओस्ता के अनुसार शोध में वैज्ञानिकों ने टाइप-1 डायबिटीज के मरीजों के दान किए उतकों को एक प्लेट में रखा और उन पर कैंसर की दवाओं का इस्तेमाल किया। कुछ ही दिनों में वे इंसुलिन पैदा करने लगे। इनमें बच्चों व वयस्कों, दोनों के ऊतक शामिल थे। मोनाश यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने मरीज की बची हुई पेंक्रियाटिक कोशिकाओं को प्रभावित करने का तरीका खोजा है। इससे उनसे बीटा कोशिकाओं की तरह इंसुलिन पैदा किया जाएगा। अल-ओस्ता ने कहा, यह इलाज टाइप-1 डायबिटीज का रास्ता बदल कर हर वक्त इंसुलिन लेने की जरूरत खत्म कर सकता है।

वर्ष में 15 लाख से अधिक लोगों की होती है मौत

विश्व में डायबिटीज के 42 करोड़ से ज्यादा मरीज हैं। हर वर्ष यह बीमारी 15 लाख से ज्यादा जानें लेती है। डायबिटीज के मामले में भारत दुनिया के दस बड़े देशों में है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च की 2022 की रिपोर्ट के अनुसार 95,600 लोगों को टाइप-1 डायबिटीज थी।

स्वामी- मध्यप्रदेश माध्यम, प्रकाशक - संदीप यादव, मुद्रक - संदीप यादव द्वारा मेसर्स डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, 10-11, सेक्टर-B, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित एवं मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक- रंजना चितले।